सुविचार
हम उन लोगों से भी सीख सकते हैं, जिन लोगों से हम खुद को श्रेष्ठ समझते हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 21 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 05 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,423.65
निफ्टी	:	21,571.80

SARAFA

सोना	:	5,940
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला धराया

ARARIA : अररिया जिले की पलासी थाना पुलिस ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला मंदिर को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन बम से उड़ाने की धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक खुद को विदेश में छिपे दाऊद इब्राहिम ग्रुप का आतंकी बता रहा है। युवक ने खुद को छोटा शकील बताकर धमकी देने के लिए फोन किया था। गिरफ्तार युवक पलासी थाना क्षेत्र के बलुआ कलियागंज निवासी इब्राहिम का पुत्र इंतखाब बताया गया है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया है कि बीते शुक्रवार 19 जनवरी 2024 की देर शाम एक युवक अपना नाम छोटा शकील बता रहा था और खुद को विदेश में छिपा दाऊद इब्राहिम गिरोह का आतंकवादी बता रहा था। उसने पुलिस वाहन इआरआरएस के डायल 112 नंबर पर कई बार कॉल किया। वो कॉल करके 22 जनवरी 2024 यानी सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के दिन राम लला मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दे रहा था।

बिहार के मंत्रियों के विभागों में फेरबदल

PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद कोटे के कई मंत्रियों के विभाग बदल दिये हैं। जिन नेताओं के विभाग बदले गए हैं उनमें प्रो। चंद्रशेखर, आलोक कुमार मेहता और ललित कुमार यादव शामिल हैं। कैबिनेट बदलाव की यह जानकारी कैबिनेट सचिवालय विभाग की ओर से शनिवार देर शाम अधिसूचना के माध्यम से जारी की गई है। जिसमें बताया गया है कि बिहार के मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल सचिवालय के आदेश से मंत्रियों के विभाग में बदलाव किया गया है। यह अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। अधिसूचना के मुताबिक शिक्षा मंत्री के पद से प्रो। चंद्रशेखर को हटा दिया गया है। उन्हें गन्ना उद्योग विभाग का मंत्री बना दिया गया है। इसके साथ ही अब नए शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी आलोक कुमार मेहता को दी गई है।

शिमला में भरभराकर गिरी 5 मंजिला बिल्डिंग

ARARIA : हिमाचल के शिमला में स्कूल प्रिंसिपल की 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे की है। बिल्डिंग गिरने की वीडियो भी सामने आई है। घटना के दौरान बिल्डिंग में कोई मौजूद नहीं था। सूचना पाकर प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। घटना शिमला से करीब 20 किलोमीटर दूर धामी की है। बिल्डिंग में लॉ यूनिवर्सिटी घंडल के स्टूडेंट रहते थे। एक हफ्ते पहले बिल्डिंग में दरारें आ गई थीं। खतरे को देखते हुए बिल्डिंग खाली करा दी गई थी। बिल्डिंग मालिक राजकुमार शर्मा अर्की स्कूल में प्रिंसिपल है।

हेमंत से सात घंटे तक पूछताछ, बोले- डरने वाले नहीं

जरूरत पड़ी तो गोली भी खा लेंगे : मुख्यमंत्री सोरेन

CRIME REPORTER RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने भूमि घोटाले से जुड़े कथित मनी लाउंडरिंग मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को पूछताछ की। पूछताछ सात घंटे से भी ज्यादा देर तक चली। दिन में 1.03 बजे के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंची ईडी की टीम रात के साढ़े 7.25 बजे के बाद वहां से लौट गई। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से एक बार फिर पूछताछ हो सकती है। ईडी की टीम के लौटने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। हेमंत ने कहा, सरकार बनने के बाद से षड्यंत्र के जाल बिछाए जा रहे हैं। हम ना कभी झुके हैं न डरे हैं। हेमंत सोरेन हर कार्यकर्ता के साथ खड़ा रहेगा, ये वादा करता हूं। जरूरत होगी तो गोली खा लेंगे लेकिन झूकेंगे नहीं। कार्यकताओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पैदल ही सीएम हाउस के पीछे के गेट से वापस सीएम हाउस चले गये। सीएम के संबोधन के बाद उत्साहित जेएमएम कार्यकताओं ने एलपीएन सहदेव चौक पर पटाखे फोड़े।

लैंड स्कैम केस को लेकर सीएम हेमंत से ईडी ने किए सवाल : सीएम हेमंत से लैंड स्कैम केस को लेकर सवाल-जवाब किए गए। मुख्यमंत्री आवास के बाहर जेएमएम के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे। इसलिए फोर्स बढ़ा दी गई थी। प्रशासन ने सीएम हाउस के बाहर शाम 7 से 11 बजे तक धारा-144 लगाने का आदेश जारी किया था। ईडी की टीम 9 गाड़ियों के काफिले में सीएम हाउस पहुंची थी। ईडी के तीन अधिकारी दिल्ली से पहुंचे थे।

- एक बार फिर सीएम हेमंत सोरेन से ईडी कर सकती है पूछताछ
- ईडी के लौटने के बाद हेमंत सोरेन ने अपने समर्थकों को संबोधित किया
- बोले- सरकार बनने के बाद से षड्यंत्र के जाल बिछाए जा रहे

पूछताछ के बाद संबोधित करते हेमंत सोरेन।

अब उनके ताबूत में आखिरी कील ठोंकेंगे : हेमंत सोरेन

सात घंटे की पूछताछ के बाद सीएम आवास से हेमंत सोरेन पैदल ही बार निकले। इसके बाद एलपीएन शाहदेव चौक पर कार्यकर्ताओं से मिले। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया। सीएम ने कहा कि आपलोग इतनी देर तक मेरे समर्थन में जुटे रहे, इसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं। आगे जो भी परीक्षा देनी पड़े, उसके लिए हम तैयार हैं। हमने झारखंड लड़कर लिया है। हम झारखंड को इन भ्रष्टाचारियों के हाथ में कभी जाने नहीं देंगे। सरकार बहुत मुश्किल से बनी है। राज्य के सर्वांगीण विकास के साथ हमने इन षड्यंत्रों को नाकाम किया है। इनके पर को कुतरकर ही हम आगे बढ़ रहे हैं। अब उनके ताबूत में हम आखिरी कील ठोंकेंगे। मैं सभी कार्यकताओं को इस जज्बे के लिए धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद से ही विपक्ष सरकार को गिराने के लिए लगातार षड्यंत्र कर रहा है। इनका हर षडयंत्र विफल हो रहा है। आज सुनियोजित तरीके से विपक्ष के लोगों को टारगेट कर उन पर प्रहार किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। उस कड़ी में हम भी आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं जनता के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बना। कहा कि हमें किसी भी हाल में राज्य को षड्यंत्रकरियों के हाथ में नहीं जाने देना है। ये लोग जब हमसे राजनीतिक रूप से नहीं सक रहे तो पर्दे के पीछे से सरकार को हिलाने-डुलाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन हम कोई गाजर मूली नहीं है जो कोई हमें उखाड़ कर फेंक दे, जो भी हमें उखाड़ने की कोशिश करेगा वह खुद उखड़ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य पर गलत नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

हर परीक्षा कठिन होती है : विनोद पांडेय

सीएम आवास के बाहर झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि पूछताछ के बाद सीएम अपने कार्यकताओं से मिले उनकी हौसला अफजाई की। साथियों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड संघर्षों से बना है। ऐसे में हम कभी संघर्षों से घबरानेवाले नहीं हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा की परीक्षा हमेशा कठिन होती है। हमें पता नहीं होता कि किस तरह के सवाल पूछे जायेंगे। इसके बाद भी हमें तैयार रहना चाहिए और हम सभी तैयार हैं।

आठ चिट्ठी के बाद पूछताछ के लिए तैयार हुए थे हेमंत

हेमंत सोरेन ने पिछले सप्ताह ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को चिट्ठी लिखकर कहा था कि पूछताछ के लिए 20 जनवरी को मुख्यमंत्री आवास आ जाएं। इसके पहले ईडी ने उन्हें आठ बार समन भेजा था। सात बार तो हेमंत सोरेन ने ईडी के समक्ष पेश होने से इंकार कर दिया था। सातवीं बार ईडी ने अपने तेवर नरम करते हुए एक चिट्ठी लिखी, जिसमें झारखंड के मुख्यमंत्री से कहा गया कि आपसे पूछताछ करनी है। समय और जगह आप तय करें। हमारी टीम आपसे उसी समय और उसी जगह पर पूछताछ करेगी। इसके बाद सीएम ने ईडी को 20 जनवरी को पूछताछ के लिए सीएम आवास आने के लिए कहा था।

पारंपरिक हथियार के साथ दिन भर डटे रहे झामुमो कार्यकर्ता

हेमंत सोरेन से पूछताछ करने ईडी की टीम दिन के 1.03 बजे कांके रोड स्थित सीएम आवास पहुंची थी। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास के दोनों ओर कार्यकर्ता पारंपरिक हथियार और पार्टी के झंडों के साथ डटे रहे। वहीं, प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। 900 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

चांदी की मूर्ति का पूजन, विराजमान रामलला की निकाली पालकी यात्रा

जय श्री राम के नारों से गूंजा अयोध्या, सील हुई रामनगरी

AGENCY AYODHYA : 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के पहले अयोध्या में शनिवार को भगवान राम की चांदी की मूर्ति का पूजन किया गया। 31 सालों तक टेंट व अस्थायी मंदिर में रहने के बाद शनिवार को रामलला नए मंदिर में पहुंच गए। अस्थाई मंदिर में विराजमान रामलला को सुबह पहले वैदिक मंत्रों से जगाया गया फिर नए मंदिर में पूजन स्थल पर लाकर विराजित किया गया। विराजमान रामलला जब नए मंदिर में पहुंचे तो उनका भव्य अभिनंदन हुआ। पहले उनकी विधिविधान पूर्वक पूजा की गई फिर पालकी पर सवार कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विराजमान रामलला ने नए मंदिर की परिक्रमा की। इस दौरान पूरा मंदिर वेदमंत्रों से गूंजता रहा। शोभायात्रा में लगे जय श्री राम के नारों से अयोध्या गूंज उठी। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर रामनगरी का सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। शनिवार की रात से ही जिले समेत अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी गई हैं।

प्राण-प्रतिष्ठा पर 4 घंटे अयोध्या में रहेंगे पीएम मोदी, जटायु की मूर्ति का करेंगे इनॉगरेशन

AYODHYA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब 22 जनवरी यानी प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही अयोध्या आएंगे। वह 4 घंटे रामनगरी में रुकेंगे। सुबह 10 .30 बजे विमान से अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरेंगे। 11 बजे राम मंदिर पहुंच जाएंगे। यहां 3 घंटे रुकेंगे। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने से पहले पीएम राम मंदिर परिसर में लगी जटायु की प्रतिमा का इनॉगरेशन करके पूजा करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 12 .20 से 1 बजे तक होगा। पीएम के सामने रामलला की आंखों से पट्टी खोली जाएगी। वे रामलला को सोने की सलाई से काजल लगाकर उनको शीशा दिखाएंगे। इसके बाद मोदी, मोहन भागवत और ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास अपने विचार रखेंगे। इसके बाद दोपहर 3 .30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। प्रशासनिक सूत्रों ने पीएम के कार्यक्रम को कंफर्म किया है। हालांकि, ऑफिशियली पीएम के कार्यक्रम की जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले, पीएम का प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले यानी 21 जनवरी को अयोध्या पहुंचने का कार्यक्रम बन रहा था। मुहूर्त और मौसम को इसकी वजह बताया जा रहा था।

हेमंत सोरेन ने डर के कारण अपने आवास को चुना : भाजपा

RANCHI : नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर बाउरी ने कहा, इरफान अंसारी अपने कारावास के दिनों को याद करके रो रहे थे। यह डर को प्रदर्शित करता है। विदाई का समय आता है तो सभी मित्र साथी जमा होते हैं। इनकी विदाई पक्की है। मुख्यमंत्री ने डर के कारण अपने आवास को चुना है। अगर डर नहीं होता तो वह पहले ही ईडी कार्यालय पहुंचते। उन्होंने गलत किया इसलिए वह डर रहे हैं। सीएम आवास के 500 मीटर के दायरे में लागू धारा 144 के बावजूद जमा भीड़ पर अमर बाउरी ने कहा, जेएमएम के कार्यकर्ताओं ने ना पहले कानून माना था और ना आगे मानेंगे। अगर आदेश पारित हुआ है और उसका उल्लंघन हो रहा है तो यह आपके मुंह पर कानून का मजाक उड़ाने जैसा है।

पीएम मोदी ने रामेश्वरम के अग्नि तीर्थम में लगाई डुबकी

रामनाथस्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

AGENCY CHENNAI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तमिलनाडु दौरे पर रहे। यहां उन्होंने दो मंदिरों में पूजा की। पीएम पहले तिरुचिरापल्ली के श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर गए। वहां उन्होंने अंदल नाम के हाथी को गुड़ खिलाया और आशीर्वाद लिया। दोपहर में उन्होंने रामेश्वरम में रोड शो किया। इसके बाद पीएम ने रामेश्वरम के अग्नि तीर्थम पर डुबकी लगाई फिर भगवान रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की। यहां उन्होंने रामायण पाठ और भजन संध्या में हिस्सा लिया। श्री रंगनाथस्वामी और रामेश्वरम मंदिर भगवान राम के

जीवन से जुड़े हैं। 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री उन मंदिरों में दर्शन कर रहे हैं, जिनका रामायण में जिक्र है। 21 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी धनुषकोडि के कोदंडारामस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद वे धनुषकोडी के पास अरिचल मुनाई भी जाएंगे।

कल 2500 युवाओं को ऑफर लेटर देंगे हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत नियोजन सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। इस कड़ी में सीएम हेमंत सोरेन 22 जनवरी को 2500 युवाओं को निजी क्षेत्र में ऑफर लेटर सौंपेंगे। रांची के होटवार स्थित खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में हुनरमंद युवाओं को अरविंद टेक्सटाइल, किशोर एक्सपोर्ट, श्री गणपति क्रिएशन, अर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, मैट्रिक्स क्लोथिंग,

वेलेंसिया अपैरल्स एवं ओरिएंट क्राफ्ट टेक्सटाइल कंपनियों के लिए ऑफर लेटर सौंपा जाएगा। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमंडल स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन कर करीब 56 हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में ऑफर लेटर दिया जा चुका है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 500 रुपये का जुर्माना

MUMBAI : कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ठाणे की एक अदालत ने शनिवार को 500 रुपये का जुमार्ना लगाया है। पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या में आरएसएस का नाम जोड़ने पर राहुल गांधी के खिलाफ आरएसएस कार्यकर्ता विवेक चंपानेरकर ने सिविल मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इस वाद में एक रुपये का हजार्ना देने की मांग की गई थी। इसी मामले में राहुल गांधी की तरफ से लिखित बयान दर्ज कराने में देरी होने पर अदालत ने उन पर 500 रुपये का यह जुमार्ना लगाया है। मामले की अगली सुनवाई 15 फरवरी को होगी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने इस मामले में राहुल गांधी के बयान में देरी के लिए कहा था कि राहुल दिल्ली में रहते हैं और संसद सदस्य हैं।

कड़ी निगरानी में ज्ञानवापी टैंक की हुई सफाई

SC के आदेश पर 26 लोगों की टीम ने 2 घंटे में पानी निकाला, वाराणसी डीएम रहे मौजूद

AGENCY VARANASHI : वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर में वजूस्थल पर बने टैंक की सफाई का काम शनिवार को कड़ी निगरानी में पूरा कर लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नगर पालिका मत्स्य विभाग समेत 26 सदस्यीय टीम ने सफाई का काम पूरा किया। मौके पर वाराणसी के डीएम मौजूद रहे। इस दौरान सीआरपीएफ और पुलिस की तगड़ी सुरक्षा रही। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से साफ-सफाई की गई, दोनों पक्षों की सहमति से सफाई का काम सही से हुआ है। वहां किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है। सर्वे के दौरान जो स्थिति थी बिल्कुल वैसी स्थिति है। सफाई का काम 2 घंटे चला। वजूस्थल की सफाई के बाद मछलियों को बाहर निकाला गया। इनमें से 17 मछलियां मरी पाई गईं, जिन्हें नगर निगम को सौंप दिया गया। वहीं, 38 जिंदा मछलियों को प्रशासन की मौजूदगी में मुस्लिम पक्ष को सौंपा गया। इसके बाद पूरे परिसर को फिर से सील कर दिया गया है। संरचना से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। दोनों पक्षों ने संतुष्टि के साथ हस्ताक्षर किया।

38 जिंदा मछलियों को मुस्लिम पक्ष को सौंपा, 17 मछलियां मरी पाई गईं

हिंदू पक्ष की दलील थी- मछलियां भगवान की हैं

हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी ने डीएम से मांग की कि टैंक की मछलियां भगवान की हैं। उन्हें गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए। हालांकि, डीएम ने कहा कि टैंक में मिलने वाली मछलियों पर मुस्लिम पक्ष का दावा है। उनका कहना है कि जो मछलियां जीवित निकलेंगी, वह उन्हें सौंपी जाएं। टैंक की सफाई की शनिवार सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो दोपहर एक बजे तक चली। पानी दो घंटे में निकाला गया। टैंक से पानी निकालने के लिए फायर बिग्रेड की गाड़ियों को भी बुलाया गया था। 26 लोगों की जो टीम अंदर गई थी, उसमें 15 निगम के सफाईकर्मी थे। 17 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने टैंक की सफाई करने का आदेश दिया था।

फ्रांस के बैंड, मार्चिंग कंटीजेंट के साथ 2 राफेल जेट ने फ्लाई पास्ट रिहर्सल की

गणतंत्र दिवस परेड में फ्रांसीसी आर्मी दिखाएंगे करतब

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली में 75वें गणतंत्र दिवस के लिए परेड रिहर्सल चल रही है। शनिवार को इस रिहर्सल में फ्रांस की सेना ने भी हिस्सा लिया। कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड में इस बार फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों शामिल हो रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस बार परेड में फ्रांसीसी सेना की 95 जवानों वाली मार्चिंग कंटीजेंट, 33 जवानों का बैंड और फ्रांसीसी वायुसेना के राफेल जेट और मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। शनिवार को इन सभी ने परेड की रिहर्सल की। भारतीय सेना भी 14 जुलाई 2023 को फ्रांस की बैस्टिल डे परेड में शामिल हुई थी। जिसका नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव ने किया था। बैस्टिल डे परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। गणतंत्र दिवस के लिए सुरक्षा बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल 13 जनवरी से शुरू हुई है। यह 21 जनवरी तक चलेगी। इस दौरान विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्यपथ सुबह 10.15 बजे से 12.30 बजे तक ट्रैफिक के लिए पूरी तरह बंद रहेगा।

फ्रांसीसी सेना के ये टुकड़ी होंगे शामिल

95 जवानों वाली मार्चिंग कंटीजेंट

33 जवानों का बैंड, वायु सेना के राफेल जेट, मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट

परेड में कुल 25 झांकियां शामिल होंगी

परेड के दौरान 16 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों और नौ मंत्रालयों व विभागों की झांकियां शामिल होंगी। इन राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा तेलंगाना का नाम है। इनके अलावा गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एविएशनन और जलमार्ग मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान केंद्र (सीएसआईआर), निर्वाचन आयोग और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) मंत्रालय की झांकियां नजर आएंगी। रक्षा सचिव ने बताया कि कुछ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने परेड में झांकी शामिल न होने पर चिंता जाहिर की थी। इसे दूर करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक 3 साल की रोल-ओवर योजना बनाई है। इन तीन सालों में सभी राज्यों को रोटेशन के जरिए समान भागीदारी मिलेगी। गणतंत्र दिवस की इस बार की थीम नारी शक्ति है। इसलिए कई वुमन लीडरशिप वाले दल भाग ले रहे हैं, चाहे वह बैंड हो, ट्राई-सर्विस हो, ये पहली बार भाग ले रहा है। ट्राई-सर्विस की टुकड़ी का नेतृत्व भारतीय सेना की कैप्टन शरण्या राव करेंगी।

भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग कराएगी सरकार

GUWAHATI : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को असम में ऐलान किया है कि भारत-म्यांमार बॉर्डर पर खुली सीमा की फेंसिंग की जाएगी। म्यांमार से भागकर आ रहे आतंकियों और घुसपैठ को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच फ्री मूवमेंट को भी सरकार बंद करने जा रही है। शाह ने गुवाहाटी में हुई असम पुलिस की पासिंग आउट परेड में कहा- म्यांमार के साथ हमारी खुली सीमा है। इसे हम बांग्लादेश की तर्ज पर बाड़ (फेंसिंग) लगाकर सुरक्षित करेंगे। शाह ने यह ऐलान भी किया कि सरकार दोनों के बीच फ्री मूवमेंट एग्रीमेंट पर भी पुनर्विचार कर रही है। आने-जाने की इस सहूलियत को ही सरकार बंद करने जा रही है। म्यांमार की सीमा भारत के 4 राज्यों से लगती है। दोनों देशों के बीच 1600 किलोमीटर का बॉर्डर है। भारत-म्यांमार के बीच फ्री मूवमेंट का एग्रीमेंट 1970 में हुआ था।

असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर हमला

भाजपा के गुंडों ने पोस्टर-बैनर फाड़े : कांग्रेस

AGENCY GUWAHATI : कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सातवें दिन अरुणाचल प्रदेश पहुंची। इससे पहले यात्रा असम से होकर गुजरी। जहां यात्रा के काफिले पर हमला किया गया। कांग्रेस ने हमले का आरोप भाजपा पर लगाया है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा- भाजपा के गुंडों ने पोस्टर-बैनर फाड़े, गाड़ियों में तोड़फोड़ की। ये यात्रा को मिल रहे समर्थन से घबरा गए हैं। एक ही दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा था कि कांग्रेस की न्याय यात्रा को सुरक्षा नहीं दी जाएगी, यात्रा शहर से नहीं जाने देंगे।

हम कानूनी कार्रवाई करेंगे : मल्लिकार्जुन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में भाजपा ने देश की जनता को संविधान की ओर से मिले हर अधिकार और न्याय को मिटाने की कोशिश की है। भाजपा लोगों की आवाज दबाना चाहती है और इसके जरिए लोकतंत्र पर कब्जा करना चाहती है। हम भाजपा के इन गुंडों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

कविता

राजनंदिनी
बिहार

सौंदर्य समेटे आंचल में

सौंदर्य समेटे आंचल में,
कलिका खिला के काजल में,
मयार्दा का श्रृंगार सजाओ
हिंद सुंदरी! हे कुलश्रेष्ठा !
घूंघट उठाओ, घूंघट उठाओ।

एक बूंदी की हाड़ा रानी थी
एक चित्तौड़ की महारानी थी
शौर्य गाथा सुन कण कण पावन
एक अपनी मदार्नी थी।

सौंदर्य सौम्य है, सौंदर्य रौद्रा
सौंदर्य अमावस, सौंदर्य भद्रा
सौंदर्य कुसुम है, सौंदर्य अंगारा
सौंदर्य अविचल, सौंदर्य धारा

नारीत्व तुम्हारा धर्म कर्म है
समझो और सबको समझाओ।
गगन तुम्हारा धरा तुम्हारी
संस्कारों के दीप जलाओ
हिंद सुंदरी! हे कुलश्रेष्ठा!
घूंघट उठाओ, घूंघट उठाओ।

आस्था की नगरी : सुरम्य श्रीनगर

घुमक्कड़ की पाती टिहरी से निकलने के बाद मेरा अगला पड़ाव श्रीनगर था जो कि पौड़ी गढ़वाल जनपद का प्रमुख केन्द्र है। लेकिन पौड़ी की विविधतापूर्ण जगहों पर घूमने का मतलब कि यात्रा जहां से शुरू हुई थी घुमा फिराकर फिर से वहीं यानि की हरिद्वार पहुंच रही है और उससे भी अजीब बात यह कि मुझे उन्हीं रास्तों से होकर दुबारा वापस श्रीनगर आना होगा। फिर श्रीनगर से आगे रुद्रप्रयाग के लिए जाया जा सकता है। एक पल के लिए मन में आया कि इसे छोड़ देते हैं लेकिन इस जिले को बिना घूमे छोड़ना कई महत्वपूर्ण जगहों को देखने और समझने से वंचित रह जाना था। इस लिहाज से मैंने उस ख्याल को जैसा का तैसा छोड़ पौड़ी गढ़वाल घूमने को अपनी प्राथमिकता में रखा और पौड़ी घूम लेने के बाद रुद्रप्रयाग की तरफ बढ़ना सुनिश्चित किया।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

पौड़ी गढ़वाल का मुख्यालय पौड़ी है जो कि एक गोले के रूप में बसा है। जिले की सीमाएं उत्तर में चमोली, रुद्रप्रयाग और टेहरी गढ़वाल को स्पर्श करती हैं, इसके दक्षिण में उधमसिंह नगर, पूर्व में अल्मोड़ा और नैनीताल तथा पश्चिम में देहरादून और हरिद्वार स्थित है। आसपास फैली हिमालय की तमाम पर्वत श्रृंखलाएं इसकी सुंदरता को निखारने का कार्य करती हैं।

नदियों की बात करें तो यहां अलकनंदा, हेंवल और नायर प्रमुख नदियां हैं। इन नदियों के किनारे बसा जीवन यहां के परिवेश में विविधता लाने का कार्य करता है। पौड़ी गढ़वाल की मुख्य बोली गढ़वाली है, हिन्दी और इंग्लिश भी यहां के लोग बखूबी बोलते हैं। लोक गीत, संगीत एवं नृत्य यहां की संस्कृति को विविधतापूर्ण बनाती है और देश प्रदेश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है। तीज त्यौहार और अनेकों शुभ अवसरों पर गीत-संगीत और नृत्य खूब देखने को मिलता है। यहां मनाये जाने वाले त्योहारों में साल्टा महादेव का मेला, देवी का मेला और पटोरिया मेला काफी प्रसिद्ध हैं।

इस जिले की एक और खास बात यहां के मंदिर हैं। यह मंदिर आस्था ही नहीं अपितु पर्यटन की दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। कंडोलिया का शिव मन्दिर, भैरों गढ़ी में भैरव नाथ का मंदिर, बिनसर महादेव, खिर्सू, लाल टिब्बा, ताराकुण्ड, ज्वाल्पा देवी जैसे प्रमुख मंदिरों में देश-दुनिया भर से लोग अपनी आस्था लिए पहुंचते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि यह पूरी तरह से समृद्ध जगह है और अपने आपमें तमाम तरह की विविधताओं को समेटे हुए है। इन जगहों पर लोग देश दुनिया से घूमने के लिए आते हैं और एक अच्छी याद लेकर जाते हैं।

धार्मिक पर्यटन की बात की जाए तो इस जगह का महत्व और महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि हरिपुर ने जिस तरह मेरे लिए यमुनोत्री और गंगोत्री के द्वार खोले थे उसी प्रकार यहां स्थित श्रीनगर देश-दुनिया के यात्रियों के लिए बद्रीनाथ और केदारनाथ का द्वार खोलता है। इन दोनों ही तीर्थों पर जाने वाले यात्री यहां कुछ दिन रुककर विश्राम करते फिर आगे बढ़ते हैं।

इस जगह पर पहुंचकर मेरे अंदर भी कहीं ना कहीं भक्ति भाव भर गया। मुझे एक बहुत ही सुखद अहसास हुआ। मैंने मन ही मन शिव को याद किया और आगे की यात्रा के बारे में सोचना शुरू किया। मुझे पता था कि यहां के कण-कण में शिव का वास है इसलिए शिव स्तुति करना नहीं भूला। बार-बार भोले भंडारी को याद किया और कुछ दिनों तक पौड़ी में ही ठहरने का मन बना लिया। इस जगह पर मेरी मुलाकात यहां के पर्यटन अधिकारी से हुई जिन्होंने मेरे रहने और खाने का इंतजाम कराने के साथ दूरदराज स्थित तमाम तरह की जगहों के बारे में बताया। उन्होंने कहा अगर इतिहास उठाकर देखा जाए तो विस्थापन एवं स्थापना के कई दौर से गुजरने की कठिनाई के बावजूद श्रीनगर ने कभी भी अपना उत्साह नहीं खोया और बद्री एवं केदार धामों के रास्ते में तीर्थयात्रियों की विश्राम स्थली एवं शैक्षणिक केंद्र बना रहा है।

मेरे लिए भी यह जगह एक तरह से एक विश्राम स्थली ही थी। श्रीनगर, कई महत्वपूर्ण नगरों को जोड़ता है और अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है जो कि गढ़वाल हिमालय की ओर बहती है। यह बद्रीनाथ मंदिर के रास्ते के केंद्रीय स्थल तथा उन सड़कों के मिलन स्थल पर है जो कोटद्वार, ऋषिकेश, टिहरी गढ़वाल, केदारनाथ तथा बद्रीनाथ को जाती हैं। हम दोनों को अलकनंदा की कल-कल के स्वरों के बीच एक रात रुकना था तो सोचा कि क्यों ना इस नगर को थोड़ा और जानने-समझने का प्रयास किया जाए।

एक सज्जन ने बताया कि श्रीनगर कभी गढ़वाल के पंवार राजवंश के राजाओं की राजधानी थी साथ ही यह सांस्कृतिक तथा राजनीतिक गतिविधियों का केन्द्र था, जिसे यहां के लोग आज भी गौरव से याद करते हैं। यह जगह पौराणिक तौर पर आदी शंकराचार्य से भी जुड़ी है। स्थानीय लोग बताते हैं कि कभी इस नगर का नाम श्रीपुर या श्री क्षेत्र भी हुआ करता था जो बाद में श्रीनगर हुआ। टिहरी के अस्तित्व में आने से पहले यह यहां का एकमात्र शहर था।

मौजूद प्रमाणों के मुताबिक देखा जाए तो यह नगर विध्वंस और निर्माण की नींव पर खड़ा है। कई बार विनाशकारी बाढ़ का सामना करने और संभालने के बाद इसने अपनी पहचान को अभी तक कायम रखा है। यही वह जगह है जहां निपुण चित्रकार मौलाराम के अधीन चित्रकारी स्कूल विकसित हुआ। यहां के पुराने राजमहलों में गढ़वाली पुरातत्व के सर्वोत्तम उदाहरण मौजूद हैं तथा यहां राजाओं ने कला को प्रोत्साहित एवं विकसित किया। फिर जब भारत में अंग्रेज आए तो यह एक सुनियोजित शहर के रूप में उदित हुआ और वर्तमान में गढ़वाल का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण केंद्र है। गढ़वाल यूनिवर्सिटी इसी जगह पर स्थित है।

इस जगह पर पहुंचकर मुझे काफी अच्छा लग रहा था। खासकर यहां की सड़कों से होकर गुजरना, बाजारों की रौनक देखना, खानपान का आनंद लेना और फिर आगे बढ़ते हुए किसी शांत निर्जन जगह पर अपना ट्रेवल मैट बिछाकर आराम करना और बेफिक्र होकर सो जाना। इस जगह पर आये अभी एक ही दिन बीता था लेकिन शहर के साथ मेरा एक बहुत ही खूबसूरत कनेक्शन बन रहा था और मेरी रुचि यहां पर स्थित जगहों के बारे में जानने की और भी ज्यादा बढ़ती जा रही थी। जिसकी वजह से कई दिनों तक आसपास की जगहों को घूमता रहा और उसके बाद रूद्रप्रयाग चला गया।

आगे की घुमक्कड़ी और उसके रोचक रोमांचक बातों को लेकर अगले किसी अंक में आपसे रूबरू होंगे। अभी आप भी गोते लीजिए इन वादियों में छिपे खूबसूरत नजारों का, और महसूस कीजिए कुदरत के नायब तोहफे को.....

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'जय श्री राम'

दिलीप कुमार

नोयडा के इंजीनियरिंग कालेज और अहमदाबाद में पाकिस्तान के साथ हुए क्रिकेट वर्ल्ड कप में जय श्री राम के नारों ने ऐसा क्या असर डाला है कि गदर मचा हुआ है। अभिवादन से उपजी ये गुत्थी सुलझाने के लिये मैं जरा सी तफरीह के लिये निकला तो अचानक शेरजंग साहब मिल गए। वैसे तो मैं उन्हें हाय -हैलो ही कहा करता था लेकिन जेहन में राम की बात घूम रही थी तो मुँह से अचानक निकला-

'जय श्री राम'।

वो मुझे डपटते हुए बोले-'गाली देता है हमको तुम'।

मैं हैरान रह गया। पूछ ही बैठा-

'भाई, राम-राम कहना गाली कब से हो गया'?

वह बिगड़ते हुए बोले- 'देखो, वो सब हमको नहीं मालूम, हम पार्टी लाइन के हिसाब से चलेगा,अभी इस वर्ड पर मेरी पार्टी का यही स्टैंड है। तो हम भी ऐसे ही रियेक्ट करेगा और प्रोटेस्ट भी करेगा'।

मैंने उन्हें याद दिलाया-'लेकिन आपकी पार्टी तो कहती है कि हम बापू के अनुयायी हैं फिर बापू तो दिन -रात राम- राम ही करते थे।उनके अंतिम वाक्य भी 'हे राम' ही थे।फिर राम से आपको एलर्जी क्यों है'? उन्होंने सिगरेट का कश लगाया फिर धीरे से बोले- 'देखो बापू बहुत महान आदमी थे और सेक्युलर भी थे लेकिन तुम लोगों ने उनके राम को हाईजैक कर लिया।अभी बापू से तुम लोगों का क्या लेना देना? तुम लोग रंगीन कपड़ा पहनने वाले गुंडे हो। हम लोग बापू का बात मानता है।हम अहिंसावादी है'।

मुझे हंसी आ गयी। उनके मुंह से अहिंसा की बात ऐसी लगी जैसे सनी लियोनी भरे -पूरे वस्त्रों की वकालत करें।

फिर भी पूछ ही लिया-

'ये अहिंसा के प्रयोग से ही बंगाल के चुनावों में इतने बन्दे मारे जाते हैं। अगर आप अहिंसावादी हैं तो लोग मारे क्यों गए'?

उन्होंने मुझे फिर डपटा-

'तुम झूठा है,जो लोग मरे हैं वो लोग हिंसा में नहीं मरे हैं। उनको मरने के लिए तुम्हारे लोगों ने पैसे दिए थे। वो लोग निक्कमा था ,इसलिये पैसे के लिये मर गया होगा'।

मुझे उनकी गैरत पर हैरत हुई और बदजुबानी पर उज्र। उनका सिगरेट खत्म हो चुका था। उन्होंने हाथ के इशारे से मुझसे तम्बाकू मांगा जो मैंने उन्हें रगड़कर बना कर दे दिया।

तम्बाकू खाते हुए वो बोले-

'देखो, जैसे किसान कभी कभी कर्जे में डूब जाता है। उसका फसल खराब हो जाता है तो वह अपने परिवार को बचाने के लिये खुदकुशी कर लेता है। उसी तरह ये लोग भी कुछ ऐसा ही किया होगा और तुम लोग इसको ऐसा करने के लिये पैसा भी दिया होगा और उकसाया भी होगा तभी ऐसा हुआ होगा।'

मुझे उनकी बात अब बहुत अजीब लगी, सो पूछ ही लिया-

'तो आप ये मानते हैं कि पैसा लेकर जान दी जा सकती है।तो फिर आपकी जान की कीमत क्या है? आपकी पार्टी के हित में आप ऐसा कर सकते हैं क्या'?

उन्होंने फिर मुझे डपटा-

'तुम बेवकूफ आदमी है, हिंसावादी आदमी है,मारने-मरने की बात करता है। तुमको बोला ना कि हम अपने ऊपर हिंसा नहीं कर सकता,अपने को मार नहीं सकता'।

'लेकिन दूसरे को मार सकते हैं' जवाब देते ही मेरी मुस्कान कुटिल हो चली थी।

इस बात पर वह हत्थे से उखड़ते हुए बोले-'तुम गुंडा पार्टी का फासीवादी लोग है। गांधी जी को जो मारा उसकी आइडियोलॉजी से जुड़ा है'।

मैं कुछ जवाब देता तब तक वाम सोच के समर्थक हरीराम जी आ गए। उन्होंने मुझे लाल सलाम कहा।मैंने उनको जै राम जी की किया और शेरजंग जी से उनका परिचय कराया।

मैंने उनसे राम- राम करने के बाद जब उनकी कुशल क्षेम पूछी तो वह हत्थे से उखड़ते हुये बोले-'पहली बात अब मेरा नाम हरी राम जी नहीं, एचआर जी है। हमको पार्टी का काम करने ऐसी जगह जाना है, जहां तुम्हारी पार्टी का लोग अगर हरीराम नाम से हमको पुकारा तो दूसरी पार्टी का लोग हमको तुम्हारी पार्टी का समझ लेगा और हमारा हाथ-पैर तोड़ देगा। ये तुम लोगों का चाल है, हमको लड़वाकर मार देगा। तुम लोग ग्रेट डिवाइडर पार्टी का आदमी। देखो हम और शेरजंग जी का पार्टी आपस में कितना मार-पीट किया, फिर भी भाई-भाई की तरह अब तक रह रहे हैं। अभी तुम हमको आपस में दुश्मन बनवा दिया। अब ये लोग मार खाता है तो हम हंसता है। हम मार खाता है तो ये लोग हँसता है। ये है ग्रेट डिवाइडर की फिलॉसफी। अब हमारा नेता जी भी ये सब से उकता गया है।देखा पहले वो रामायण और महाभारत को हिंसा का किताब बताया और अब साम्प्रदायिक शक्तियों से लड़ने के लिए वो अपने नाम को सीताराम नहीं बोलेगा बल्कि एस आर बोलेगा'।

इनके तर्क से मैं सन्न रह गया।

सोचा इनसे पूरी बात पहले पूछ तो लूं-

'और आपकी दूसरी बात क्या है'?

वो कुछ सोचते हुए बोले -'और तुम हमको कभी जै राम जी तो कभी जय श्री राम कहकर जान बूझ कर चिढ़ाता है। तुम जानता है कि हमारी पार्टी कन्हैया की जय करने को सोचता है।अभी तुम देखो हमारी पार्टी का नेता सीताराम कन्हैया यानी कृष्ण को जिताने का कोशिश किया,लेकिन तुम साम्प्रदायिक लोग न तो सीताराम को और न ही कृष्ण को आगे बढ़ाने दिया।'

मैंने उन्हें तसल्ली देते हुए कहा-

'आप चिंता ना करें ,अब मैं आपसे जै श्री कृष्णा कहा करूंगा।'

वह तुनकते हुए बोले-

'तो तुम जै श्री कृष्ण बोलकर हमको गुजरात का याद दिलायेगा। तुम जानता है कि हम गुजरात मॉडल को सपोर्ट नहीं करता। तुम कैपिटलिस्ट अम्बानी, अडानी,,,,'।

उनकी बात काटते हुए शेरजंग जी ने पूछा-

'तुम क्यों मचमच करता है,अभी किधर जाने का है तुमको'?

हरीराम जी ने बताया-

'काम से,वर्ल्ड पीस पर चिंतन करने को।'

शेरजंग जी ने उनसे हाथ मिलाते हुए कहा-

''सुनो,उधर कुछ जुगाड़ है क्या'' ये कहते हुए उन्होंने अपनी बाईं आंख मारी।

हरीराम जी ने मायूसी से कहा-

'आप तो जानता ही है कि ये सरकार धीरे-धीरे हमारा सब जुगाड़ छीन लिया है। अब आसानी से कुछ नहीं मिलता और अगर कहीं से कुछ मिलता भी है तो ये उसे लेने नहीं देते। जहां पर हम अभी जा रहे हैं वहां हम पहले हिंसा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देंगे। उसके बाद डफली बजायेंगे-गाना गाएंगे जावेद अख्तर के लिखे हुए और स्वरा भास्कर पर शूट किए हुए। फिर हल्का-फुल्का नाश्ता। उसके बाद बीड़ी पी जाएगी। ये सरकार बीड़ी पर जीएसटी लगाकर उसको भी महंगा कर दिया।हम इसका भी विरोध करेंगे।सस्ती बीड़ी पीना हमारा अधिकार है'।

शेरजंग जी ने मुस्कराते हुए कहा-

'अभी हम भी हिंसा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देगा हमारे लोगों के साथ में। उसका प्रेस ब्रीफिंग भी जारी करेगा। ये हत्या में जो मरा है।उनके लिये विरोधी पार्टी का लोग बन्द ऑर्गेनाइज किया था। उनके बन्द को प्रोटेस्ट करने के लिये हम भी बंद ऑर्गेनाइज करेगा। ये सब के लिये बहुत डिस्कशन करना है। अभी तुम ये सब विचार विमर्श के टाइम चुपचाप बैठना। उसके बाद कबाब और व्हिस्की चलेगा। जितना मर्जी उतना चलेगा। क्यों चलेगा तुम भी हमारे साथ'?

हरीराम जी के चेहरे पर मुस्कराहट तैर गयी।

शेरजंग जी ने मुझे देखा, और पूछा-

'तुम भी चलेगा क्या, कबाब अच्छा वाला रहेगा। डरो मत गड़बड़ वाला नहीं और व्हिस्की तो एक दम से एरिस्टोक्रेट,अभी किधर जाता है तुम'?

मैंने उनसे हाथ जोड़कर कहा-

'जी मैं शराब नहीं पीता, नॉन वेज भी नहीं खाता, मुझे विश्व शांति के बजाय अपने देश की शांति की चिंता है ।और मैं सब्जी लाने जा रहा हूं अभी'।

शेरजंग जी और हरीराम जी ने एक दूसरे को देखा , फिर आंख मारी और हंस पड़े।

मुझे देखकर हरीराम जी बोले-

'ठीक है, तुम डफर टाइप का फूल आदमी है लेकिन हमको तुमसे बात करके अच्छा लगा। अबकी हम जब दिल्ली के अंदर का बंगाली मार्किट जाएगा तब तुम्हारे लिये खादी के कुर्ते खरीद कर लायेगा। तुम खादी पहनेगा तो हमारी तरह गांधी जी फिलॉसफी को फॉलो करेगा। क्या अब्बी देहाती आदमी की माफिक गमछा लेकर घूमता है'।

वो दोनों जाने लगे , मैंने भी अपनी राह पकड़ी। मैं असमंजस में था कि उन्हें किस तरह का अभिवादन करूं? मैं मुड़ चुका था तब तक शेर जंग जी ने पुकारा और कहा -

'फिर मिलेंगे,जय श्री राम'।

हरीराम जी का भी स्वर सुनायी पड़ा -

'मिलते रहना, जय श्री कृष्णा'।

मुझे अपने कानों पर यकीन नहीं हो रहा था ,मैंने उन्हें पलट कर कहा 'राम-राम'।

मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि मैंने उनसे क्या सुना? जो मैंने सुना आपने भी वही सुना है क्या?

चित्र प्रदर्शनी

क्षमा त्रिपाठी

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

22 को बंद रहेंगे रांची के अधिकतर निजी स्कूल

RANCHI : राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को अधिकतर निजी स्कूल बंद रहेंगे। जेवीएम श्यामली ने भी बंद की घोषणा कर दी है। इसके अलावा केराली स्कूल के भी बंद रहने की घोषणा की गई है। इसके साथ डीएवी ग्रुप के भी कई स्कूल बंद रहेंगें। दिल्ली पब्लिक स्कूल में भी 22 जनवरी को छुट्टी है। दिल्ली पब्लिक स्कूल के पीआरओ ने इस संबंध में जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री आवास के 500 मीटर के दायरे में लागू रहा धारा 144

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान विभिन्न आदिवासी संगठन के लोग मुख्यमंत्री आवास के नजदीक पहुंचे और धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री आवास के 500 मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दिया था। जिला प्रशासन की टीम सभी लोगों से आग्रह कर रही थी कि धरना प्रदर्शन ना करें और शांतिपूर्वक वापस लौट जायें। जिला प्रशासन की टीम लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से आग्रह कर रही थी। एसडीओ ने बताया कि धारा 144 रात 11:00 तक लागू रहा।

सीएम के समर्थन में आत्मदाह की धमकी देने वाला युवक पुलिस की हिरासत में

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ करने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम शनिवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंची थी। इस बीच मुख्यमंत्री के समर्थन में आत्मदाह की चेतावनी देने वाला युवक गढ़वा से रांची पहुंचा, जिसे पुलिस के जवानों ने हिरासत में लेते हुए अरगोड़ा थाना को सौंप दिया। युवक ने पहले ही ईडी के अधिकारियों को चिट्ठी लिखकर कहा था कि यदि मुख्यमंत्री को किसी ने छुआ भी तो वह आत्मदाह कर लेगा।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा फरवरी में पहुंचेगा झारखंड : डॉ राकेश

RANCHI : रांची जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता के लिए लगातार बैठक की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को ओरमांझी के एसएस स्टेडियम में बैठक हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो और जिला महासचिव सह प्रखण्ड प्रभारी गौरीशंकर महतो मौजूद थे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में झारखंड पहुंचेगा। यात्रा आठ दिनों तक झारखंड में चलेगा और इस दौरान लगभग 804 किलोमीटर की यात्रा होनी है। इस यात्रा की सफलता के लिए प्रत्येक गांव से लोगों की सहभागिता करानी है। सभी को इस यात्रा के उद्देश्यों से अवगत कराना है।

राजद की बैठक में झारखंड में चार लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव पारित

RANCHI : राजद राज्य कार्यकारिणी की बैठक रांची कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव की अध्यक्षता में शनिवार को हुई। बैठक में पांच प्रस्ताव लाया गया और सभी प्रस्ताव को पारित किया। सर्वसम्मति निर्णय लिया गया कि सभी प्रस्तावित प्रस्ताव नेता लालू प्रसाद यादव को दिया जाएगा। बैठक की जानकारी देते हुए मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि पांच प्रस्ताव लाए गए और पारित हुए है। इनमें आगामी लोकसभा चुनाव में राजद चार लोकसभा सीट पलामू चतरा, कोडरमा और गोड्डा से लड़ने का प्रस्ताव पारित किया गया है। साथ ही झारखंड प्रदेश एवं पूरे देश में जातीय जनगणना और आर्थिक सर्वे केंद्र एवं राज्य सरकार से कराए जाने का प्रस्ताव पारित किया।

atom美 ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

जेवियर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार में शामिल हुए राज्यपाल, बोले-

विकास की गति के लिए नई तकनीकी की ओर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने संत जेवियर कॉलेज में चल रहे तीन दिवसीय सेमिनार के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भविष्य में विकास की गति बनी रहे, इसके लिए नई तकनीकी और नई खोज की ओर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। इस दिशा में यह सेमिनार उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा सीमित है। लेकिन विकास के लिए इसका लगातार दोहन किया जा रहा है। हमें वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में कार्य करना पड़ेगा। इस सेमिनार में भाग लेने वाले अनुभवी लोग इस दिशा में अपने विचार साझा करेंगे।

कंडेंस्ड मैटर रिसर्च सोसाइटी (सीएमआरएस) के सहयोग से संत जेवियर्स कॉलेज के भौतिकी विभाग ने सेमिनार का आयोजन हुआ। यह तीन दिवसीय सेमिनार है। जिसका नाम उपन्यास सामग्री में प्रगति सतत भविष्य की ओर रखा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन रहे। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। अजीत कुमार सिन्हा और रांची प्रान्त प्रोविंशियल फादर अजीत कुमार खेस एसजे शामिल रहे। कॉलेज के प्राचार्य फादर नबोर लकड़ा भी शामिल रहे। वक्ता प्रो। राजीव सिंह, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, यूसी डेविस, कैलिफोर्निया, यूएसए ने क्वांटम सामग्री का वादा विषय पर व्याख्यान दिया। आगे उन्होंने कहा कि सुपरकंडक्टर्स, सुपर-फ्लूइड्स, टोपोलॉजिकल सामग्रियों और स्पिन-तरल पदार्थों के तकनीकी अनुप्रयोगों के बारे में चर्चा की। सम्मेलन के आमंत्रित वक्ताओं में से एक, किंग अब्दुल्ला विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जेद्दा, सऊदी अरब से के राफिया अहमद ने स्वच्छ हाइड्रोजन श्रोतों का उपयोग करके मूल्यवान ईंधन में कार्बन डाइऑक्साइड की खोज के बारे में चर्चा की। इस विश्वविद्यालय के एक और वक्ता मोहम्मद बाबर ने तेल और गैस क्षेत्र में स्थिरता के बारे में विचार-विमर्श किया। डॉ। सिमरजीत सिंह, मैरी क्यूरी फेलो, एप्लाइड फिजिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आइंडहोवन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नीदरलैंड्स ने वैलीट्रॉनिक ट्रांजिस्टर डिजाइन करने के बारे में चर्चा की, जो अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग और सूचना प्रसंस्करण उपकरणों के लिए शानदार संभावनाएं प्रदान करता है।

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते राज्यपाल। • फोटोन न्यूज

जेवियर्स कॉलेज का गौरवशाली रहा है इतिहास : राज्यपाल

इससे आगे राज्यपाल ने कहा कि सेंट जेवियर्स कॉलेज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दिया है। यह बहुत गर्व कि बात है कि सेंट जेवियर्स कॉलेज के भौतिकी विभाग की स्थापना 1944 ई। में हुई थी। भौतिकी विभाग समेत अन्य विद्यार्थियों को भी इस सेमिनार से विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए बदलाव की जानकारी उन्हें मिलेगी। इससे वे नए प्रयोग, नई खोज और नई तकनीक विकसित करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार प्रोत्साहित करते रहते हैं। चन्द्रयान-2 के पूर्ण रूप से सफल नहीं होने पर उन्होंने वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया और फिर चन्द्रयान-3 का सफल लैंडिंग हुआ। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने विकसित भारत 2047 का नारा दिया है। राज्यपाल महोदय ने सभी से उत्साहपूर्वक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए सभी से आह्वान किया।

हाईकोर्ट में उपस्थित हुए सरायकेला खरसावां के जिला शिक्षा अधीक्षक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता श्यामली मंडल को उसके शिक्षक पति की मृत्यु के बाद ग्रेच्युटी, एरियर आफ पेंशन, फैमिली पेंशन आदि सुविधा भुगतान नहीं किए जाने से संबंधित अवमानना याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक सरायकेला-खरसावां कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए।

डीएसई ओर से कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगते हुए बताया गया कि आदेश का अनुपालन कर लिया गया है। इसके बाद जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट ने अवमानना याचिका को समाप्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमरेंद्र प्रधान ने पैरवी की।

स्वप्न मंडल साइंस शिक्षक के रूप में 23 दिसंबर, 1976 को ज्वाइन किए थे। वे अपग्रेडेड हाई स्कूल, कपाली में अप्रैल, 2011 में इंचार्ज हेड मास्टर के पद पर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी श्यामली मंडल को रिटायरल बेनिफिट नहीं मिल पाया था, जिसे लेकर उन्होंने हाई कोर्ट की एकल पीठ में याचिका दाखिल की थी।

एकल पीठ ने 17 जून, 2020 को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को रिटायरल बेनिफिट देने का आदेश सरकार को दिया था लेकिन आदेश का अनुपालन नहीं होने पर श्यामली मंडल ने हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की। इस अवमानना याचिका में जिला शिक्षा अधीक्षक, जमशेदपुर की ओर से कोर्ट के आदेश का अनुपालन रिपोर्ट भी नहीं प्रस्तुत किया गया। साथ ही कोर्ट में शोकाज दायर नहीं किया गया, जिस पर कोर्ट ने उन्हें 19 दिसंबर को तलब किया था।

सत्ता पक्ष के मंत्री-विधायक पहुंचे सीएम हाउस सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते रहे कार्यकर्ता

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान शनिवार को सत्ता पक्ष के मंत्री-विधायक शनिवार को रांची के कांके स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जुटे। झामुमो का झंडा और तीर-धनुष से लैस पार्टी नेता और कार्यकर्ता गोंदा थाने के समीप सड़क पर बैठे रहे। इसके अलावा मुख्यमंत्री हाउस के सामने स्थित एलपीएन शाहदेव चौक पर झामुमो कार्यकर्ताओं का जमावड़ा था। झामुमो कार्यकर्ता ईडी, केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे।

मंत्री जोबा मांझी और खिजरी विधायक राजेश कच्छप, चंपई सोरेन, महाधिवक्ता राजीव रंजन भी मुख्यमंत्री हाउस पहुंचे हैं। जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मिले। मुख्यमंत्री को देखते ही इरफान उनसे लिपट गए और भावुक होकर रोने लगे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मुस्कुराते हुए समझाया तब वे सामान्य हुए।

डीसी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा भी मुख्यमंत्री हाउस के पास लगातार निगरानी रख रहे थे। सिटी एसपी राजकुमार मेहता और सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार सहित काफी संख्या पुलिस कर्मी मुख्यमंत्री आवास के सामने तैनात रहे। मुख्यमंत्री आवास के समीप सुरक्षा को लेकर अग्निशमन वाहन वाटर कैनन भी तैनात किए गए थे। पुलिस ने दोनों ओर से मुख्यमंत्री आवास जाने वाले रास्ते को बैरिकेडिंग करके घेर दिया था। इस दौरान वाहनों को डायवर्ट किया गया। वाहनों को भी अंदर आने नहीं दिया जा रहा था।

सीएम हाउस के बाहर जुटे झामुमो कार्यकर्ता। • फोटोन न्यूज

पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका पर सुनवाई अब दो फरवरी को

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में बरियातू स्थित चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की ओर से दायर जमानत याचिका पर अब सुनवाई दो फरवरी को होगी। मामले में बीते 19 जनवरी को ईडी की ओर से जवाब दाखिल कर दिया गया है। मामले की सुनवाई जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में सूचीबद्ध है। चेशायर होम जमीन गड़बड़ी मामले में ईडी ने ईसीआईआर 5/ 2023 दर्ज किया है। इस मामले में पूर्व डीसी छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपितों के खिलाफ ईडी ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाई के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल, 2023 को छापेमारी की थी।

अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा पर रांची में बंट रहे दीप, बढ़ी मांग

PHOTON NEWS RANCHI : अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर रांची में सांसद और कई संगठनों के जरिए लोगों के बीच दीप बांटे जा रहे हैं। इससे रांची में दीयों की मांग बढ़ गई है। अब मांग को पूरा करने के लिए ग्रामीण इलाकों, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़ जिले से दीया मंगवाना पड़ रहा है।

रांची सांसद संजय सेठ ने जहां पांच लाख दीप बांटने की घोषणा की है, वहीं राष्ट्रीय युवा शक्ति ने एक लाख दीप बांटने की घोषणा की है। इसे रांची के हर घर तक पहुंचाने की योजना बनायी गयी है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के अध्यक्ष उत्तम यादव का कहना है कि 22 जनवरी सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। इसलिए एक लाख दीपक घर-घर वितरित किये जायेंगे। इसके अलावा आम लोग और छोटे-बड़े संगठन भी अपने आसपास के लोगों के बीच दीप बांट रहे हैं। इसलिए मिट्टी के दीयों की मांग काफी बढ़ गई है।

मांग बढ़ने से दीयों की कीमत पर असर पड़ना भी स्वाभाविक है। 60 पैसे में मिलने वाला छोटा सा दीया अब दोगुनी कीमत एक रुपये 20 पैसे पर बिक रहा है। इसी प्रकार मध्यम आकार का दीया एक रुपये के स्थान पर दो रुपये तथा बड़ा दीया 10 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। पुरानी रांची कुम्हारटोली के योगेन्द्र प्रजापति कहते हैं कि एक तो मौसम खराब है, दूसरे जनवरी माह में दीए की इतनी मांग कभी नहीं थी।

बाजार में दीये खरीदते लोग। • फोटोन न्यूज

शहर में दिनभर रेंगती रही गाड़ियां

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ को लेकर पूरी राजधानी रांची जाम से जूझती रही। दिन भर गाड़िया रेंगती रही। आम लोगों को जाम से दो चार होना पड़ा। शहर के सभी चौक-चौराहों पर गाड़ियों की लंबी कतार लगी जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजधानी के रातू रोड चौक, करमटोली चौक, भारत माता चौक, अरगोड़ा चौक, हॉट लिप्स चौक, रणधीर वर्मा चौक, किशोरगंज चौक, बरियातू रोड में सभी गाड़ियां रेंगती रही। इन सभी चौक चौराहों पर लंबा जाम रहा।

आम जनता के लिए नियम बना दें सीएम, पूछताछ के लिए घर जाएं अधिकारी : अरुण उरांव

RANCHI : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अरुण उरांव ने शनिवार को राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उरांव ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री केवल भ्रष्टाचार में ही नहीं बल्कि नियम विरुद्ध निर्णय लेने में भी रिकॉर्ड बना रहे। हेमंत सरकार ऐसी सरकार है जिसने कैबिनेट के फैसले में संसद से पारित कानून को चुनौती दी। ईडी की कार्रवाई को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने आप को कानून से ऊपर रख लिया है। आठवें समन के बाद भी ईडी को सीएम से पूछताछ के लिए आवास पर जाना पड़ा।

अब अभियुक्त के घर जाकर ही पूछताछ करने का आदेश जारी करें सीएम : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवास में ईडी की पूछताछ पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सम्मान किया और उनकी जिद को कानून के ऊपर रखकर पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री आवास तक गई। इस प्रकार की सुविधा झारखंड पुलिस द्वारा पाकुड़िया के सुदूरवर्ती गांवों के झोपड़ी में रहने वाले गरीब आदिवासी चुड़का सोरेन जैसे अभियुक्तों को भी मिलनी चाहिए।

बाबूलाल मरांडी।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कानून की नजर में मुख्यमंत्री और गरीब आदिवासी में कोई फर्क नहीं होता। इसलिए अब हम उम्मीद करते हैं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी उदारता दिखाते हुए झारखंड पुलिस के लिए आज ही आदेश जारी करेंगे कि किसी भी अभियुक्त को अब थाने में बुलाकर पूछताछ करने के बजाय अभियुक्त के घर जाकर ही पूछताछ की जाए।

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि जनता को पता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विदाई तय है। बाउरी ने कहा कि कांग्रेसी विधायक इरफान अंसारी समेत तीन लोगों को मुख्यमंत्री ने वनवास दिया था। इरफान अंसारी की काल कोठरी के दिनों की संवेदना जागी होगी। वैसे भी विदाई के वक्त लोगों की आंखों में आंसू आ ही जाते हैं।

डीसी, एसएसपी व डीटीओ ने संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को किया रवाना

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों लोगों को करेगा जागरूक : डीसी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा व डीटीओ रांची प्रवीण प्रकाश ने समाहरणालय परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को संयुक्त रूप से रवाना किया। 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक 35 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस दौरान जिला एनडीसी केवल कृष्ण अग्रवाल, सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी अधिकारी मौजूद थे। इस जागरूकता रथ का उद्देश्य सभी प्रखंडों की पंचायतों और गांवों में जाकर आमजनों, छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक करेगा। लोगों को दुर्घटना से कैसे बचना है, यातायात के नियमों की जानकारी इस जागरूकता रथ के माध्यम से दिया जाएगा।

डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने रथ रवाना करने के दौरान कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ चलेगा। जो लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए जागरूक करेगा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा आज बढ़ती आबादी और शहरीकरण में सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि हम सभी के लिए हो जाती है। डीसी ने विशेष रूप से कहा कि दो पहिया वाहन से (यात्रा करते समय) 86 प्रतिशत मृत्यु हो रही है, चार पहिया वाहन से 80 प्रतिशत की मृत्यु आवगमन के समय सीट बेल्ट नहीं लगाने के कारण हो रही है। इसलिए कुछ छोटी सावधानियां आपको बड़े शारीरिक नुकसान से बचा सकती है। इसलिए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाए, चार पहिया चलाते वक्त सीट बेल्ट जरूर लगाए। इसके साथ डीसी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी सड़क सुरक्षा से संबंधित आयामों को स्थापित करने की आवश्यकता है, प्रायः देखा जाता है ग्रामीण अपने पालतू जानवर सड़क पर ही छोड़ देते हैं। सड़क पर ही धान सुखाते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है।

हिट एण्ड रन -: परिवहन विभाग, झारखंड सरकार की अधिसूचना के अनुसार सड़क दुर्घटना में हिट एंड रन (वाहन द्वारा दुर्घटना कर भाग जाने के परिस्थिति में) मामलों में पीड़ित पक्ष को मुआवजा दिलाने का प्रावधान है। सड़क दुर्घटना से मृत्यु होने पर यह 2,00,000 रुपए और गंभीर रूप से घायल होने पर यह 50,000 रुपए निर्धारित किया गया है। मुआवजा दिलाने के लिए जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।

हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रथ को रवाना करते डीसी व अन्य। • फोटोन न्यूज

ये है झारखंड गुड सेमिरिटन पॉलिसी-2020

- सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर यानि एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाने पर, गुड सेमिरिटन को 2000 रुपए पुरस्कार राशि दी जाएगी।
- यदि दो गुड सेमिरिटन किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने में सहायता करते हैं, तो दोनों गुड सेमिरिटन को 2000-2000 रुपए पुरस्कार राशि दी जायगी।
- यदि दो से अधिक गुड सेमिरिटन घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाते हैं तो सरकार द्वारा 5000 रुपए पुरस्कार राशि, उन सभी के बीच समान रूप से बांटी जाएगी।
- यदि गुड सेमिरिटन को पुलिस या अदालत द्वारा जांच के लिए बुलाया जाता है तो प्रति दिन 1000 रुपए की दर से गुड सेमिरिटन के बैंक खाते में हस्तांतरित किये जाएंगे।
- पीड़ित को वाहन से अस्पताल ले जाने पर हुए व्यय का प्रतिपूर्ति का प्रावधान है।
- यह पुरस्कार राशि जांच के लिए बुलाये जाने पर दी जाने वाली राशि और वाहन पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति राशि निकटवर्ती स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा दी जायगी।
- सड़क दुर्घटना होने पर एम्बुलेंस को कॉल करें और पुलिस को सूचित करें। जख्मी व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल ले जाएं। साथ ही पीड़ित के फोन में सेव आपातकालीन संपर्क नंबर पर कॉल करें।
- दुर्घटना से नजरें ना फिराएं, मदद का अपना हाथ बढाएं और सहायता करें।
- ये पॉलिसी उन लोगों के लिए बुनियादी कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, जो घायल व्यक्ति की सहायता करते हैं। जीवन दूत ऐप टॉल फ्री नं। 108 पर कॉल कर बेसिक एम्बुलेंस और एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा का लाभ उठाएं।

जिला बार चुनाव संपन्न, 1863 मतदाताओं ने किया मतदान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला बार एसोसिएशन (आरडीबीए) चुनाव में 1863 अधिवक्ताओं ने मतदान किया है। चुनाव पदाधिकारी अजय कुमार तिवारी ने शनिवार को बताया कि चुनाव सुबह 10.30 से पांच बजे तक चला। चुनाव में कुल 2163 मतदाता को वोट देना था। लेकिन सिर्फ 1863 सदस्यों ने मतदान किया।

चुनाव में सात पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य के नौ सीटों के लिए 41 उम्मीदवार चुनाव मैंदान में है। तिवारी ने बताया कि चुनाव के लिए दो पोलिंग बूथ पर 70 काउंटर बनाये गये थे। दोनों बूथों पर 35-35 काउंटर बनाये गये थे। अल्फा वेटिकल सिस्टम से मतदान हुआ। ए से एम तक के पोलिंग बूथ नंबर- एक तथा एन से जेड तक बूथ नंबर- दो के काउंटर पर मतदान किये।

उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को सात पदाधिकारियों के मतदान की काउंटिंग की जायेगी। काउंटिंग सुबह 11:00 बजे से शुरू होगा। चुनाव के लिए दो पदाधिकारी सहित कमेटी के 16 सदस्य लगे रहेंगे। वहीं दूसरी ओर ऑब्जर्वर राधेश्याम गोस्वामी और मृत्युंजय श्रीवास्तव लगातार चुनाव की गतिविधियों पर नजर बनाये हुए थे।

BRIEF NEWS

सीआईआई का तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू, स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर जोर

ROURKELA : झारसुगड़ा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) एंटरप्राइज इवेंट ओडिशा का 24वां संस्करण 19 से 21 जनवरी 24 तक झारसुगड़ा स्थित सर्किट हाउस रोड ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। इस दूरदर्शी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा नायक उपस्थित थे। सरकार की साझेदारी में सीआईआई का यह प्रमुख आयोजन है। ओडिशा स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है।

बाइक रैली निकाली गई, जयश्रीराम का जयघोष से गूंजा शहर

ROURKELA : अयोध्या में श्रीराम मंदिर की स्थापना का समारोह होना है। इसे लेकर भक्तों के मन में तीव्र उत्साह देखा जा रहा है । राउरकेला में जहां एक विशाल दिया बनाया गया है, वही जगह जगह राम मंदिर स्थापना का समारोह पालन के लिए तैयारी में जोर शोर से शहरवासी लगे हुए है। अयोध्या में राम मंदिर स्थापना के अवसर पर विरमित्रपुर में बाइक रैली किया गया। जय श्री राम के घोष से विरमित्रपुर शहर थर्रा उठा।

हनुमान वाटिका में जलेगा विशाल दीया

ROURKELA : 12 फीट गोल और 5 फीट ऊंचे मिट्टी के दीपक रविवार को शहर में घुमाया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना के अवसर पर यह दीप हनुमान बाटिका में जलाई जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री दीलिप राय दीप प्रज्वलित करेंगे। 45 दिनों तक यह दिया हनुमान वाटिका में प्रवज्जलित रहेगा।

रांची के पत्रकार मोहसिन आलम की मां का निधन

RANCHI : रांची केपत्रकार मोहसिन आलम की मां समीना खातून (67) का निधन हो 'गया। मिट्टी मंजिल के बाद नमाज जोहर चकला ओरमांझी कब्रिस्तान में नमाज जनाजा अदा की गई और वहीं सुपुर्द ए खाक किया गया। नमाज जनाजा चकला मस्जिद के इमाम हाफिज सनाउल्लाह ने पढ़ाई। ज्ञात हो की मोहसिन आलम की मां समीना खातून पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी। इरबा मेदांता हॉस्पिटल में जेरे इलाज थी। वह अपने पीछे 5 बेटा और 2 बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई। जनाजा में शामिल होने वालों में मोहसिन अंसारी, शमशाद अंसारी, साजिद अंसारी, मजीद अंसारी, हाफिज सनाउल्लाह, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व सांसद राम टहल चौधरी, उप प्रमुख रिजवान अंसारी, पूर्व प्रमुख मुंतज़िर अहमद राजा, अब्दुल कुद्दुस, जहूर अंसारी, मुमताज आलम, पूर्व जिला परिषद मजीद अंसारी, ऐनुल अंसारी, मुस्तफा अंसारी, पत्रकार परवेज कुरैशी, एहसान राज, आदिल रशीद, मो रेहान, अबूजर गफफारी, समर इमाम, नकी इमाम रिजवी, नाजिश मलिक समेत सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

एमएमसीएच में प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप, पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत

PHOTON NEWS PALAMU : एमएमसीएच में नवनिर्मित मातृ एवं शीशु वार्ड में प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो जाने पर परिजनों ने शुक्रवार की रात जमकर हंगामा किया। पुलिस हस्तक्षेप से मामले को शांत कराया गया और जांच कराने की बात कही गई है। हालांकि परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर प्राथमिक दर्ज कराने की जानकारी दी है।

अस्पताल में हंगामा करते परिजन। ● फोटोन न्यूज

महिला की पहचान कुंड मोहल्ला पनेरी गली निवासी पिंकी देवी पति राहुल गुप्ता के रूप में हुई है। महिला की एक वर्ष पहले शादी हुई थी। मामले में जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल सिंह ने कहा कि जो भी आरोप लगाए गए हैं उसकी जांच होनी चाहिए और अगर डाक्टर और कर्मी दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। पैसे लेकर नॉर्मल डिलीवरी कराने के आरोप की भी जांच कराई जाएगी। सुपरिटेंडेंट इस मामले में पहल करेंगे।

इधर डॉक्टर आरके रंजन ने कहा कि प्रसव के क्रम में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई है। डिलीवरी के दौरान कभी-कभी 100 केस में से 1-2 मामलों में मौत हो जाने की संभावना बनी रहती है। पेशेंट मौत से 5 मिनट पहले तक ठीक थी। उसे बचाने का हर संभव प्रयास किया गया। जो भी आरोप लगाए गए हैं, उसकी जांच होनी चाहिए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता मनोज गुप्ता ने कहा कि महिला सुबह 9 बजे एडमिट हुई थी। डिलीवरी नहीं हुई थी। इसी क्रम में जच्चा बच्चा दोनों की मौत हो गई। डिलीवरी कराने में लापरवाही बरती गई। अंतिम समय तक स्पष्ट नहीं किया गया कि डिलीवरी नार्मल होगी या फिर सिजेरियन। इसी कारण से परिजन असमंजस में पड़े रह गए और उनके सामने ही यह घटना हो गई। मामले में लापरवाही के खिलाफ डॉक्टर और कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पटेल पार्क में मना महामना मालवीय मिशन की जयंती

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : म.ाहामना मालवीय मिशन, झारखण्ड द्वारा हरमू स्थित पटेल पार्क मे महामना मालवीय मिशन जयंती मनाया गया। कार्यक्रम कि शुरूवात दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत से हुआ। मिथिलेश कुमार पाण्डेय, अधिवक्ता झारखण्ड उच्च न्यायालय ने कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवेश किया। अरविन्द कुमार, अध्यक्ष महामना मालवीय जी का देश निर्माण में भूमिका पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। आर। के। सिंह, महामंत्री इस संस्था को कैसे विकास एम प्रचार प्रसार किया जाय इस पर अपना बात रखे। पंकज कुमार ने इस संस्था को चलाने मे कोष कि भूमिका पर जोर दिया।कार्यक्रम मे अजय कुमार पाठक, अधिवक्ता, रानी मंजरी (जमशेदपुर) डॉ मनीष उपाध्याय, डॉ स्वेता कुमारी, सुमित कुमार सिन्हा एवं राज्य के अलग-अलग

भव्य कलश शोभायात्रा से ओंकारेश्वर धाम का प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान प्रारंभ

ध्वज लहराते श्रद्धालु और कलशधारी महिलाओं ने बिखेरी आभा

PHOTON NEWS RANCHI : बूटी मोड़ के पास स्थित त्रिवेणीपुरम सोसाइटी परिसर में नवनिर्मित ओंकारेश्वर धाम मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान शनिवार को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हो गया। मंदिर परिसर से दिन के दस बजे यात्रा निकाली गयी। दो घुड़सवार बच्चों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों व सोसाइटी की 251 महिलाओं की अगुवाई में गाजे-बाजे के साथ जब झूम कर यात्रा निकली तो वातावरण जय जय श्रीराम... हर हर महादेव... से गूंज उठा। डीजे पर भारत का बच्चा-बच्चा जयश्रीराम बोलेगा... जैसे भक्ति गीतों और तासा पार्टी की ताल पर भक्तगण झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। इनके बाद मुख्य यजमान आभाष कुमार और उनकी पत्नी सिम्मी संग दो लाइनों में महिलाओं की लंबी कतार था। श्रद्धालु हाईवे के रास्ते स्थानीय जुमार नदी पहुंचे। यहां से

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

पवित्र जल कलश में भरा गया। फिर वापसी की यात्रा शुरू हुई। प्रभु नाम सुमिरण करते हुए सभी वापस मंदिर आये। यहां लाये गये जल से शुद्धि की गयी। इसके बाद वेदी पूजन आदि अनुष्ठान हुए। शाम सात बजे देवी-देवताओं की आरती उतारी गयी। फिर भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम देर शाम तक चला।

आज और कल के कार्यक्रम: रविवार सुबह सात से नौ तक मंडप पूजन होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे तक अधिवास अनुष्ठा चलेगा। फिर अग्नि प्रवेश करा कर प्रतिष्ठित होने वाले देवी-देवताओं को नगर भ्रमण कराया जायेगा। शाम सात बजे आरती और भजन के कार्यक्रम होंगे।

सोमवार सुबह सात से दस बजे तक मंडप पूजन होगा। इसके बाद प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जायेगी। दर्शनार्थ मंदिर का पट आम भक्तों के लिए खोल दिया जायेगा।

गुमला में मॉर्निंग वाक पर निकले युवक की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

GUMLA : जिले के चैनपुर प्रखंड मुख्यालय के सफी नदी पुल के पास शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले अल्टिमा कंपनी के जेसीबी ऑपरेटर गोविंद चौधरी (35) को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चैनपुर पुलिस ने युवक को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर डीएन ठाकुर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि युवक चैनपुर के ब्लॉक कॉलोनी में अल्टिमा कंपनी के क्वार्टर में रहता था। अल्टिमा कंपनी के एक कर्मचारी ने कहा कि गोविंद चौधरी बिहार के नवादा जिले का निवासी था। वह अल्टिमा कंपनी में जेसीबी ऑपरेटर का कार्य करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

PHOTON NEWS GUMLA : पुलिस ने गुमला के मेन रोड स्थित सौम्या कांप्लेक्स के अमित मोबाइल की दुकान में 29 दिसंबर की रात हुई भीषण चोरी के मामले का उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से मोबाइल के 12 खाली डब्बे, बाइक, मोबाइल फोन, चोरी की घटना में प्रयुक्त दो पेचकस, दो लोहे का नुकीला रॉड और दुकान में लगे सीसीटीवी का डीवीआर बरामद किया है।

गुमला के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कार्यालय परिसर में प्रेस कांफ्रेंस में मामले का खुलासा करते हुए गिरफ्तार दोनों आरोपितों को मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आलम शेख (43) व अलिम शेख (27) की गिरफ्तारी साहेबगंज जिले के राजमहल

जानकारी देते पुलिस अधीक्षक।

थाना क्षेत्रांतर्गत मुगीटोला स्थित उनके आवास से की गई।

उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर, 2023 को अमित मोबाइल दुकान से शटर को उखाड़ कर करीब 30 लाख रुपये का मोबाइल की चोरी कर ली गई है। इस संबंध में गुमला थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध एक मामला (थाना कांड संख्या 437/23 दिनांक 29-12-2023, धारा 457, 380/34 भादवि के तहत) दर्ज किया गया। इसके बाद कांड के अनुसंधान के लिए एसआईटी टीम का गठन किया गया।

एसपी हरिविंदर सिंह ने बताया कि भीषण चोरी की घटना का उद्भेदन करने वाली एसआईटी टीम के सदस्यों को पुलिस प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस टीम में गुमला थाना के पुअनि संचित कुमार, पुअनि विवेक कुमार पांडेय (साईबर सेल), पुअनि निरंजन कुमार सिंह, सअनि सागीर आलम व आरक्षी पवन कुमार यादव शामिल थे।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार शातिर चोर आलम शेख की तलाश रांची के सदर थाना पुलिस 15 साल से कर रही थी। चोरी के एक मामले में सदर थाना रांची में आलम शेख के विरुद्ध एक कांड (सं.190/2009) दर्ज है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लाल वारंट भी जारी हुआ है। आलम शेख पहली बार गुमला पुलिस के हाथों गिरफ्तार हुआ है।

उलातु में ड्राफ्ट की कॉपी व सीएम का पुतला जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

ड्राफ्ट की कॉपी के साथ उलातु के युवक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शिक्षा विभाग द्वारा उर्दू सहायक शिक्षकों के पद को मरणशील करने के नियमवली प्रस्ताव के खिलाफ कांके के नौजवानों द्वारा उलातु में ड्राफ्ट की कॉपी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाकर विरोध किया नेतृत्व कर रहे मो जियाउद्दीन अंसारी ने कहा कि राज्य अलग होने से पूर्व वर्ष 1999 में बिहार सरकार द्वारा 4401 उर्दू शिक्षकों की के पद प्रारम्भिक विद्यालयों के सृजित किया था जिसपर वर्ष 2015 में 689 उर्दू शिक्षकों की बहाली हो चुकी है, हेमंत सोरेन ने 2019 विधानसभा चुनाव में मुस्लिमों से वादा किया था कि उर्दू शिक्षक कि बहाली किया जाएगा और मुस्लिम समुदाय के सभी रुके हुए काम होगी लेकिन सरकार ने उर्दू शिक्षक के पद को ही समाप्त करने का निर्णय ले लिया जिसका हम-सभी विरोध करते है सरकार उर्दू शिक्षक के रिक्त 3712 पदों को कक्षा 1-5 एवं 6-8 में बांटकर नियुक्त नियमावली 2012 के अनुसार बहाली करे नही तो पुरे राज्य में आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से अख्तर अंसारी,असलम अंसारी, अहमद रजा, असफाक आदिल, राजा खान, मोहसिन सबा, जीशान अदनान, आशिक खान, जाहिद खान, मोइज खान, समरुल्लाह अंसारी, अल्ताफ खान इत्यादि शामिल थे।

औद्योगिक सुरक्षा व व्यावसायिक स्वास्थ्य पर सेमिनार आयोजित

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : औद्योगिक सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य-2024 विषय पर होटल पाल हाइट्स में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने उपस्थित रहे। साथ जेबी. पैनी (अध्यक्ष आईसीसी, ओडिशा राज्य परिषद), डॉ. मलय प्रधान (प्रधान सलाहकार और विशेष आमंत्रित सदस्य, ईएसएच समिति, आईसीसी ओडिशा राज्य परिषद और उप निदेशक, फैक्टरी और बॉयलर निदेशालय, ओडिशा

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सरकार) उपस्थित थे।

इस अवसर पर डॉ. एनआर. साहू ,सम्मानित अतिथि अनुपम साहा, संथाना गोपालन, प्रदीप कुमार जेना ने इस अवसर पर औद्योगिक सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ के विषयों पर सभी ने अपना अपना राय व्यक्त किए।

राउरकेला में एनआईटी का दीक्षांत समारोह आयोजित, 1988 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

PHOTON NEWS ROURKELA : एनआईटी, राउरकेला में शनिवार को संस्थान परिसर में दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह में सांसद जुएल ओराम अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इश दौरान 1988 विद्यार्थियों को डिग्रियां मिलेगी। दीक्षांत समारोह में आठ विद्यार्थियों को इंस्टीट्यूट गोल्ड एवं पांच को इंडोमेंट गोल्ड मैडल डिग्री पाने वालों में एनआरआई समेत 82 अंतरराष्ट्रीय छात्र है।

कार्यक्रम में शामिल सांसद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

रोटरी क्लब ने बाल कुंज के बच्चों के बीच बांटी खुशियां, खिले चेहरे

बच्चे को पैंट, शर्ट एवं बिस्कूट देते रोटरी क्लब के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : मानवता की सहायता के लिए रोटरी क्लब चाईबासा ने कदम बढ़ाते हुए बाल कुंज में आवासित बच्चों के बीच पैंट, शर्ट एवं बिस्कूट का वितरण किया। कार्यक्रम का आयोजन रो. मदनलाल गुप्ता के द्वारा उनके पुत्र स्व. मानु गुप्ता की स्मृति में किया गया। प्रायोजक मदनलाल गुप्ता ने वहां उपस्थित सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि बाल कुंज के बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान देखकर ही हमारा उद्देश्य सार्थक हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों की बीच समानता एवं एकरूपता के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एक ही तरह की कपड़ो का वितरण किया गया है। बच्चों से अपेक्षा है कि वे इन कपड़ों को पहन कर आनंदित होंगे। साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह हर समय साफ सुथरी और आकर्षक दिखाइ दे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समानता का भी माहौल इन बच्चों को मिलता रहे यही हमारा उद्देश्य है। बाल कुंज के आधिकारी मुकेश ने इस मौके पर अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं कि आने वाले समय में भी बालकुज को इसी तरह रोटरी क्लब का समर्थन मिलता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन रोटेरियन अंजू राठौड़ ने किया।

इस मौके पर क्लब के उपाध्यक्ष रो रमेश दत्तानी, रो. अंजू राठौर एवं नरेंद्र ठक्कर सहित बाल कुंज के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

केयू स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग में नए सत्र के विद्यार्थियों का किया गया अभिनंदन

गुरु के सानिध्य में निखरती है छात्रों की प्रतिभा : विभागाध्यक्ष

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग में शनिवार को विभागध्यक्ष डॉ सुनील मुर्मू की अध्यक्षता में 2023-25 के नव नामांकित विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह आयोजित हुई। इसमें संस्कृत विभाग के साथ-साथ जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के विद्यार्थी भी सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम नये छात्र-छात्राओं को चंदन टीका लगाकर कक्षा में प्रवेश कराया गया। इसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंगलाचरण से हुई। इसके पश्चात स्नातकोत्तर तृतीय समसत्र के विद्यार्थियों द्वारा नए विद्यार्थियों के लिए स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस परिचय सत्र में नए विद्यार्थियों को इस सत्र

समारोह में उपस्थित शिक्षक व छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। नए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापिका प्रो. दानगी सोरेन ने कहा कि संस्कृत विषय विद्यार्थियों को सुसंस्कृत बनाती है। लेकिन यह तभी संभव है जब विद्यार्थी नियमित रूप से संस्कृत की कक्षाएं करेंगे। स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग की शिक्षण सहायिका अष्टमी महतो ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्नातकोत्तर में पढ़ाने से मुझमें आत्मविश्वास बढी है और मुझमें विषयज्ञान की वृद्धि भी हुई है। जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के कुरमाली विषय के अध्यापक सुभाष चंद्र महतो ने भी शुभकामना संदेश के साथ नए छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। संताली के प्रोफेसर निसोन हेंब्रम ने कहा कि अपने अध्ययन काल में अच्छी संगति बनाए रखना जरूरी है। अच्छी संगति से भविष्य का निर्माण होता है। हो भाषा के प्रो. बसंत चाकी ने कहा कि विभिन्न भाषा साहित्य के अध्ययन से समाज को बेहतर तरीके से समझने में सहायता मिलती है। स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुनील मुर्मू ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि कक्षा में दृढ़ प्रतिज्ञ भावना से विद्यार्थियों की उपस्थिति जरूरी है। उन्होंने कक्षा में नियमित उपस्थिति के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों में प्रतिभाएं होती हैं । उन्हें पहचानने और तरासने की जरूरत होती है। गुरुजनों के सानिध्य में विद्यार्थियों की प्रतिभाएं निखर के आती हैं । उन्होंने नए विद्यार्थियों को यूजीसी नेट और जेआरएफ के लिए शुरू से ही लगने के लिए सुझाव दिए। नए विद्यार्थियों के अभिनंदन समारोह को सफल बनाने में प्रो. दानगी सोरेन, शिक्षण सहायिका अष्टमी महतो, छात्रा सरस्वती महतो , रीता गोप, आरती बेहरा, श्रद्धांजलि गिरि, चंपावती,अमीषा पाडया, अमिता महतो आदि की भूमिका सराहनीय रही। मंच का संचालन प्रो. दानगी सोरेन और अष्टमी महतो ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन दानगी सोरेन किया।

नव पुनर्गठित जिला तीरंदाजी संघ का हुआ विस्तार, सिद्धार्थ पड़ेया बने अध्यक्ष

बैठक में शामिल संघ के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : नव पुनर्गठित जिला तीरंदाजी संघ की बैठक शनिवार को आदिवासी हो समाज महासभा कला एवं संस्कृति भवन हरिगुटु चाईबासा में नव निर्वाचित अध्यक्ष सिद्धार्थ पड़ेया, सचिव महर्षि महेन्द्र सिंकु, कोषाध्यक्ष सुमित बालमुचू के मौजूदगी में हुई। बैठक में तीरंदाजी संघ का विस्तार को लेकर चर्चा हुई। विचार विमर्श के बाद विभिन्न पदों पर विस्तारित किया गया। जिला तीरंदाजी संघ का विस्तार करते हुए तुरी सुंडी, राजेंद्र गुईया एवं सुशील कुमार सिंकु उपाध्यक्ष बनाया गया। सहकोषाध्यक्ष बीरसिंह पुरती, संयुक्त सचिव ललिता लुगुन व सुभाष जोंको एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सोनम पूरती, संगीता महतो, कैलाश हेंब्रम, डॉ. अनंत महतो, गुनाराम पुरती, दुम्बी पुरती, स्नेहलता डाहांगा, मोटाय बोबोंगा, कृष्णा देवगम, सुधीर पाठ पिंगुवा को रखा गया है। टेक्निकल सदस्य के रूप शैलेन्द्र सावैयां, बबिता कोडांगकल, जानो पुरती, रमेश जेराई, सुमित सिंकु, जीवन देवगम, बिरजु देवगम, दुर्गा कच्छप, कन्हैया लाल बुड़ीउली एवं जगरन्नाथ गागराई को शामिल किया गया है।

10 हजार नहीं दिए तो गर्भवती बहू को मार डाला

पिता बोले :उसने कहा था बच्चा आपका है इलाज आप कराओ ससुराल वाले फरार

एजेंसी

आरा । भोजपुर में 10 हजार रुपए के लिए गर्भवती बहू की गला दबाकर हत्या का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि बेटी 2 महीने की प्रेग्नेंट थी। ससुराल वाले कहने लगे कि अपने घर से इलाज के लिए पैसे मांगों। महिला के पिता दयालु शाह का कहना है कि बेटी इसका विरोध करती थी वो उनसे कहती जब आपके यहां शादी हुई है और बच्चा आपका है तो वो पैसे क्यों देंगे। इसी बात को लेकर उसे अक्सर प्रताड़ित किया जाता था।

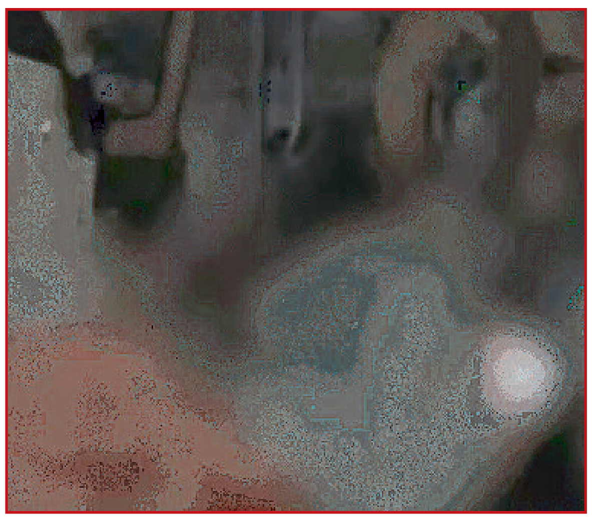

मामला जगदीशपुर प्रखंड के धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गंज गांव का है। 2023 में हुई थी शादी महिला की पहचान मुकेश शाह की पत्नी आशा देवी(20) के रूप में हुई है। मृतका के पिता दयालु साह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी आशा देवी की शादी साल 2023 के फरवरी महीने में धनगाई थाना के शिवपुर गंज गांव निवासी श्रीराम साह के पुत्र मुकेश साह से लेनदेन और पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था। जैसे ही वह दो महीने की गर्भवती हुई तो उसके पति,सास ससुर और ननद कहने लगी तुम अब गर्भवती हो और तुम्हारे इलाज करने के लिए पैसे की जरूरत है। इसलिए तुम अपने मायके वाले से दस हजार रुपए मांगों। आखिर तुम्हारा इलाज कौन कराएगा। जिस पर उनकी बेटी ने कहा कि जब मेरे पिता ने शादी इस घर में की है और बच्चा आपका है तो वह पैसा क्यों देंगे। इसी बात को लेकर पति और ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करने लगे।

फोन पर दी मौत की जानकारी पिता ने बताया कि गुरुवार के शाम बेटी ने फोन कर बातचीत भी की थी। इसी बीच शुक्रवार की सुबह उन्हें सूचना मिली के उनकी बेटी की मौत हो चुकी है। सूचना पाकर परिजन फौरन उसके ससुराल शिवपुर गंज गांव पहुंचे जहां उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में जमीन में पड़ी है और ससुराल के सभी लोग फरार हैं। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी और मृतका के पिता दयालु साह ने दस हजार रुपए मांगने और ना देने पर उसके पति मुकेश साह, ससुर श्रीराम साह,सास और ननद पर गला दबाकर अपनी

ताया जाता है कि मृतका अपने तीन बहनों में दूसरे स्थान पर थी।

संक्षिप्त डायरी

पिता संग डॉक्टर के पास जा रहा बेटा लापता

पूर्णिया ।पूर्णिया में 20 वर्षीय युवक पिछले 14 जनवरी से संदिग्ध रूप से लापता है। वे बीते कुछ दिनों से किसी बात को लेकर डिप्रेशन में था। उसे गुम हुए 6 दिन बीतने को है, मगर अब तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। परिजन गुमशुदगी के बाद से अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। युवक की गुमशुदगी को लेकर जीआरपी पूर्णिया को आवेदन दिया गया है। मगर लापता युवक की गुमशुदगी की गुत्थी पुलिस के लिए पहेली बनी हुई है। लापता युवक की पहचान मधेपुरा जिला के भगवानपुर थाना क्षेत्र के साहुगढ वार्ड 12 निवासी जयनंदन यादव के बेटे राहुल कुमार (21) के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि राहुल कुमार बीते कुछ दिनों से किसी बात को लेकर डिप्रेशन में चल रहे थे। जिसके चलते उसे डॉक्टर से दिखाने मधेपुरा स्टेशन से ट्रेन पर बैठकर पूर्णिया के लाइन बाजार स्थित एक निजी क्लीनिक में डॉक्टर से दिखाने के लिए निकले थे। वे जैसे ही पूर्णिया जंक्शन पहुंचे। स्टेशन के बाहर भीड़भाड़ होने की वजह से थोड़ी ही देर के लिए ध्यान भटका। इसी बीच उनका बेटा कहीं हाथ छुड़ाकर निकल गया। उन्होंने स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में बहुत खोजा। मगर बेटे का कहीं कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने फोन कर घर वालों को बेटे की गुमशुदगी की बात बताई। वहीं गुमशुदगी को लेकर पूर्णिया जंक्शन के जीआरपी पुलिस को आवेदन दिया गया है। परिजन युवक की गुमशुदगी के बाद से अनहोनी की आशंका जता रहे हैं।

अलाव की आग में महिला झुलसी

पूर्णिया । पूर्णिया में एक महिला अलाव की आग में बुरी तरह झुलस गई। हादसा तब हुआ जब वे अलाव के समीप बैठकर आग सेंक रही थी।आग की लपटों में महिला के शरीर का 60 फीसदी से अधिक हिस्सा झुलस चुका है।घटना के फौरन बाद आग में झुलसी महिला को इलाज के लिए जीएमसीच पूर्णिया लाया गया है। जहां महिला का इलाज जारी है। घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के झगरुआ गांव की है। मृतका की पहचान श्रीनगर थाना क्षेत्र के झगरुआ गांव निवासी मो यासीन की पत्नी जमीदा खातून (35) के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि खाना खाने के बाद जमीदा बढ़ी कनकनी और शीतलहर से बचाव को लेकर चबूतरे में अलाव जलाकर आग ताप रही थीं। कि तभी कुछ पल के लिए उनका ध्यान भटका और इसी दौरान उनकी साड़ी का निचला हिस्सा अलाव के आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो उठी। इसके बाद चीखने की आवाज सुनकर घर में मौजूद सदस्यों ने किसी तरह आग बुझाया और आग की लपटों में झुलसी महिला को जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया है। जहां महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। महिला के शरीर का 60 फीसद से अधिक हिस्सा आग में झुलस गया है।

युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

समस्तीपुरै। समस्तीपुर में शनिवार की सुबह अपराधियों ने दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। मर्डर के दौरान कई राउंड फायरिंग भी की गई।घटना शहर के मगरदहीघाट गंडक नदी पुल पर सुबह के करीब 10:45 बजे की है। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश पैदल ही भाग खड़े निकले। राहगीरों ने स्थानीय लोगों एवं पुलिस की मदद से तत्काल जख्मी हालत में युवक को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जांच में जुटी पुलिसमृत युवक की पहचान मथुरापुरघाट निवासी राधेश्याम मंडल के बेटे सोनू कुमार(25) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस छानबीन में जुटी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

नीतीश पलटे तो पब्लिक की नजर में गिर जाएंगे

एजेंसी

भागलपुर । बिहार में सियासी हलचल के बीच जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा है कि अगर नीतीश कुमार बीजेपी के साथ जाते हैं तो उनका राजनीतिक वजूद खत्म हो जाएगा। पब्लिक के नजर में गिर जाएंगे। वो बीजेपी में जा ही नहीं सकते हैं।गोपाल मंडल ने कहा कि लालू बड़े भाई हैं, नीतीश छोटे और तेजस्वी भतीजा है। राजद और जदयू चुंबक की तरह सट गए हैं। अलग होने का सवाल ही नहीं होता।पीएम मोदी को नहीं जानता गोपालपुर से जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा है कि वो पीएम मोदी को नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी कहां से आए हैं हमें नहीं पता। गुजरात के सीएम थे तब नाम सुना था। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार शालीनता से बात करते हैं, जबकि पीएम मोदी वैसे नहीं हैं।जदयू विधायक ने कहा कि मोदी जी स्क्रीन पर देखकर भाषण देते हैं। वह सिर्फ अपने चक्कर में लगे हुए हैं। अडानी अंबानी से काम नहीं चलने वाला है। सीट शेयरिंग के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि 24 जनवरी के बाद ये सब कुछ फाइनल हो जाएगा। हम लोग अभी कपूरी जयंती में लगे हुए हैं।22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन विपक्षी पार्टियों ने छुट्टी घोषित करने की मांग की थी। इस पर गोपाल मंडल ने कहा कि ये फैसला तो हमारे सीएम लेंगे, लेकिन सबका मन तो करता ही है कि जाकर देखे कि वहां कैसा बना है।

ट्रेन के इंजन पर चढ़ गई महिला की मौत

एजेंसी

बेगूसराय ।बेगुसराय में रेलवे यार्ड में खड़ी एक ट्रेन पर एक महिला इंजन पर चढ़ गई। इंजन पर चढ़ते ही वह ओवरहेड तार की चपेट में आ गई। फिर नीचे गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन फानन में वहां पर मौजूद रेल थाने पुलिस के जवानों ने जब उसे घायल अवस्था में गिरे हुए देखा तो उसे सदर अस्पताल में भर्ती करवाया है। यहां इलाज के क्रम में

उस महिला की मौत हो गई।महिला के संबंध में बताया जा रहा है कि महिला विक्षिप्त है। एवं कई दिनों से रेलवे के आसपास भटकती देखी गई थी। इस दौरान महिला ने खड़ी ट्रेन के इंजन पर चढ़ गई थी। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। झुलसने के बाद रेल थाने के पुलिस ने आनन-फानन में इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज क्रम में उसे महिला की मौत हो गई। पूरा मामला बरौनी रेल थाना क्षेत्र के गढहारा यार्ड की थी। 16 जनवरी घायल महिला को इलाज के लिए रेलवे पुलिस ने बेगूसराय के सदर अस्पताल मे भर्ती कराया जहां इलाज के क्रम में बीती रात उसकी मौत हो गई। फिलहाल इस घटना की सूचना सदर अस्पताल के द्वारा नगर थाना पुलिस को दी।

बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी बाइक फूंक डाली

एजेंसी

जहानाबाद । में घर के आगे खड़ी बाइक में बदमाशों ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। करीब एक घंटे तक बाइक से आग की लपटें उठती रहीं। आसपास के लोगों ने बाइक को बचाने की पूरी कोशिश की। जब तक आग बुझी तब तक बाइक पूरी तरह से खाक हो गई। दरअसल, बदमाश बाइक जलाने नहीं आए थे। गांव के कुछ लोगों का बाइक के मालिक से विवाद चल रहा था। विवाद किस बात को लेकर था यह क्लियर नहीं है। देर रात बदमाश घरवालों पर हमला करने आए थे। दरवाजे पर दस्तक दी थी। पर किसी ने दरवाजा नहीं खोला। खुन्नस में बदमाशों ने बाइक में आग लगा दी। घटना घोसी

थाना क्षेत्र के ओकरी ओपी अंतर्गत मसाढ़ गांव की है। दो लोगों के विरुद्ध थाने में शिकायत बाइक मलिक पिंटू कुमार ने दो लोगों के विरुद्ध स्थानीय थाने में पुलिस से लिखित शिकायत दी है, जिसमें दो लोगों को नामजद बनाया गया है। पीड़ित ने कहा कि उसकी बाइक घर के समीप लगी थी। तभी जान मारने के नीयत से असामाजिक तत्वों ने उनके दरवाजे के पास आकर आवाज लगाई। जब वे बाहर नहीं निकले तो अपराधियों ने बाइक में आग लगा दी।थाना अध्यक्ष राज किशोर प्रसाद ने कहा कि पुलिस को मामले की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाहन मालिक का कहना है कि कई महीनों से गांव के ही कुछ लोग मेरे पीछे पड़े हुए हैं। मेरे साथ अप्रिय घटना कर सकते हैं। अप्रिय घटना को अंजाम देने में कामयाब नहीं हुए तो मेरी बाइक में आग दी।

अगलगी मामले में तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन

सुपौल । सुपौल सदर अस्पताल के पुराने टीबी केंद्र भवन में अगलगी मामले में सिविल सर्जन ने जांच के आदेश दिए है। तीन सदस्यीय जांच कमेटी में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अजय कुमार झा, महिला चिकित्सक डॉ. ममता कुमारी और डीपीएम मो. मिन्नतुल्लाह शामिल है। मंगलवार दोपहर में करीब 12 बजे सदर अस्पताल परिसर में पुराने टीबी केंद्र भवन में अचानक आग लग गई थी। इस भवन में रखे पुराने फर्नीचर, कागजात समेत कई बोरों में बंद ब्लीचिंग पाउडर आग में जलकर बर्बाद हो गया था। आग इतना भयावह लगी थी कि मौके पर फायर बिग्रेड कि टीम को आधा घंटा आग बुझाने में लगा। स्थलीय जांच की जा रही आग लगने के कारण पता नहीं चला था। ऐसे में अब सिविल सर्जन डॉ. ललन कुमार ठाकुर ने कहा कि आग लगने के कारणों को लेकर जांच टीम का गठन किया गया है। शनिवार को तीन सदस्यीय जांच टीम के सदस्य डॉ. अजय कुमार झा ने कहा कि बीते मंगलवार को हुई आग लगने के कारणों को लेकर स्थलीय जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जांच के बाद रिपोर्ट सिविल सर्जन को सौंपी जाएगी।

ट्रक से 350 कार्टन शराब जब्त

बेगूसराय । बेगूसराय पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बेगूसराय जिले के छौड़ाही सहायक थाना क्षेत्र की पुलिस ने 40 लाख रुपए से अधिक का शराब बरामद किया है।पुलिस को यह सफलता छौड़ाही सहायक थाना क्षेत्र स्थित दौलतपुर-मालीपुर सड़क पर राजोपुर के समीप से मिली है। मौके पर से वाहन चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिससे पूछताछ चल रही है।बताया जा रहा है कि छौड़ाही सहायक थाना की पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक पर शराब जा रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के नेतृत्व में रात्रि गश्ती टीम ने घेराबंदी कर दिया। इसके बाद संदेह के

आधार पर राजोपुर मोड़ के समीप उत्तराखंड नंबर के ट्रक यूके87-ए 5415 को रोककर जांच किया गया।ट्रक में लोड अनाज रखने वाले कोठी से 350 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया। थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि जांच के दौरान गश्ती टीम ने ट्रक को रोका तो उसमें अनाज रखने वाले कोठी से 350 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया है।

सड़क हादसे में कार सवार चार लोग जख्मी

बगहा । वाल्मीकि नगर-बगहा मुख्य पथ पर कोतराहा पावर हाउस मोड़ के पास शुक्रवार रात वाल्मीकि नगर से बगहा की तरफ जा रही एक कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिस जगह पर हादसा हुआ है वहां पर तीथा मोड है। मोड होने के कारण ड्राइवर को अंधेरे के कारण जंगल का पता नहीं चला और ड्राइवर जंगल में चली गई। हादसे में चार लोग जख्मी हो गए। पेड़ से कार इतनी जो टकराई कि आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद सभी को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। एक को ऋट्टउल्र बेतिया रेफर कर दिया।वाल्मीकि नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अजीत कुमार ने कहा कि सभी घायलों को इलाज के लिए भेज दिया गया है।

सभी लोग बेतिया के रहने वाले हैं। घायल युवकों की पहचान बेतिया लाल बाजार निवासी अमन बरनवाल, सुनील कुमार, शिवम संथाली, अफसर आलम के रूप में की गई है। अफसर आलम को रेफर किया गया है।

50 हजार तुलसी मोती से बनाई भगवान राम की प्रतिमा

एजेंसी

पटनौ । 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की धूम पूरे देश में देखने को मिल रही है। हर कोई इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है।पटना के मूर्तिकार जितेंद्र ने तुलसी की माला का इस्तेमाल कर भगवान राम की प्रतिमा बनाई है। इसकी ऊंचाई 5 फीट है। इस प्रतिमा को 500 तुलसी माला का इस्तेमाल कर बनाया गया है। जिसमें 50 हजार तुलसी मोती का इस्तेमाल किया गया है।15 दिन में तैयार की भगवान राम की प्रतिमाजितेंद्र ने कहा कि इस प्राण प्रतिष्ठा में हर कोई वहां जाने में सक्षम नहीं है, इसलिए उन्होंने पटना में ही भगवान राम की आराधना के लिए प्रतिमा बनाई है। इस प्रतिमा को उन्होंने 15 दिन में तैयार किया है। दरअसल, तुलसी मला को शुभ

माना जाता है, इसलिए उन्होंने इसका इस्तेमाल कर प्रतिमा बनाई।इस प्रतिमा को लंगरटोली चौराहा के भारत माता मंदिर में 22 जनवरी को स्थापित किया जाएगा, जिसके बाद लोग इसके दर्शन कर

सकते हैं और पूजा-पाठ भी कर सकते हैं।पहले भी बना चुके हैं अनोखी मूर्तियां इससे पहले भी जितेंद्र अलग चीजों का इस्तेमाल कर मूर्तियां बना चुके हैं। खासकर दुर्गा पूजा में अनोखी मूर्तियां बनाने के लिए उनकी काफी डिमांड रहती है। वह 15 सालों से इस तरह की प्रतिमाएं बनाते आ रहे हैं।

उन्होंने पिछली बार 500 मोर पंख, 10 किलो चूड़ा, 20 किलो ड्राई फ्रूट्स, दवाइयों के रैपर्स और मीठा पान मसाला का इस्तेमाल कर देवी दुर्गा की मूर्तियां बनाई थी।

पीएम जनमन : कमजोर जनजातीय समूहों के लिए आशा की सबसे बड़ी किरण

जनजातीय सशक्तिकरण, गौरवशाली भारतॠ के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विगत दशक के कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अतुलनीय हैं। आजादी के बाद सरकारें तो बदलती थीं पर उनके एजेंडे में अनुसूचित जनजातीय समाज दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आता था। देश आगे बढ़ता गया और जनजातीय समाज वहीं का वहीं रह गया। मूलभूत सुविधाओं की कमी और राजनीतिक उपेक्षाओं के कारण जनजातीय समाज मुख्यधारा से दूर रह गया। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातियों के हित में सोचा और अलग से जनजातीय मंत्रालय का गठन किया। उस काम को प्रधानमंत्री मोदी तेजी से आगे ले गए। जनजातीय समाज को राजनीतिक एवं सामाजिक ढंग से सशक्त करना यदि किसी मायने में कोई कर पाया है तो वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है । प्रधानमंत्री मोदी का चिंतन हमेशा ऐसी योजनाओं को धरातल पर लाने का होता है, जिनका मूलभूत उद्देश्य पिछड़े और अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को न्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना हो । इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि से जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महाअभियान प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) का शुभारम्भ किया । यह एक ऐसी परियोजना है जिसकी कभी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी । हमारी सरकार ने देश के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 23 हजार से ज्यादा गांवों में रह रहे ऐसे 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की पहचान की, जो आदिवासियों में भी सबसे पीछे रह गए आदिवासी हैं, जिन्हें आजादी के 75 साल बाद भी मूल सुविधाएं प्राप्त नहीं हुई हैं । पीएम जन मन के इस महान अभियान के माध्यम से भारत सरकार इन समुदायों पर 24 हजार करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है । पीवीटीजी समुदाय अकसर वन क्षेत्रों के सुदूर और दुर्गम बस्तियों में रहते हैं । पीएम जन मन अभियान को आरम्भ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा "सरकारें पहले आंकड़ों को जोड़ने का काम करती थी लेकिन मैं आंकड़ों को नहीं बल्कि जिंदगी को जोड़ना चाहता हूं।" यह प्रधानमंत्री जी की जनजातीय समुदायों के प्रति संवेदनशीलता को दशार्ता है । प्रधानमंत्री के संकल्प को गति देते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम-जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तृत कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए मंथन शिविर का आयोजन कर योजना के क्रियान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गई । जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के तहत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती ह्यसुशासन दिवसद्ध के अवसर पर 25 दिसंबर से देश के जनजातीय बाहुल्य जिलों में पीवीटीजी परिवारों तक पहुंचने के उद्देश्य से, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान की शुरूआत की है । पिछले तीन सप्ताह में मंत्रालय द्वारा 100 से अधिक जिलों में 8000 से अधिक कैंप लगाए गए, जिनमें आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जनधन खाते आदि खोले जा रहे हैं, ताकि उन्हें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना जैसी योजनाओं से वंचित लोगों को इसका लाभ मिल सके। विभिन्न मंत्रालयों द्वारा विगत दो माह में पीएम जनमन के तहत 4700 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं । ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक लाख लाभार्थियों को पक्के घर और 400 से अधिक पीवीटीजी बाहुल्य बसाहटों में 1200 किलोमीटर सड़कें बनाने की स्वीकृति दे दी गई है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 100 छात्रावास, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 916 आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 100 मोबाइल मेडिकल यूनिट, जनजातीय मंत्रालय द्वारा 450 मल्टीपर्पज सेंटर और 405 वनधन केंद्र, विद्युत मंत्रालय द्वारा 6500 से ज्यादा टोलो में 70000 से ज्यादा घरों में बिजली की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत भी हर घर नल पहुंचाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। जनजातीय समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल में, ट्राइफेड ने फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी), एग्री बिजनेस, पेपरबोर्ड और पैकेजिंग में विशेषज्ञता रखने वाले एक प्रमुख भारतीय समूह आईटीसी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी बनाई है। यह सहयोग न केवल जनजातीय समूहों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने बल्कि घरेलू और वैश्विक स्तर पर उनके उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह संयुक्त पहल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, मेघालय और झारखंड में 60 वन धन विकास केंद्रों को लक्षित करते हुए एक अग्रणी पायलट परियोजना शुरू करने के लिए तैयार है। ये केंद्र विशेष रूप से अति पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित स्थानीय जनजातीय समुदायों को हल्दी जैसे उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे बेहतर पारिश्रमिक हासिल किया जा सकेगा। वन धन विकास केंद्रों में अपनी व्यापक भागीदारी के साथ, कच्ची जैविक हल्दी की खरीद के लिए 15,000 से अधिक आदिवासियों के एकत्रीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए ट्राइफेड अग्रसर है।

जय श्रीराम, अब होगा प्राचीन भारतीय विज्ञान का पुनरुत्थान

ANALYSIS

प्रमोद भार्गव

अतैव यह समय प्राचीन भारतीय विज्ञान के पुनरुत्थान का भी काल है, क्योंकि रामायण और महाभारत कथाएं नाना लोक स्मृतियों और विविध आयामों में प्रचलित बनी रहकर वर्तमान हैं। इनका विस्तार भी सार्वभौमिक है। देश-दुनिया के जनमानस में राम-कृष्ण की मूर्त-अमूर्त छवि बनी हुई है। शायद इसीलिए भवभूति और कालिदास ने रामायण को इतिहास बताया। वाल्मीकि रामायण और उसके समकालीन ग्रंथों में इतिहास को पुरावृत्त कहा गया है। गोया, कालिदास के रघुवंश में विश्वामित्र राम को पुरावृत्त सुनाते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने रामायण को महाकाव्यात्मक इतिहास की श्रेणी में रखा है। जबकि इन ग्रंथों में विज्ञानसम्मत अनेक ऐसे सूत्र मौजूद हैं, जिनके जरिए नए आविष्कार की दिशा में बढ़ा जा सकता है। विज्ञानसम्मत अंशों को संकलित कर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की जरूरत है। ऐसा करने से मेधावी छात्रों में विज्ञानसम्मत महात्वाकांक्षा जागेगी और भारतीय जीवन-मूल्यों के इन आधार ग्रंथों से मिथकीय आध्यात्मिकता की धूल झाड़ने का काम भी संपन्न होगा।

अयोध्याधाम में श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ राम की पुरातन एवं सनातन ऐतिहासिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की स्थापना भी हो जाएगी। अब विभिन्न रामायणों में दर्ज उस विज्ञान को भी मान्यता देने की जरूरत है, जिन्हें वामपंथी पूर्वाग्रहों के चलते वैज्ञानिक एवं बुद्धिजीवी न केवल नकारते रहे हैं, बल्कि इनकी ऐतिहासिकता को भी कपोल-कल्पित कहकर उपहास उड़ाते रहे हैं। अतैव यह समय प्राचीन भारतीय विज्ञान के पुनरुत्थान का भी काल है, क्योंकि रामायण और महाभारत कथाएं नाना लोक स्मृतियों और विविध आयामों में प्रचलित बनी रहकर वर्तमान हैं। इनका विस्तार भी सार्वभौमिक है। देश-दुनिया के जनमानस में राम-कृष्ण की मूर्त-अमूर्त छवि बनी हुई है। शायद इसीलिए भवभूति और कालिदास ने रामायण को इतिहास बताया। वाल्मीकि रामायण और उसके समकालीन ग्रंथों में इतिहास को पुरावृत्त कहा गया है। गोया, कालिदास के रघुवंश में विश्वामित्र राम को पुरावृत्त सुनाते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने रामायण को महाकाव्यात्मक इतिहास की श्रेणी में रखा है। जबकि इन ग्रंथों में विज्ञानसम्मत अनेक ऐसे सूत्र मौजूद हैं, जिनके जरिए नए आविष्कार की दिशा में बढ़ा जा सकता है। विज्ञानसम्मत अंशों को संकलित कर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की जरूरत है। ऐसा करने से मेधावी छात्रों में विज्ञानसम्मत महात्वाकांक्षा जागेगी और भारतीय जीवन-मूल्यों के इन आधार ग्रंथों से मिथकीय आध्यात्मिकता की धूल झाड़ने का काम भी संपन्न होगा। वैसे भी ज्यादातर रामायणों में उल्लेख है की भगवान राम लंका विजय के बाद माता सीता, भाई लक्ष्मण, हनुमान और सुग्रीव के साथ पुष्पक विमान में बैठकर अयोध्या पहुंचे थे। इतिहास तथ्य और घटनाओं के साथ मानव की विकास यात्रा की खोज भी है। यह तय है कि मानव, अपने विकास के अनुक्रम में ही वैज्ञानिक अनुसंधानों से सायास-अनायास जुड़ता रहा है। ये वैज्ञानिक उपलब्धियां या आविष्कार रामायण, महाभारतकाल मे उसी तरह चरमोत्कर्ष पर थे, जिस तरह ऋग्वेद के लेखन-संपादन काल के समय संस्कृत भाषायी विकास के शिखर पर थी। रामायण का शब्दार्थ भी राम का अयण अर्थात भ्रमण से है। तीन सौ रामायण और अनेक रामायण विषयक संदर्भ गंथ, जिनके प्रभाव को नकारने के लिए पाउला रिचमैन ने 1942 में मैनी रामायणस द डाइवर्सिटी ऑफ ए नैरेटिव ट्रेडिशन इन साउथ एशिया लिखी और एके रामानुजन ने थ्री हंड्रेड रामायण फाइव एग्जांपल एंड थ्री थॉट्स आन ट्रांसलेशन निबंध लिख कर अनर्गल अंशों को गढ़कर सच्चाई को झुठलाया। जबकि इन्हीं रामायणों, रामायण विषयक संदर्भ ग्रंथों और मदन मोहन शर्मा शाही के बृहद् उपन्यास से विज्ञानसम्मत आविष्कारों की पड़ताल की जा सकती है। रामायण एकांगी दृष्टिकोण का वृतांत भर नहीं है। इसमें कौटुम्बिक सांसारिकता है। राज-समाज संचालन के कूट-मंत्र हैं। भूगोल है। वनस्पति और जीव जगत हैं। राष्ट्रीयता है। राष्ट्र के प्रति उत्सर्ग का चरम है। अस्त्र-शस्त्र हैं। यौद्धिक कौशल के गुण हैं। भौतिकवाद है। कणाद का परमाणुवाद है। सांख्य दर्शन और योग के सूत्र हैं। वेदांत दर्शन है और अनेक वैज्ञानिक उपलब्धियां हैं। गांधी का राम-राज्य और पं. दीनदयाल उपाध्याय के आध्यात्मिक भौतिकवाद के उत्स इन्हीं रामायणों में हैं। वास्तव में रामायण और उसके परवर्ती ग्रंथ कवि या लेखक की कपोल-कल्पना न होकर तात्कालिक ज्ञान के विश्व कोश हैं। जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने तो ऋग्वेद को कहा भी था कि यह अपने युग का विश्व-कोश है। अर्थात एन-साइक्लोपीडिया ऑफ वर्ल्ड ! लंकाधीश रावण ने नाना प्रकार की विधाओं के पल्लवन की दृष्टि से यथोचित धन व सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। रावण के पास लडाकू वायुयानों और समुद्री जलपोतों के बड़े भण्डार थे। प्रक्षेपास्त्र और ब्रह्मास्त्रों का अकूत भण्डार व उनके निर्माण में लगी अनेक वेधशालाएं थीं। दूरसंचार व दूरदर्शन की तकनीकी-यंत्र लंका में स्थापित थे। राम-रावण युद्ध केवल राम और रावण के बीच न होकर एक विश्व युद्ध था। जिसमें उस समय की समस्त विश्व-शक्तियों ने अपने-अपने मित्र देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। परिणामस्वरूप ब्रह्मास्त्रों के विकट प्रयोग से लगभग समस्त वैज्ञानिक अनुसंधान-शालाएं उनके आविष्कारक, वैज्ञानिक व अध्येता काल-कवलित हो गए। यही कारण है कि हम कालांतर में हुए महाभारत युद्ध में वैज्ञानिक चमत्कारों को रामायण की तुलना में उत्कृष्ट व सक्षम नहीं पाते हैं। यह भी इतना विकराल विश्व-युद्ध था कि रामायण काल से शेष बचा जो विज्ञान था, वह महाभारत युद्ध के विध्वंस की लपेट में आकर नष्ट हो गया। इसीलिए महाभारत के बाद के जितने भी युद्ध हैं, वे खतरनाक अस्त्र-शस्त्रों से न लड़े जाकर थल सेना के माध्यम से ही लड़े गए दिखाई देते हैं। बीसवीं सदी में हुए द्वितीय विश्व युद्ध में जरूर हवाई हमले के माध्यम से अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा-नागाशाकी में परमाणु हमले किए थे। वाल्मीकि रामायण एवं नाना रामायणों तथा अन्य ग्रंथों में पुष्पक-विमान के उपयोग के विवरण हैं। इससे स्पष्ट होता है, उस युग में राक्षस व देवता न केवल विमान-शास्त्र के ज्ञाता थे, बल्कि सुविधायुक्त आकाशगामी साधनों के रूप में वाहन उपलब्ध थे। रामायण के अनुसार पुष्पक-विमान के निमार्ता ब्रह्मा थे। ब्रह्मा ने यह विमान कुबेर को भेंट किया था। कुबेर से इसे रावण ने छीन लिया। रावण की मृत्यु के बाद विभीषण इसका अधिपति बना और उसने फिर से इसे कुबेर को दे दिया। कुबेर ने इसे राम को उपहार में दे दिया। राम लंका विजय के बाद अयोध्या इसी विमान से पहुंचे थे। रामायण में दर्ज उल्लेख के अनुसार पुष्पक-विमान मोर जैसी आकृति का आकाशचारी विमान था, जो अग्नि-वायु की समन्वयी ऊर्जा से चलता था। इसकी गति तीव्र थी और चालक की इच्छानुसार इसे किसी भी दिशा में गतिशील रखा जा सकता था। इसे छोटा-बड़ा भी किया जा सकता था। यह सभी ऋतुओं में आरामदायक यानी वतानुकूलित था। इसमें स्वर्ण-खंभ, मणि निर्मित दरवाजे, मणि-स्वर्णमय सीढ़ियां, वेदियां (आसन) गुप्त-गृह, अट्टालिकाएं (केबिन) तथा नीलम से निर्मित सिंहासन (कुर्सियां) थे। अनेक प्रकार के चित्र एवं जालियों से यह सुसज्जित था। यह दिन और रात दोनों समय गतिमान रहने में समर्थ था। इस विवरण से ज्ञात होता है, यह उन्नत प्रौद्योगिकी और वास्तुकला का अनूठा नमूना था। ऋग्वेद में भी चार तरह के विमानों का उल्लेख है। जिन्हें आर्य-अनार्य उपयोग में लाते थे। इन चार वायुयानों को शकुन, त्रिपुर, सुन्दर और रुक्म नामों से जाना जाता था। ये अश्वहीन, चालक रहित , तीव्रगामी और धूल के बादल उड़ाते हुए आकाश में उड़ते थे। इनकी गति पतंग (पक्षी) की भांति, क्षमता तीन दिन-रात लगातार उड़ते रहने की और आकृति नौका जैसी थी। त्रिपुर विमान तो तीन खण्डों (तल्लों) वाला था तथा जल, थल एवं नभ तीनों में विचरण कर सकता था। रामायण में ही वर्णित हनुमान की आकाश-यात्राएं, महाभारत में देवराज इन्द्र का दिव्य-रथ, कार्तवीर्य अर्जुन का स्वर्ण-विमान एवं सोम-विमान, पुराणों में वर्णित नारदादि की आकाश यात्राएं एवं विभिन्न देवी-देवताओं के आकाशगामी वाहन रामायण-महाभारत काल में वायुयान और हेलीकॉप्टर जैसे यांत्रिक साधनों की उपलब्धि के प्रमाण हैं। किंवदंती यह भी है कि गौतम बुद्ध ने भी वायुयान द्वारा तीन बार लंका की यात्रा की थी। ऐरिक फॉन डानिकेन की किताब चैरियट्स ऑफ गॉड्स में तो भारत समेत कई प्राचीन देशों से प्रमाण एकत्रित करके वायुयानों की तात्कालीन उपस्थिति की पुष्टि की गई है। इसी प्रकार डॉ. ओंकारनाथ श्रीवास्तव ने अनेक पाश्चात्य अनुसंधानों के मतों के आधार पर संभावना जताई है कि रामायण में अंकित हनुमान की यात्राएं वायुयान अथवा हेलीकॉप्टर की यात्राएं थीं या हनुमान राकेट-बेल्ट बांधकर आकाश गमन करते थे, जैसा कि आज के अंतरिक्ष-यात्री करते हैं। हनुमान-मेघनाद में परस्पर हुआ वायु-युद्ध हावरक्रफ्ट से मिलता-जुलता है। आज भी लंका की पहाड़ियों पर चौरस मैदान पाए जाते हैं, जो शायद उस कालखण्ड के वैमानिक अड्डे थे।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

गणतंत्र दिवस पर याद रखना इन बालवीरों को

हर साल जनवरी का महीने आते ही देश में गणतंत्र दिवस की तैयारियां अपने चरम पर पहुंच जाती हैं। राजधानी दिल्ली में तो गणतंत्र दिवस की तैयारियां बाकी जगहों से अधिक बड़े स्तर पर होती हैं क्योंकि राजधानी दिल्ली में ही गणतंत्र दिवस परेड निकलती है। उस परेड का हिस्सा वे बालवीर भी होते हैं, जिन्हें देश उनके साहस, सूझबूझ और शौर्य के लिए सम्मानित कर रहा होता है। वे जब राष्ट्रपति जी को सलामी देते हुए आगे बढ़ते हैं, तो कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) में उपस्थित जनसमूह उनका हर्षध्वनि से स्वागत करता है। गणतंत्र दिवस परेड का 1959 से हिस्सा हैं बालवीर पुरस्कार विजेता। यह कुछ साल से खुली जीप में निकलने लगे हैं। हालांकि लंबे समय तक यह हाथियों पर सवार होते थे। पर मेनका गांधी के विरोध के बाद इन्हें हाथियों पर बैठाने की परंपरा को रोक दिया गया। बालवीर गणतंत्र दिवस परेड से दस दिन पहले राजधानी में आकर परेड की रिहर्सल में शामिल होते हैं। इसके अलावा, यह दोपहर और शाम को कभी राष्ट्रपति कभी, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, वायुसेना, नौसेना और थलसेनाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिलते हैं। कभी लाल किला, पुराना किला, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा जैसी ऐतिहासिक इमारतें और कभी फन एंड फूड विलेज जैसे मनोरंजक स्थल घूमते हैं। इन्हें राजधानी के फन एंड फूड विलेज के संस्थापक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी सरदार सेवा सिंह नामधारी बहुत सारे उपहार देते थे। उनके ना रहने के बाद भी बालवीरों का वहां सम्मानित किया जाता है। गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले तक तो यह बालवीर खबरों में रहते हैं। यह इंटरव्यू देते हैं और फिर यह ओझल हो जाते हैं। यह स्थिति कोई आदर्श नहीं मानी जा सकती। कोशिश तो ऐसी होनी चाहिए कि जिन्हें बालवीर पुरस्कार मिला, उन्हें उनके राज्यों की सरकारें जीवन में आगे बढ़ने के हर संभव अवसर दें। हमें पुरस्कार सांकेतिक रूप से नहीं देने चाहिए। ईमानदार कोशिश होनी चाहिए ताकि बालवीरों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिले। आमतौर पर इनका संबंध देश के सुदूर इलाकों में रहने वाले निर्धन परिवारों से ही होता है। इन्हें हर संभव प्रोत्साहन की दरकार होती है। यह सब देश के नौनिहाल होते हैं। इनके प्रति ठंडा रुख रखना गलत है। अब तक विभिन्न राज्यों से करीब एक हजार से भी अधिक बच्चों को राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2018 के बाद से भारत सरकार का बाल विकास मंत्रालय स्वयं इन बच्चों का चयन करता है अब यह राष्ट्रीय पुरस्कार वीरता श्रेणी के अतिरिक्त खेल, मनोरंजन, विज्ञान अनुसंधान, आदि अन्य अनेक श्रेणियों में भी बाल प्रतिभाओं को दिए जाने लगे हैं। अब देश में कितने लोगों को याद है कि पहला बालवीर पुरस्कार हरीश मेहरा नाम के बालक को मिला था। अब हरीश मेहरा करीब 80 साल के बुजुर्ग हो गए हैं। वे दिल्ली में ही रहते हैं। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बचाया था। वह तारीख थी दो अक्टूबर,1957। स्थान था दिल्ली का रामलीला मैदान। शाम के सात बजे थे। उस दिन हरीश मेहरा राजधानी के रामलीला मैदान में चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान वालंटियर की ड्यूटी दे रहे थे। वीआईपी मेहमानों के लिए आरक्षित कुर्सियों पर पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, के बाबू जगजीवन राम वगैरह भी उपस्थित थे। तब ही उस शामियाने के ऊपर तेजी से आग की लपटें फैलने लगीं जिधर तमाम नामवर हस्तियां बैठीं थीं। वे तुरंत 20 फीट ऊंचे खंभे के सहारे उस जगह पर चढ़ने लगे जिधर आग लगी थी। उनके पास स्काउट का चाकू भी था। जिधर से आग फैल रही थी, वहां पर पहुंचकर उन्होंने उस बिजली के तार को अपने चाकू से काट डाला। इस सारी प्रक्रिया को अंजाम देने में मात्र पांच मिनट का वक्त लगा। उस शामियाने के नीचे बैठे तमाम आम और खास लोगों ने हरीश मेहरा के अदम्य साहस और सूझबूझ को देखा। पर इस दौरान उनके दोनों हाथ बुरी तरह से झुलस गए। उन्हें राजधानी के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अगले दिन अस्पताल में उनका हालचाल जानने के लिए बाबू जगजीवन राम स्वयं आए। हरीश मेहरा को उनकी इस बहादुरी के लिए बालबीर सम्मान मिला। वे 26 जनवरी,1959 को गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बने। उनसे पहले यह सम्मान किसी को नहीं मिला था। उसके बाद उन्हें किसी ने याद नहीं रखा। वे सारी उम्र एक सरकारी विभाग में क्लर्की करते रहे। यह सारी स्थितियां हमारी व्यवस्था की काहिली को ही दिखाती हैं। 1959 से अब तक कोई बहुत साल गुजरे नहीं हैं कि हम बालवीरों का कोई डाटा न बना सके या उन तक न पहुंच सके। पर लगता यह है कि बालवीरों को 26 जनवरी को सम्मानित करने के बाद हमारे पास उनके लिए कोई योजना नहीं होती। हरीश मेहरा के बाद राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग(राऊज एवेन्यू) पर स्थित सर्वोदय स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र फकीरचंद गुप्ता को भी बालवीर पुरस्कार मिला। उनकी सूझबूझ के चलते एक बड़ा रेल हादसा टल गया। वह फरवरी महीने की 28 तारीख थी और साल था 1959। सुबह स्कूल आते समय फकीरचंद गुप्ता ने रेलवे लाइन के साथ हरकत करते कुछ लोगो को देखा, वे पटरी काट रहे थे। अरे कुछ देर बाद तो इस पटरी पर ट्रेन आने वाली है बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस स्कूल से सटी है रेल लाइन।फकीरचंद को आशंका हुई तो उन्होंने दौड़कर यह जानकारी अपने स्कूल के पास खड़े पुलिस कर्मियों को दी। पुलिस ने आकर उन बदमाशों को पकड़ लिया। जाहिर है, फकीरचंद गुप्ता की वजह से बहुत बड़ी दुर्घटना टल गई। उन्हें भी राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया। वे गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा भी बने।

Social Media Corner

सच के हक में...

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर देशभर के मेरे परिवारजनों को प्रभु श्री राम के जीवन और आदर्शों से जुड़े एक-एक प्रसंग का स्मरण करा रहा है। ऐसा ही एक भावुक प्रसंग शबरी से जुड़ा है। सुनिए, मैथिली ठाकुर जी ने किस तरह से इसे अपने सुमधुर सुरों में पिरोया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब देश का हर तीसरा युवा बेरोजगारी का शिकार है, तब प्रधानमंत्री ने एक बार फिर उनके साथ बड़ा धोखा किया है। इस बार धोखा आम परिवार से आने वाले, 18-18 घंटे मेहनत करने वाले उन छात्रों के साथ है जो छोटे छोटे किराए के कमरों में रह कर बड़े सपने देखते हैं। जहां रेलवे में लाखों पद खाली हैं, वहां 5 वर्षों के इंतजार के बाद मात्र 5696 पदों की भर्ती, प्रतियोगी छात्रों के साथ अन्याय है। रेलवे में भर्तियों को कम करने की नीति आखिर किसके फायदे के लिए बनाई जा रही है? कहां गया हर साल 2 करोड़ नौकरियों का वादा? कहां गया रेलवे का निजीकरण न करने का भरोसा? एक बात बिल्कुल साफ है - मोदी की गारंटी, युवाओं के लिए खतरे की घंटी है। हमें उनके हक, उनके साथ न्याय के लिए आवाज उठानी ही होगी।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ईरान और पाकिस्तान के बीच टकराव

दुनिया के विभिन्न हिस्सों, खासकर पश्चिम एशिया, में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्षों और तनावों के बीच ईरान और पाकिस्तान के बीच टकराव एक चिंताजनक विषय है। बीते मंगलवार को ईरान ने ड्रोन एवं मिसाइलों से पाकिस्तानी सीमा में लगभग 50 किलोमीटर भीतर जैश-ए-अदल नामक एक आतंकी संगठन के दो ठिकानों पर हमले किये। इसे अपनी वायु सीमा का उल्लंघन बताते हुए पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत, जो इन दिनों ईरान में हैं, को वापस आने से मना कर दिया है और अपने राजदूत को भी तेहरान से वापस बुला लिया है। ईरानी हमलों के जवाब में पाकिस्तान ने भी ईरान की एक सीमावर्ती बस्ती पर हमले किये हैं। पाकिस्तान में ठिकाने बनाकर जैश-ए-अदल लंबे समय से ईरान के सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाता रहा है। हालांकि दोनों देश एक-दूसरे पर आतंकी गिरोहों को शरण देने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन यह पहला मौका है, जब आधिकारिक तौर पर दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की है। दोनों देशों के बीच यह टकराव ऐसे समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में इस्राइल-हमास संघर्ष और गाजा में इस्राइल के लगातार हमले से एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध की आशंका गहराती जा रही है। लाल सागर में हूथी समूह की पाबंदी और अमेरिका की सैन्य प्रतिक्रिया के चलते वहां स्थिति अनियंत्रित होती जा रही है। पाकिस्तान द्वारा आतंकी गिरोहों को संरक्षण और समर्थन देने तथा पड़ोसी देशों के विरुद्ध उनका इस्तेमाल करने के कारण उसके संबंध केवल भारत से ही नहीं, बल्कि अफगानिस्तान और अब ईरान से भी बिगड़ चुके हैं। ईरान और पाकिस्तान के संबंध उतने खराब नहीं थे, लेकिन इन हमलों से यह इंगित होता है कि ईरान में पाकिस्तान से संचालित गिरोहों को लेकर क्षोभ गहरा हुआ है और उसकी सहनशक्ति जवाब देने लगी है। ताजा प्रकरण पाकिस्तान के लिए भी चिंता की बात होनी चाहिए। लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को प्रश्रय देने के ठोस आरोप पाकिस्तान पर लगते रहे हैं। आतंकी समूहों को वित्तीय सहायता देने और हथियार मुहैया कराने के लिए तो उसके विरुद्ध आधिकारिक कार्रवाई हो चुकी है। अनेक गिरोह और सरगना ऐसे हैं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र की पाबंदियां हैं, लेकिन वे पाकिस्तान में खुलेआम सक्रिय रहते हैं। पाकिस्तान को आतंक को समर्थन देने की अपनी नीति को छोड़ देना चाहिए। हम देख रहे हैं कि वह भारी आर्थिक संकट में फंसा हुआ है और आम पाकिस्तानियों की जिंदगी बदतर होती जा रही है। मुल्क अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और कुछ देशों के अनुदान पर चल रहा है। साल 2020 में तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा ने कहा था कि देश को भू-आर्थिक नीतियों को अपनाना चाहिए। यही पाकिस्तान के हित में होगा और इससे दक्षिण और मध्य एशिया में शांति एवं स्थिरता को भी बल मिलेगा। पाकिस्तानी सरकार और सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियों से एक देश के रूप में पाकिस्तान तथा वहां की अवाम को भी बड़ा नुकसान हुआ है। वहां कई तरह के आतंकी समूह हैं, जो पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और निर्दोष नागरिकों को भी निशाना बनाते हैं। पाकिस्तान से अलग होने की मांग करने वाले संगठन भी है। इन आतंकियों के संबंध तस्करों, अपराधियों और हवाला ऑपरेटरों से भी होते हैं। बीते दो सालों में वहां बड़ी संख्या में आतंकी हमले हुए हैं। अभी वहां चुनाव होने वाले हैं। आंतरिक राजनीतिक टकरावों के कारण अशांति का माहौल है। ईरानी हमलों के जवाब में उसने जो कार्रवाई की है, उसका खास मतलब नहीं है। यह केवल पाकिस्तानी जनता को दिखाने के लिए किया गया है। पाकिस्तान का दावा है कि इन हमलों में बड़ी संख्या में कथित आतंकी मारे गये हैं, लेकिन ईरान की ओर से कहा गया है कि कुछ लोगों की जान गयी है, जिनमें कोई भी ईरानी नागरिक नहीं था।

नन्हे-मुन्ने नागरिक

महामारी भारत के सबसे छोटे नागरिकों यानी बच्चों पर भारी गुजरी थी, लेकिन इसके असर के सही मायने अब सामने आ रहे हैं। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट असर 2023 : बीयॉन्ड बेसिक्स नाम से बुधवार को जारी की गयी। यह एक सर्वेक्षण है जिसे सिविल सोसाइटी संगठन प्रथम ने 14 से 18 साल के ग्रामीण बच्चों के बीच किया है। इस रिपोर्ट में पाया गया कि इन बच्चों में आधे से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें उस बुनियादी गणित में मुश्किल पेश आयी, जिसमें उन्हें कक्षा 3 या 4 में माहिर हो जाना चाहिए था। चार सालों में पहली बार घरों में जाकर सर्वेक्षण हो पाया। इसे 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया और 34,745 छात्रों की बुनियादी स्तर की पठन व अंकगणितीय क्षमताओं का आकलन किया गया। इसमें कई अन्य निष्कर्ष भी सामने आये हैं। इस आयु वर्ग के 25 फीसदी से ज्यादा बच्चे अपनी मातृभाषा में कक्षा 2 के स्तर के पाठ नहीं पढ़ पाते; हालांकि, लड़के अंकगणित और अंग्रेजी पढ़ पाने के मामले में लड़कियों से बेहतर हैं। कुल मिलाकर, 14-18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में से 86.8 किसी न किसी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं, लेकिन उनके बड़े होने के साथ खामियां उभरने लगती हैं झ 14 साल के 3.9 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित नहीं हैं, लेकिन 18 साल वालों के मामले में यह आंकड़ा 32.6 फीसदी तक पहुंच जाता है। इसके अलावा, कक्षा 11 और उसके ऊपर, ज्यादा छात्र मानविकी को ही चुनते हैं; लेकिन लड़कियों के विज्ञान के वर्ग में नामांकित (28.1%) होने की संभावना लड़कों की तुलना (36.3%) में और भी कम होती है, और व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों को तो महज 5.6 फीसदी लड़कियों ने चुना है। राष्ट्रीय स्तर पर प्राइवेट ट्यूशन का सहारा लेने वाले बच्चों का अनुपात 2018 के 25 फीसदी से बढ़कर 30 फीसदी हो गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आरआईएल का मुनाफा 9.3 फीसदी बढ़ा

- कंपनी की आय 3.9 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपये रही

नई दिल्ली ।

तेल से दूरसंचार तक के कारोबारों करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 9.3 फीसदी बढ़ गया। कंपनी के ऊर्जा कारोबार में जो` गिरावट आई, उसकी भरपाई रिटेल और दूरसंचार कारोबार बढ़ने से हो गई। आरआईएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि कंपनी का न्यू एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स इस साल की दूसरी छमाही में चालू हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में आरआईएल का मुनाफा पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले 9.3 फीसदी बढ़कर 17,265 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की आय 3.9 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपये रही। तिमाही में कर चुकाने के बाद कंपनी का मुनाफा साल भर पहले की तुलना में 10.9 फीसदी बढ़कर 19,641 करोड़ रुपये रहा। मगर इसी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 0.7 फीसदी और आय 2.9 फीसदी घट गया। बहरहाल आरआईएल का प्रदर्शन बाजार के अनुमान से हल्का रहा। एक सर्वेक्षण में 8 विश्लेषकों ने अनुमान लगाया था कि कंपनी की आय 2.32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। आरआईएल ने कहा कि उपभोक्ता कारोबार में निरंतर इजाफे से उसकी आय बढ़ी है। रिलायंस की रिटेल इकाई की आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 74,373 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 23.8 फीसदी अधिक है। दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स की आय 11.3 फीसदी बढ़कर 27,697 करोड़ रुपये रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया कि उसका एबिटा वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 16.7 फीसदी बढ़कर 44,678 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस जियो का संचालन करने वाली कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का मुनाफा 11.6 फीसदी बढ़कर 5,445 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 11.3 फीसदी बढ़कर 27,697 करोड़ रुपये रही। तीसरी तिमाही में रिलायंस जियो की प्रति उपयोगकर्ता औसत आय 181.7 रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 178.2 रुपये थी।

चाय उत्पादन में जैव-कीटनाशकों का उपयोग किया जाए: खाद्य नियामक

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने चाय उत्पादन की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जैव-कीटनाशक का उपयोग करने को कहा। एफएसएसएआई के सीईओ राव ने असम के केलीडेन में आयोजित एक सत्र के दौरान चाय उत्पादकों और चाय बागान मालिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में एफएसएसएआई, चाय बोर्ड, चाय अनुसंधान संस्थान, चाय बागान मालिकों, चाय प्रसंस्करणकर्ताओं, उद्योग संगठनों और राज्य के खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों सहित प्रमुख अंशधारकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

चर्चा का केंद्र बिंदु कच्चे माल का उदगम स्थान और परीक्षण संबंधी उपायों को बढ़ाना, कीटनाशक अवशेषों के लिए प्रत्येक खेप की निगरानी की आवश्यकता पर जोर देना और वर्ष 2011 के खाद्य सुरक्षा और मानक विनियमों (एफएसएसआर) में निर्धारित कीटनाशकों के उपयोग की अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) का पालन करना था।बयान में कहा गया, राव ने जैव-कीटनाशकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया और संयुक्त निरीक्षण, नमूनाकरण और परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए चाय बोर्ड के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया। सत्र के दौरान टी बोर्ड ने बागान मालिकों के बीच जागरूकता अभियानों के महत्व पर जोर दिया ताकि उन्हें सुरक्षित कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए कटाई के अंतराल के रखरखाव के बारे में शिक्षित किया जा सके। बागान मालिकों ने चाय की खेती में अनधिकृत कीटनाशकों के इस्तेमाल पर चिंता जताई और राज्य सरकार से ऐसे पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।

हरियाणा-उप्र को जोड़ने वाली नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर की हो सकती है घोषणा

- नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर परियोजना पर 7,500 करोड़ खर्च होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अगले महीने 1 फरवरी को आगामी अंतरिम बजट प्रस्तुत करेगी` जिसमें हरियाणा और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाली एक नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर परियोजना की घोषणा होने की उम्मीद है।

7,500 करोड़ रुपये की अनुमानित खर्च वाली यह परियोजना दिल्ली के रिठाला से हरियाणा के कुंडली को जोड़ेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जमा कर दी गई है और मंजूरी अंतिम दौर में है। यह परियोजना दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज की परियोजना का छठा और अंतिम कॉरिडोर होगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) का कहना है कि इस फेज में पांच अतिरिक्त कॉरिडोर शामिल हैं। उनमें से जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम, तुगलकाबाद से दिल्ली एयरोसिटी और मजलिस पार्क से मौजपुर वर्तमान में कार्यान्वयन फेज में हैं। बाकी दो कॉरिडोर इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ और लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक हैं।

दिल्ली मेट्रो फेज-4 पर काम दिसंबर 2019 में शुरू हुआ था, लेकिन 2020 में को विड महामारी के कारण बाधित हो गया। डीएमआरसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार इस फेज का पहला खंड जुलाई 2024 तक खुलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, एक छोटा सा 2.5-3 किलोमीटर जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर के चालू होने की उम्मीद है और पूरे मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर को मार्च 2025 तक खोलने की योजना है।

24 दिसंबर को दिल्ली मेट्रो के संचालन के 21 साल पूरे हो गए, इसकी शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में हुई थी। 2002 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रेड लाइन पर शाहदरा से तीस हजारी तक 8.4 किलोमीटर और छह स्टेशनों को कवर करने वाले शुरुआती खंड का उदघाटन किया था।

तब से नेटवर्क में काफी वृद्धि हुई है, जो 393 किलोमीटर की दूरी के साथ 288 स्टेशनों तक पहुंच गया है। पिछले साल 4 सितंबर को 70 लाख लोगों ने मेट्रो का इस्तेमाल किया और एक नया रिकॉर्ड बनाया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.63 अरब डॉलर बढ़ा

- स्वर्ण भंडार 24.2 करोड़ डॉलर कम होकर 47.247 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.63 अरब डॉलर बढ़कर 623.20 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का कुल मुद्रा भंडार 5.89 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर हो गया था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल से वैश्विक गतिविधियों के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की विनिमय दर बनाए रखने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया। इससे मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.859 अरब डॉलर बढ़कर 548.508 अरब डॉलर हो गई। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.96 अरब डॉलर घटकर 546.65 अरब डॉलर रही थी। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आरबीआई के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 24.2 करोड़ डॉलर कम होकर 47.247 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह 29 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान भी स्वर्ण भंडार का मूल्य 83.9 करोड़ डॉलर घटकर 47.48 अरब डॉलर हो गया था। विशेष आहरण अधिकार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.31 अरब डॉलर हो गया। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 6.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.29 अरब डॉलर रहा था। इसी सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.872 अरब डॉलर हो गया। 29 दिसंबर के आरबीआई के डेटा में इसमें भी गिरावट देखने को मिली थी। उस समय आईएमएफ के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 2.6 करोड़ डॉलर घटकर 48.66 अरब डॉलर रह गया था।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शनिवार को विशेष कारोबार हुआ और ये बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी के कारण बाजार में ये तेजी आयी है। आखिरी सत्र में बाजार में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 259.58 अंक करीब 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 71,423.65 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.65 अंक यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 21571.80 के स्तर पर बंद हुआ। कोल इंडिया, अडानी पोर्टस, अडानी इंटरप्राइजेस , कोटक महिन्द्रा और पावर ग्रिड कारपोरेशन निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल, एमएंडएम, टीसीएस इंडसइंड बैंक और एचसीएल टैक्नोलोजीस के शेयर गिरे। इससे पहले गत सत्र में भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। .

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा और आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल रहा। वहीं दूसरी ओर एचयूएल, विप्रो, अल्ट्राटेक, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक के शेयर नुकसान में रहे। एचयूएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दिसंबर तिमाही के परिणामों के बाद दबाव में नजर आये। सुबह के कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 0.18 फीसदी नीचे आकर 2,730 रुपये पर रहा। हालांकि, बाद में कंपनी का शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आया। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का शेयर 2.68 फीसदी नीचे आकर 2,496 रुपये पर रहा। इससे पहले आज सुबह विश्व बाजारों से मिले मजबूत संकेतों की वजह से बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई है। विशेष सत्र में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 250.08 अंक उछलकर 71,933.31, एनएसई निफ्टी 75.80 अंक चढ़कर 21,698.20 अंक पर खुला। शेयर बाजार में आज विशेष कारोबार हुआ।

कोटक बैंक को 3,005 करोड़ का प्रॉफिट

मुंबई ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। तीसरी तिमाही में बैंक की कुल ब्याज आय सालाना आधार पर 5,652.9 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,553.5 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 2,791.9 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,005 करोड़ रुपए हो गया है। बैंक का ग्रॉस एनपीए तिमाही आधार पर 1.72 प्रतिशत से बढ़कर 1.73 प्रतिशत हो गया है। वहीं नेट एनपीएम 0.37 प्रतिशत से घटकर 0.34 प्रतिशत रह गया है। अच्छे रिजल्ट के बाद बैंक के शेयर में 2 से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

रबी सत्र में गेहूं रकबा बढ़ा, दलहन का घटा

नई दिल्ली । गेहूं का कुल रकबा फसल वर्ष 2023-24 जुलाई-जून के चालू रबी सत्र में 340 लाख हेक्टेयर को पार कर गया है। वहीं दलहन का रकबा कम रहा है। हाल ही में जारी किए गए कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अक्टूबर में शुरू हुई रबी की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब शीर्ष तीन राज्य हैं जहां गेहूं खेती के तहत अधिकतम क्षेत्रफल है। मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार चालू रबी सत्र में 19 जनवरी तक 340.08 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हो चुकी है, जबकि एक साल पहले की अवधि में 337.50 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई थी। एक ओर जहां मोटे अनाज और तिलहन का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, वहीं इस रबी सत्र में दाल और धान का रकबा कम रहा। रबी सत्र 2023-24 में दाल की बुवाई 155.13 लाख हेक्टेयर में हुई है, जो पिछले साल 162.66 लाख हेक्टेयर से कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि चना, उड़द और मूंग का रकबा कम रहा। हालांकि, चालू रबी सत्र में अब तक मसूर का रकबा 19.51 लाख हेक्टेयर से अधिक है, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 18.46 लाख हेक्टेयर था। धान का रकबा भी घटकर 28.25 लाख हेक्टेयर रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 29.33 लाख हेक्टेयर था। आंकड़ों के अनुसार चालू रबी सत्र में अब तक मोटे अनाज का कुल क्षेत्रफल 53.83 लाख हेक्टेयर है, जो एक साल पहले की अवधि में 50.77 लाख हेक्टेयर था।

जियो ट्रू 5जी नेटवर्क से जुड़े नौ करोड़ से ज्यादा ग्राहण जुड़े

नई दिल्ली । रिलायंस जियो ने कहा` कि उसके ट्रू 5जी नेटवर्क से नौ करोड़ से ज्यादा ग्राहक जुड़ गए हैं। कंपनी ने कहा कि उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47 करोड़ को पार कर गई है। रिलायंस जियो ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2023 के नतीजे जारी करते हुए कहा कि जियो नेटवर्क पर कुल डेटा खपत 31.5 फीसदी बढ़कर 38.1 अरब जीबी हो गई है। रिलायंस जियो के कुल डेटा ट्रैफिक का करीब एक चौथाई जियो ट्रू 5जी नेटवर्क पर आ गया है। इस हिसाब से नौ अरब जीबी से अधिक का डेटा ट्रैफिक लोड अब जियो का 5जी नेटवर्क संभाल रहा है। कंपनी ने बताया कि रिलायंस जियो पर बात करने का समय भी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ मिनट हो गया है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी का कहना है कि जियो ने दुनिया का सबसे तेजी से 5जी का क्रियान्वयन पूरा कर लिया है और अब यह पूरे भारत में उपलब्ध है। अगली पीढ़ी के नेटवर्क, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और सभी ग्राहक समूहों के लिए विशेष रूप से निर्मित उत्पादों में जियो का निवेश आने वाले वर्षों में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

सेल के 2 बोर्ड मेंबर्स सस्पेंड

नियमों के उल्लंघन के चलते 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया

नई दिल्ली । स्टील मिनिस्ट्री ने सरकारी स्टील कंपनी सेल के 2 बोर्ड मेंबर्स और एनएमडीसी के एक डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। दोनों कंपनियों ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि तीनों को मिसकंडक्ट के चलते सस्पेंड किया गया है। स्टील पीएसयू ने फाइलिंग में कहा कि सेल ने कोड ऑफ कंडक्ट यानी नियमों के उल्लंघन के लिए 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया है। फाइलिंग में बताया गया है कि स्टील मिनिस्ट्री ने 19 जनवरी को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के कमर्शियल डायरेक्टर वीएस चक्रवर्ती और फाइनेंस डायरेक्टर ए.के. तुलसियानी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन दोनों के अलावा मिनिस्ट्री ने एनएमडीसी लिमिटेड के कमर्शियल डायरेक्टर वी. सुरेश को भी तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया है।

लोकपाल के निर्देशों के अनुसार जांच

सेल ने यह भी कहा कि कंपनी के 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिनमें एसके शर्मा, विनोद गुप्ता, अतुल माथुर और आरएम सुरेश शामिल हैं। इसके अलावा सेल ने बताया कि यह मुद्दा लोकपाल के निर्देशों के अनुसार की जा रही कुछ जांचों से संबंधित है। सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने कहा, कंपनी का कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है और इसका कंपनी के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पडने़ वाला है। हम कॉर्पोरेट प्रशासन और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। सेल क्वालिटी और कस्टमर सेटिस्फेक्शन पर फोकस करते हुए इंडस्ट्री में मजबूती से बने हुए है।

जावा 350 मोटरसाइकल भारत में पेश

-कंपनी की नए मॉडल लांच करने की है योजना

नईदिल्ली ।

महंगी बाइक्स बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड से प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्लासिक लीजेंड्स कंपनी ने अपनी जावा 350 मोटरसाइकल पेश की है। इतना ही नहीं, कंपनी ने इस साल कई नए मॉडल उतारने की योजना बनाई है। ये वाहन मौजूदा सेगमेंट (190सीसी-250सीसी) की जरूरत पूरी करेंगे। जावा येजदी के मुख्य कार्याधिकारी आशिष सिंह ने कहा, 'हम अपने डीलरशिप की संख्या मौजूदा 423 से बढ़ाकर अगले ढाई साल में 750 करना चाहते हैं। हमारा जोर मौजूदा क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाने तथा नए बाजारों में पहुचने पर रहेगा। उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले प्रदेशों पर ध्यान केंद्रित कर दक्षिण और पश्चिम क्षेत्रों में बड़े अवसरों की पहचान की गई है।' पिछले वर्ष जनवरी में निर्यात शुरू करने वाली क्लासिक लीजेंड्स मौजूदा समय में एशियाई बाजारों पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और इसकी शुरुआत उसने फिलीपींस के साथ की है। इसके अलावा, वह आने वाले वर्षों में जापान, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी अवसर तलाश रही है। उन्होंने कहा, 'हम ब्रिटेन में एक तकनीकी उन्नयन कंसोर्टियम की मदद से इलेक्ट्रिक मॉडल तैयार कर रहे हैं। कंपनी अनुकूल बाजार हालात का सतर्कता के साथ इंतजार कर रही है, जिसके तहत इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल पेश करने से पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास एवं उपभोक्ताओं की दिलचस्पी का आकलन शामिल है। भले ही इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप मौजूद है, हम परिस्थितियां अनुकूल होने पर बाजार में प्रवेश करने में सतर्कता बरतते हैं।'

बीएसए ब्रांड के संबंध में, क्लासिक लीजेंड्स ने बैंकरों के साथ चल रही बातचीत और बाजार में प्रवेश करने की योजनाओं को साझा किया है। बता दें कि जावा और येजदी ब्रांडों की मालिक क्लासिक लीजेंड्स कायाकल्प योजना पर काम कर रही है। कंपनी भारत में अपने डीलरशिप की संख्या दोगुनी करने, ज्यादा मॉडल पेश करने से लेकर एशियाई बाजारों के लिए निर्यात पर ध्यान बढ़ाना चाहती है।

दिसंबर में बाजार में आएगा भारत में बना पहला सेमीकंडक्टर चिप: वैष्णव

नई दिल्ली ।

संचार, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में बना पहला मजबूत सेमीकंडक्टर चिप दिसंबर तक बाजार में आ जाएगा। उन्होंने पूरे परिवेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कम समय में देश में एक बहुत मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से पहले मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनवरी 2022 में एक सेमीकंडक्टर नीति शुरू की थी। जब उन्होंने यहां उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी तब वे सभी इस बात से हैरान थे कि इतने कम समय में ऐसा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन सभी ने नीति तथा इस तथ्य की सराहना की कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा एक व्यापक परिवेश बनाने पर जोर दिया है क्योंकि कई देशों के पास इस तरह की नीति नहीं है और इसलिए उन्हें ऐसी सफलता नहीं मिल सकी। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा एक ऐसा परिवेश विकसित करने पर ध्यान

केंद्रित किया है जहां प्रतिभा पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि 104 विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पहले से ही मौजूद हैं, उनके पाठ्यक्रम को संशोधित किया जा रहा है, एक अलग निवेश योजना के साथ डिजाइन पर अधिक ध्यान दिया गया है। कई डिजाइन कंपनियों को इससे फायदा मिला है और वे धीरे-धीरे मूल्य श्रृंखला में आगे आ रही हैं। इन सभी को दुनिया भर की कंपनियों से काफी सराहना मिल रही है।

हुंडई ने जनरल मोटर्स का तलेगांव संयंत्र का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) ने कहा कि उसने महाराष्ट्र में जनरल मोटर्स इंडिया के तलेगांव संयंत्र की परिसंपत्तियों का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने राज्य में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश की भी योजना बनाई है। दक्षिण कोरियाई कार निर्माता ने उस रा शि का खुलासा नहीं किया है जो वह इस संयंत्र को खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी को भुगतान करेगी। मारुति सुजूकी इंडिया के बाद भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता एचएमआईएल ने शुरू में तलेगांव संयंत्र में परिसंपत्तियों की संभावित खरीदारी के लिए जनरल मोटर्स के साथ समझौता किया था। तलेगांव में निर्माण इकाई बंद करने के लिए जनरल मोटर्स इंडिया की राह आसान करते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने जनरल मोटर्स कर्मचारी यूनियन की दो याचिकाओं को इस महीने के शुरू में ही निपटारा कर दिया था। यूनियन ने संयंत्र बंद करने के लिए जनरल मोटर्स को अनुमति देने के संबंध में औद्योगिक न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायालय ने औद्योगिक न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2021-22 तक 9656.87 करोड़ रुपये के कुल घाटे को ध्यान में रखते हुए जनरल मोटर्स को संयंत्र बंद करने की अनुमति दी गई थी।

हिंदुस्तान जिंक का मुनाफा घटकर 2,028 करोड़ रहा

नई दिल्ली । हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का मुनाफा दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के दौरान छह प्रतिशत कम होकर 2,028 करोड़ रुपये रहा। इसका मुख्य कारण आय का कम होना गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान उसने 2,156 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी का लाभ तिमाही आधार पर जुलाई-सितंबर तिमाही के 1,729 करोड़ रुपये के मुकाबले 17 फीसदी बढ़ा। आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय एक साल पहले के 8,214 करोड़ रुपये से घटकर 7,606 करोड़ रुपये रह गई। इसका खर्च 4,937 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,028 करोड़ रुपये था।

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

कुदरत के अचंभे, जिनके पीछे है जादुई इंजीनियरिंग!

आप सोचते हैं कि सिर्फ कलाकारी और शिल्पकारी करना इंसान ही जानता है, लेकिन इंसान यह जानते हुए भी भूल जाता है कि वो खुद इस कुदरत इस कायनात द्वारा निर्मित किया हुआ एक शिल्प है और इससे अद्भुत और क्या हो सकता है, जब यह कुदरत हमारे जैसा चलने-फिरने, क्रिएशन करने वाला, ईर्ष्या-द्वेष रखने वाला नमूना बना सकती है। तो इस कुदरत के आगोश में कुछ बेहतरीन कलाकृतियां क्यों नहीं हो सकतीं। कुछ ही नहीं इनकी संख्या अरबों-खरबों में है। बस जरूरत है इन्हें ढूंढने की और इसके लिए निकलना होगा हमें कांक्रीट के जंगलों से और जाना होगा प्रकृति की गोद में। जी हां जब आप यहां जाने का प्रयास करेंगे, तो आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी और आप वाकई बोल उठेंगे कि यह कौन चित्रकार है।

चिली की मार्बल केव

चिली की संगमरमर की ये गुफाएं इस तरह निर्मित हैं कि कोई इंसान भी इनमें अपनी क्या इंजीनियरिंग लगाएगा, वो इस कुदरत के करिश्मे के आगे पानी-पानी हो जाएगा। केररेरा लेक में है यह खूबसूरत कुदरत की कारीगरी। यह लेक अर्जेंटीना और चिली की सीमा पर है। यहां तीन गुफाएं हैं ऐसी, जिनमें द चेपल, द केथेडरल और केव प्रमुख हैं। छोटी वोट से विजिटर यहां आते हैं। इस लेक का पानी ठंडा, शांत और कांच की तरह स्वच्छ है। लेकिन यहां भी इंसान अपनी धमक देने की योजना बना रहा है और इसको खतरा है यहां बनने वाले डेम से जिसकी योजना चल रही है।

लेक रेतवा या लेक रोज

केप वर्ट पेनिनसुला, सेनेगल में है ये लेक। इसका गुलाबी पनी यहां आने वालों के लिए रोमांच का कारण। इसका गुलाबी रंग डुनेलिएला सेलिना नामग एलगी के कारण होता है, जो पानी में लाल रंग का एक पिगमेंट पैदा करती है और ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करती है और पानी को गुलाबी बना देती है। लोगों को यह खून की नदी होने का भ्रम भी दे सकती है। ऊष्म मौसम में खासतौर पर यह रंग साफ दिखाई देता है। यह लेक अपने बहुत ज्यादा नमकीन पानी के लिए भी ख्याति रखती है। इस लेक में छोटी सी साल्ट इंडस्ट्री भी संचालित की गई है। इसे वर्ल्ड हेरिटेज संस्था द्वारा विश्व धरोहर की फेहरिस्त में भी स्थान दिए जाने पर विचार चल रहा है।

सालार डी इयूनि

यह दुनिया की सबसे बड़ी साल्ट फ्लेट कही जाती है और 10,582 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र में फैला है अद्भुत नजारा। यह जगह बोलिविया में है। कई प्राचीन नदियों के संगम और उनकी प्राकृतिक क्रियाओं से इसका निर्माण हुआ है। कई मीटर तक इसका नमक इस तरह से जमा है और इतना चिकना है कि आप उसमें अपनी सूरत भी आईने की तरह देख सकते हैं और गजब की फिसलन है उसपर। यहां जो नमक है उसमें लीथियम की प्रचुर मात्रा मौजूद है। यहां पिंक फ्लेमिंगो ब्रीडिंग के लिए भी आते हैं और ये अद्भुत नजारे यहां आने वाले सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होते हैं।

बुलबोउस रॉक्स इजिप्ट

इजिप्ट की बुलबोउस रॉक्स अपने अमेजिंग शेप्स और साइज के कारण दुनियाभर में चर्चित हैं। पश्चिमी इजिप्ट में यह जगह फाराफ्रा टॉउन से 28 मील की दूरी पर स्थित है। मशरूम का एक बड़ा गुच्छा भी यहां है और यहां आधागले बर्फ की आदमीनुमा संरचनाएं भी कौतुहल का केंद्र हैं। कहा जाता है कि जब प्राचीन सागर सूखा होगा, तो सूखी हुई परतें इस तरह टूटी होंगी और ताकतवर रेतीले तूफानों ने मजबूत चट्टानों को तोडक़र इस तरह की विचित्र आकृतियां बनाई होंगी।

सेलिंग स्टोन, डेथ वेली

किसी ने भी इस तरह किसी पत्थर को तैरते हुए नहीं देखा होगा। डेथ वेली के रेस ट्रेक पर आप इसे देख सकते हैं और इसके पीछे बना निशान इस बात का सबूत है कि यह पत्थर तैरा कभी अवश्य ही तैरा होगा। विशेषज्ञ खुद हैरत में है कि चट्टान जिसका वजन 100 पाउंड से भी कहीं ज्यादा है, वह इस तरह कैसे तैर सकती है। ऐसा कहा जाता है कि जब चट्टाने गीली और बर्फीली होती थीं तब तेज हवाएं उन्हें खींचती थीं और यह नजारा उसी का नतीजा है और 700 फीट लंबा यह निशान वाकई यहां आने वाले सैलानियों को हैरत में डाल सकता है।

ट्रेवरटाइन पूल्स पामुककेले, टर्की

जिस तरह से हमारे यहां भी कई नदियां और जलाश इसलिए प्रसिद्ध हैं कि उनमें स्नान करने से रोग का उपचार हो जाता है। ठीक इसी तरह यहां की मान्यता है कि इस जगह नहाने से कई रोगों खासकर चर्म रोगों से मुक्ति मिल जाती है। टर्की में है यह और इसके पानी में कार्बोनेट की प्रचुरता है। यहां 17 गर्म पानी के चश्मे हैं, जिनका पानी हमेशा गर्म और औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है।

एसबिरगी केनयान

एसबिरगी केनयान आइलैंड के उत्तर में स्थित है और हुसेविक के पूर्व में मात्र 50 मिनट की ड्राइविंग कर यहां पहुंचा जा सकता है। यहां की घोड़े की नाल या कह लें पैर नुमा एक कुदरती रचना वाकई यहां आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जो वेटनाजोकुल नेशनल पार्क का हिस्सा है और 3.5 कि.मी. क्षेत्र में फैला है। इसके बीच में 25 मीटर ऊंची एक चट्टान भी है जिसे आइजेन कहा जाता है। इसके ऊपर से सैलानी यहां का बेहतरीन नजरा लेते हैं।

यह कुदरती करिश्मा बना है केटास्ट्राफिक गलेशियल फ्लूडिंग से निर्मित हुई है और इसे 8-10,000 साल पूर्व का प्राकृतिक निर्माण माना जाता है। यहां के अद्भुत नजारे के लिए दुनियाभर से सैलानी आते रहते हैं। यहां के रहस्य और रोमांच से जुड़ी और भी कई सारी कहानियां हैं।

भारत का अनूठा मोम संग्रहालय

एक ऐसा गांव जहां किसान हल और बैल के साथ खड़े मिलेंगे। गांव की औरतें कुएं में पानी भरने जाती हुई दिखेंगी। बच्चे पेड़ के नीचे गुरु कुल शैली में पढ़ाई कर रहे हैं, किसान खेत में भोजन कर रहे हैं और आस-पास पशु चारा चर रहे हैं। गांव के घरों का घर-आंगन और विभिन्न कार्य करते लोग, लेकिन सब कुछ स्थिर.. ठहरा हुआ फिर भी एकदम सजीव और जीवंत।

यह किसी भारतीय गांव का नजारा हो सकता है, पर जिस नजारे की बात हम यहां कर रहे हैं, वह एक ऐसे अनूठे संग्रहालय का नजारा है, जो लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय का भारतीय ग्रामीण संस्करण भी कहा जा सकता है। महाराष्ट्र में कोल्हापुर को न सिर्फ दक्षिण की 'काशी,' बल्कि महालक्ष्मी के आवास के रूप में भी जाना जाता है। कोल्हापुर से केवल दस किलोमीटर की दूरी पर एक छोटा-सा शांत गांव है- कनेरी, जहां पर बना है देश के प्राचीनतम मठों में गिना जाने वाला 'सिद्धगिरी मठ।' सिद्धगिरी मठ भारत का एक मात्र मोम संग्राहलय है, जिसकी नींव जुलाई 2007 में रखी गयी थी। इस संग्रहालय की स्थापना करने वाले 'सिद्धगिरि गुरु कुल ट्रस्ट' के प्रमुख अदृश्य कधिसद्धेश्वर स्वामी जी हैं। आठ एकड़ के खुले क्षेत्र में फैली यह जगह गांव की दुनिया की झलक दिखलाती है। आज पूरे देश में यह अपने आप में इकलौता और अनूठा म्यूजियम कहलाता है। इस संग्रहालय में बड़े-बड़े हीरो-हीरोइन की मूर्तियां नहीं बल्कि भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वालों की जिंदगी की छवियों को मूतिर्यो में समेटने की कोशिश की गयी है। इस संग्रहालय की स्थापना लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय से प्रेरित होकर जरूर ली गई है, लेकिन यह संग्रहालय महात्मा गांधी की विचारधारा से प्रभावित है। गांधीजी हर गांव को आत्मनिर्भर देखना चाहते थे। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अहम स्थान दिलाना चाहते थे। यह संग्रहालय भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्ता को दर्शाता है। इस संग्रहालय की इन तसवीरों के जरिये हम यहां आपको दिखा रहे हैं ग्रामीण जीवन के विभिन्न दृश्य। इसमें कहीं खेती-बाड़ी है तो कहीं हंसी-ठिठोली करती महिलाओं की झलक! संग्रहालय में कई प्राचीन संतों की मूर्तियां हैं। उदाहरण के लिए एक पेड़ के नीचे महर्षि पतंजलि को प्राचीन शैली में कक्षा लेते दिखाया गया है। कुछ ही मीटर की दूरी पर महर्षि कश्यप को एक रोगी का इलाज करते दिखाया गया है। यहां महर्षि कणाद को वैज्ञानिक शोध में लीन देखा जा सकता है, वहीं महर्षि वराहमिहिर ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया से अपने शिष्यों को अवगत कराते नजर आते हैं। ईंट, पत्थरों से निर्मित इस संग्रहालय में प्रतिमाओं का निर्माण सीमेंट से किया गया है। इसके लिए करीब 80 कुशल मूर्तिकारों की सेवा ली गयी है। इसके प्रबंधक इसे खुला प्रदर्शन परिसर कहना पसंद करते हैं, जहां की मूर्तियां बारिश, गर्मी आदि को डोलने के बावजूद अपनी चमक बनाई हुई हैं।

1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से पहुंचा अयोध्या, प्रतिमा को लेकर जांच की मांग

अयोध्या । अयोध्या में जहां अनुष्ठान के पांचवे दिन 1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से बनकर पहुंच गया है, वहीं रामलला की प्रतिमा को लेकर जांच की मांग की जा रही है। दरअसल जिस प्रतिमा का चित्र वायरल हुआ है, उसमें आंखों पर पट्टी नहीं है, लेकिन मंदिर में अभी प्रतिमा का अनावरण ही नहीं हुआ है, ऐसे में यह तस्वीर कैसे वायरल हो रही है। भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए हैदराबाद से 1265 किलो का लड्डू का प्रसाद अयोध्या पहुंचा है। इस लड्डू को तैयार करने वाले श्रीराम केटरिंग सर्विस के एन नागाभूषणम ने कहा कि भगवान ने मेरे परिवार और व्यापार को आशीर्वाद दिया है। मैंने प्रतिज्ञा की थी कि जब तक मैं जीवित हूं, प्रत्येक दिन एक किलो लड्डू बनाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं भोजन प्रमाणपत्र भी लाया हूं। ये लड्डू एक महीने तक चल सकते हैं। 25 लोगों ने 3 दिन तक लड्डू तैयार किए। मिली जानकारी के मुताबिक भव्य राम मंदिर में 7 दिनों तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठान का आज 5वां दिन है। राम मंदिर गर्भग्रह में रामलला की मूर्ति को बुधवार को स्थापित कर दिया गया।

रामलला प्रतिमा को लेकर भी जांच की मांग उठ रही है। दरअसल बीते शुक्रवार 19 जनवरी से ही रामलला की प्रतिमा की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वायरल तस्वीर में रामलला की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है। इसके अलावा जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं उसमें प्रतिमा की आंखों पर पट्टी नहीं बंधी है। इसे लेकर ही जांच की मांग की जा रही है। इस बात को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने से पहले भगवान राम की मूर्ति की आंखें नहीं खोली जा सकतीं। जिस मूर्ति में भगवान राम की आंखें दिखाई दे रही है, वह असली मूर्ति नहीं है। वहीं लोगों का कहना है ?कि अगर आंखें देखी जा सकती हैं तो आंखें किसने दिखाईं और मूर्ति की तस्वीरें कैसे वायरल होने की भी जांच होनी चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी से शुरु होगी

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी को अटारी में भारत-पाक सीमा से शुरू होकर एक महीने के दौरान राज्य के 43 इलाकों को कवर करेगी। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल अकाल तख्त साहिब पर माथा टेकने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यात्रा की अगुवाई करने वाले हैं। पार्टी मुख्यालय में शिअद के सीनियर नेता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों को उजागर करेगी और राज्य के विकास में लगातार अकाली सरकारों का योगदान भी प्रदर्शित करेगी। उन्होंने कहा, पिछली कांग्रेस और वर्तमान आप सरकार दोनों ने विकास, रोजगार, किसानों, व्यापारियों और समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति में सुधार करने में नाकाम रहने के अलावा सभी वादों से मुकर कर पंजाबियों को धोखा दिया है। 1 फरवरी को अटारी और राजा सांसी, 2 फरवरी को अजनाला और मजीठिया, 5 फरवरी को अमृतसर शहर के 5 इलाके, 6 फरवरी को जंडियाला गुरु और बाबा बकाला, 7 फरवरी को खडूर साहिब और तरनतारन, 8 फरवरी को पट्टी और खेमकरण, 9 फरवरी ज़ीरा और फिरोजपुर शहर, 12 फरवरी को फिरोजपुर ग्रामीण और फरीदकोट, 13 फरवरी कोटकपुरा और जैतों, 14 फरवरी को गिद्दड़बाहा और मुक्तसर, 15 फरवरी को गुरुहरसहाय और जलालाबाद, 16 फरवरी को फाजिल्का और अबोहर, 19 फरवरी को बल्लुआणा और मलोट, 20 फरवरी को लंबी और बठिंडा ग्रामीण, 21 फरवरी को भूच्चों मंडी और बठिंडा शहरी, 22 फरवरी को बाघापुराना और निहालसिंह वालां, 23 फरवरी को धर्मकोट और मोगा, 26 फरवरी को रामपुरा और मौड़ मंडी, 27 फरवरी को बुढ़लाडा और मानसा, 28 फरवरी को सर्दुलगढ़ और तलवंडी साबो में जाकर खत्म होगी।

ईडी ने सटोरिया लोकेश की आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली । मध्यप्रदेश से इनदिनों बड़ी खबर सामने आई है। इंदौर सहित भोपाल और महू जिले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने ऑनलाइन सटोरिया की लगभग आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है। महू के सटोरियों लोकेश ऊर्फ राजा वर्मा पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। आठ करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। ईडी ने इंदौर, महू और भोपाल के 10 से अधिक मकान और बैंक खातों को सील किया है। बताया जाता है कि ऑनलाइन सट्टा खिलाकर करोड़ों की अवैध संपत्ति बनाई थी। बीते 27 अक्टूबर को लोकेश के ठिकानों पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की थी। उसके बाद शनिवार को संपत्ति कुर्क की कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। ईडी की कार्रवाई से शहर में हड़कंप की स्थिति है। ईडी के मुताबिक, यह व्यक्ति मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। ईडी ने कहा कि लोकेश वर्मा उर्फ राजा वर्मा की दस अचल संपत्तियों और 5 बैंक खातों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य 8.89 करोड़ रुपये है। एजेंसी ने कहा कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप जैसे 'धनगेम्स' और 'सट्टा मटका' मध्य प्रदेश, कर्नाटक और देश के अन्य हिस्सों में लोगों को ''लुभाने'' के लिए संचालित किए जा रहे थे।

घाटी में नहीं हुई बर्फबारी, भीषण गर्मी को लेकर दहशत में लोग

श्रीनगर । भले ही कठोर सर्दी की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां कहा जाता है, शनिवार से कम समय में समाप्त हो रही है, लेकिन कश्मीरी बर्फ रहित सर्दी से डरे हुए हैं जो गर्मियों के महीनों में आपदा का कारण बनेगी। मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा, हम 26 जनवरी से अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन अभी तक, जम्मू-कश्मीर के पास कोई बड़ा पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया है। श्रीनगर में शनिवार को न्यूनतम तापमान माइनस 3.7, गुलमर्ग में माइनस 4.6 और पहलगाम में माइनस 5.5 रहा। जबकि लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 13, कारगिल में माइनस 10.8 और द्रास में माइनस 12.8 रहा। जम्मू शहर में रात का न्यूनतम तापमान 5.9, कटरा में 4.6, बटोत में 1.9, भद्रवाह में माइनस 0.4 और बनिहाल में माइनस 1.4 रहा।

कुत्ते के आतंक से परेशान दिल्लीवासी, दादा की गोद से मासूम को छीन लिया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के रिहायशी इलाकों में इन दिनों कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। यहां एक दादा की गोद से मासूम को छीन कर नोचने की खबर ने सभी को विचलित कर दिया है। बता दें कि एक हफ्ते में दिल्ली से कुत्ते के काटने का दूसरा मामला सामने आया है। ताजा मामला बुराड़ी इलाके का है, जहां एक पिटबुल प्रजाति के कुत्ते ने डेढ़ साल की एक बच्ची को दादा की गोद से छीनकर बुरी तरह से काट लिया। बच्ची के पैर में तीन जगह फ्रैक्चर हुए हैं। साथ ही कई जगहों पर टांके भी लगाए गए हैं। वह तो गनीमत रही कि कि कुछ लोग वहां मौजूद थे। जिन्होंने बड़ी मुश्किल से बच्ची को कुत्ते के जबड़े से छुड़ाया। बुराड़ी इलाके की उत्तराखंड कॉलोनी में घटी इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना 2 जनवरी की है, पिटबुल के जानलेवा हमले में बच्ची बुरी तरह से घायल हो गई। वो 17 दिनों तक अस्पताल में रही हैं। इस घटना के बाद से इलाके के लोग दहशत के माहौल में हैं। परिजनों ने इस मामले की जानकारी बुराड़ी थाना पुलिस को भी दी हैं। सीसीटीवी फुटेज भी दिखाया गया, बावजूद इसके पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें मामला दर्ज कराने की बजाय कंप्रोमाइज करने के लिए दबाव बनाया। अभी तक इस बाबत ना तो पिटबुल कुत्ते को यहां से हटाया गया और ना ही उसके मालिक पर पु ?लिस द्वारा कोई कार्रवाई की गई। जबकि इससे पहले 16 जनवरी को रोहिणी के सेक्टर-25 इलाके में पड़ोसी के कुत्ते ने सात वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया। इस घटना में बच्ची को 15 से अधिक जगहों पर चोटें आईं। घटना नौ जनवरी को उस वक्त हुई जब एक अमेरिकन बुली नस्ल के कुत्ते ने कथित तौर पर बच्ची पर हमला कर दिया। घटना के वक्त बच्ची अपनी हाउसिंग सोसायटी के अंदर दोस्तों के साथ खेल रही थी। पशु अधिकार समूह पेटा ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कुत्तों की पिटबुल और इसी तरह की अन्य नस्लों के पालने पर रोक लगाने की मांग की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन साल में नक्सलवाद से मुक्त होगा देश : शाह

तेजपुर(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा तेजपुर में एसएसबी परिसर में सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस में शामिल हुए। इस मौके पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 9 वर्षों में सभी सीएपीएफ, चाहे वह सीआरपीएफ हो या सीमा पर तैनात अन्य सभी संगठनों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन युद्ध के बाद 1963 में एसएसबी की स्थापना हुई और अटल जी ने जब वन बॉर्डर वन फोर्स की नीति लागू की, तब से एसएसबी बल 2001 से भारत-नेपाल सीमा और 2004 से भारत-भूटान सीमा की कर्तव्यनिष्ठा से रक्षा कर रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश अगले तीन साल में नक्सलवाद की समस्या से मुक्त होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अगले तीन वर्षों में देश नक्सलवाद की समस्या से पूरी तरह छुटकारा पा लेगा। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एसएसबी की बहादुरी की सराहना कर शाह ने कहा कि सीआरपीएफ और बीएसएफ के साथ मिलकर एसएसबी ने नक्सली आंदोलन को खत्म कर दिया है।

शाह ने कहा कि मित्र देशों नेपाल और भूटान की सीमा की रक्षा के साथ-साथ एसएसबी ने छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं जब भी इन इलाकों में नक्सल ऑपरेशन की समीक्षा के लिए गया हूं, तब आपकी बहादुरी के बारे में सुना है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने में एसएसबी की भूमिका पर शाह ने कहा जम्मू-कश्मीर में एसएसबी ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के साथ मिलकर आतंकवादियों के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस के मौके पर आज भारत सरकार ने एक डाक टिकट भी जारी किया। यह एसएसबी की कर्तव्य निष्ठा को देश के लोगों के सामने सदैव जीवित रखेगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) समेत सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और अन्य संगठनों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को आप ने किया खारिज, बढ़ेगी खरीद-फरोख्त की बुराइयां

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा का विरोध कर कहा है, कि एक साथ चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार को नुकसान पहुंचाएंगे, क्योंकि इससे सक्रिय रूप से दल-बदल विरोधी और विधायकों और सांसदों की खुली खरीद-फरोख्त की बुराइयों को बढ़ावा देगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव नितेन चंद्रा को लिखे पत्र में, आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि ओएनओई के कार्यान्वयन के साथ, संघ स्तर पर सत्तारूढ़ पार्टी को क्षेत्रीय पार्टियों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाली अन्य पार्टियों पर अनुचित लाभ मिलता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार, संविधान की मूल संरचना और देश की संघीय राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा। आप ने कहा है कि संकीर्ण वित्तीय लाभ और प्रशासनिक सुविधा के लिए संविधान और लोकतंत्र के सिद्धांतों का बलिदान नहीं किया जा सकता है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जो लागत बचाने की कोशिश की जा रही है, वह भारत सरकार के वार्षिक बजट का मात्र 0.1 प्रतिशत है। आप नेता गुप्ता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से भारतीय बहुदलीय प्रणाली पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा, जहां कई पार्टियां उन लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए उभरी हैं जो मुख्यधारा से दूर थे। उन्होंने कहा कि आप का मानना है कि ओएनओई राष्ट्रीय एजेंडे के लिए खतरा है और बदले में, संघ स्तर पर शासन करने वाली पार्टी को क्षेत्रीय दलों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाले अन्य दलों पर अनुचित लाभ मिलता है।

अयोध्या राम मंदिर निर्माण में एक पैसा भी सरकार ने नहीं लगाया : सीएम योगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है ?कि अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में सरकार का एक पैसा भी नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में जो कुछ भी लगा वो रामभक्तों ने ही दिया है। बता दें कि इस समय पूरा देश भगवान राम की भक्ती में डूब चुका है। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर में सरकार ने कितना चंदा दिया है, इसे लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि राम मंदिर निर्माण के लिए धनराशी कहां से आई है। सीएम योगी आदित्यानाथ ने अपने एक इंटरव्यू का वीडियो अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया है। इस वीडियो में सीएम योगी कह रहे हैं कि 'कारसेवकों ने बलिदान दिया। इसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शन था, विश्व हिंदू परिषद का नेतृत्व था और पूज्य संतों का आशीर्वाद था। उस आंदोलन से रामजन्मभूमि में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें एक पाई भी सरकार ने नहीं दिया है। एक पैसा ना केंद्र की सरकार ने ही दिया और ना ही राज्य की सरकार ने लगया।

सीएम योगी ने कहा कि ये सारा का सारा पैसा रामभक्तों ने देश भर से दिया है, दुनिया भर से दिया गया है।' उन्होंने बताया कि सरकार राम मंदिर के बाहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे रेलवे स्टेशन का काम, एयरपोर्ट का निर्माण, गेस्ट हाउस बनाने का काम, क्रूज सेवा, सड़क का चौड़ीकरण, पार्किंग की सुविधा जैसे कामों पर पैसा खर्च कर रही है।' उन्होंने कहा कि 'ये सब काम सरकार की पॉलिसी के तहत हो रहा है।' गौरतलब है कि देशभर से राम मंदिर को लोग दिल खोल कर चंदा दे रहे हैं। मंदिर में भी खूब चढ़ावा आ रहा है। यहां रोजाना तीन से चार लाख रुपए दान में आ रहा है। पूरे महीने में यह रकम डेढ़ से दो करोड़ रुपए तक पहुंच रही है। जब?कि ऑनलाइन दान का अभी तक कोई हिसाब किताब नहीं किया गया है।

नीतिश ने बनाई जदयू की नई टीम, ललन सिंह के करीबियों को किया बाहर

पटना(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड का अध्यक्ष बनने के बाद अपनी नई टीम बनाई है। इसमें ललन सिंह के करीबियों की टीम की छुट्टी कर दी गई है। कई नाम हैं सूची में नहीं हैं, जिन्हें ललन ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में बड़ी जिम्मेदारी दी थी।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश ने जिन पार्टी पदाधिकारियों नियुक्ति की है, इसमें वशिष्ठ नारायण सिंह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। के सी त्यागी राजनीतिक सलाहकार और प्रवक्ता बने हैं। गोपालगंज के सांसद आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष बने हैं।

साथ ही जदयू के नए राष्ट्रीय महासचिवों की सूची भी जारी की गई है। इनमें रामनाथ ठाकुर, मंगनी लाल मंडल, संजय झा, मोहम्मद अली अशरफ फातमी, आफाक अहमद, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, रामसेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, इंजीनियर सुनील कुमार और पूर्व विधायक राजीव रंजन का नाम शामिल हैं। राजीव रंजन पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया हैं।

बता दें कि ललन के करीबी हर्षवर्धन सिंह को बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा रामप्रीत मंडल, गिरधारी यादव, संतोष कुशवाहा, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, दसई चौधरी, मोहम्मद गुलाम रसूल वालियावी, विजय कुमार मांझी, रामकुमार शर्मा, धनंजय सिंह और कमर आलम राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटा दिया गया है।

बता दें कि पिछली बार ललन के कार्यकाल में जेडीयू के 22 राष्ट्रीय महासचिव थे, लेकिन इस बार केवल 10 महासचिव बनाए गए हैं। राष्ट्रीय सचिवों के नाम भी जारी किए गए हैं। इसमें विद्या सागर निषाद, राजीव रंजन प्रसाद, अनूप पटेल, दयानंद राय, संजय कुमार, मो. निसार का नाम शामिल है।

हेमा मालिनी ने दी प्रस्तुति, तस्वीरें वायरल

अयोध्या (एजेंसी)। इन दिनो पूरा देश राममय है। जगह जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। हिंदी सिनेमा की अदाकारा हेमा मालिनी ने अयोध्या पहुंचकर मां सीता का रूप धारण कर खूबसूरत प्रस्तुति दी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में रामायण का आयोजन हुआ। ये आयोजन रामभद्राचार्य के 75वें जन्मदिन के मौके पर हुआ, जिसमें हेमा मालिनी मां सीता बनीं। इसकी तस्वीरें हेमा मालिनी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए खुशी जाहिर की है। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, ÷तुलसी पीठाधीश्वर (चित्रकूट जगत गुरु) श्री रामभद्राचार्य जी ने 17 जनवरी को अपना 75वां जन्मदिन अमृत महोत्सव के रूप में अयोध्या में मनाया। मुझे रामायण करने का सौभाग्य मिला, जिसमें मैंने राम की सीता की भूमिका निभाई।÷ हेमा मालिनी ने बताया था कि वह पहली बार अयोध्या आई हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था, ÷राम की नगरी में पहुंची हूं और इसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली समझती हूं।

हेमा मालिनी एक बेहतरीन क्लासिकल डांसर हैं और वह अक्सर अपने हुनर का प्रमाण देती रहती हैं। लेकिन पहली बार उन्होंने रामायण का ये अहम किरदार निभाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।गौरतलब है कि इससे पहले हेमा मालिनी ने इससे पहले नवंबर 2023 में मथुरा में मीराबाई के 525वें जन्मोस्तव में भी परफॉर्म किया था। उन्होंने मीराबाई पर आधारित नाटक में हिस्सा लेकर उस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। दो दिन में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है और हेमा मालिनी ही नहीं फिल्म जगत के तमाम सितारे इस मौके पर वहां पहुंचने वाले हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर माधुरी दीक्षित समेत कई एक्टर्स को इसका न्योता मिला है।

दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना होगा कि एंटीबायोटिक दवा क्यों लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश की सेहत और तमाम अनुसंधानों के बाद निर्णय लिया है कि एंटीबायोटिक दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना चाहिए इसकी जरुरत क्या है,और क्यों इसे दिया जा रहा है। इसके साथ ही बीमारी के लक्षण भी डॉक्टर को बताना होंगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे इसमें सहयोग करें और मरीजों इससे जुड़ी जानकारी दें। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने सभी दवा विक्रेताओं से औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमों की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करने और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना पर्चे के होने वाली बिक्री बंद करने और उन्हें केवल योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचने की अपील की है।गोयल ने एक जनवरी को लिखे पत्र में कहा कि एंटीमाइक्रोबियल (रोगाणुरोधी) दवाओं का दुरुपयोग और अति प्रयोग दवा प्रतिरोधी रोगजनकों के विकास में मुख्य कारकों में से एक है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान के साथ कुछ नई एंटीबायोटिक दवाओं के आने के साथ, विवेकपूर्ण तरीके से एंटीबायोटिक का इस्तेमाल प्रतिरोध को रोकने या देरी करने में एकमात्र विकल्प है।

चिकित्सा कालेजों के सभी डाक्टरों और सभी चिकित्सा संगठनों को संबोधित पत्र में कहा गया है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) मानवता के सामने आने वाले शीर्ष वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है। यह अनुमान लगाया गया है कि 2019 में वैश्विक स्तर पर 12.7 लाख मौतों के लिए बैक्टीरियल एएमआर सीधे तौर पर जिम्मेदार था और 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। यह प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उपचार की विफलता से लंबे समय तक संक्रामकता बनी रहती है। शुरुआत के उपचार के विफल रहने पर बाद के इलाज के लिए दवाओं की लागत भी काफी बढ़ जाती है।पत्र में कहा गया है कि दवा व्रिकेताओं को औषधि और प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 को लागू करने और केवल वैध नुस्खे पर एंटी बायोटिक बेचने के लिए याद दिलाया जा रहा है। यह अहम है कि डाक्टर एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय नुस्खे पर लक्षण लिखें। इसमें कहा गया कि सभी चिकित्सकों से तत्काल अपील की जाती है कि वे एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय लक्षण, कारण, औचित्य लिखना एक अनिवार्य अभ्यास बनाएं।

एएमआर के मामलों को कम करने के लिए एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आपके सहयोग की आशा है।भारत में सभी दवा विक्रेता संघों को लिखे पत्र में गोयल ने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत, एंटीबायोटिक दवाओं को अनुसूची 'एच' के तहत निर्दिष्ट दवाओं की सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें केवल एक पंजीकृत डाक्टर के नुस्खे पर खुदरा रूप से बेचा जाना आवश्यक है। कुछ उच्च गुणवत्ता वाले एंटीबायोटिक एचआइ दवाओं की सूची में शामिल हैं।पत्र में कहा गया है कि देश के सभी दवा विक्रेताओं से तत्काल अपील की जाती है कि वे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करें और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना डाक्टर के नुस्खे के बिक्री बंद करें और उन्हें केवल एक योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचें।

एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवान पीएम की सुरक्षा में जुटेंगे

-प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में रहेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अयोध्या (एजेंसी)। प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहेंगे। इसके लिए एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवानों ने अयोध्या में डेरा डाल दिया है। बता दें कि पूजन के समय प्रधानमंत्री का सुरक्षा घेरा पांच स्तरीय होगा। इसके लिए अलग-अलग स्तर में सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले अन्य जवान भी रामनगरी में चप्पे-चप्पे की छानबीन में जुटे हैं। इसके लिए शुक्रवार को एटीएस के कमांडो ने उदया चौराहा से लेकर नयाघाट तक पूर्वाभ्यास भी किया है। बता दें कि आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम वीवीआईपी का आगमन होगा। इसके लिए सुरक्षा का मजबूत तानाबाना बुना गया है। सिविल पुलिस समेत अलग-अलग एजेंसियों के लगभग 30,000 से अधिक जवान यहां पर पहुंच चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर सर्वाधिक फोकस है। इसके लिए पांच स्तरीय अभेद्द सुरक्षा घेरा तैयार किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री के पास सबसे पहले एसपीजी के बॉडीगार्ड होंगे। यह जवान असॉल्ट राइफल, ऑटोमेटिक गन, 17 एम रिवॉल्वर समेत अन्य आधुनिक असलहों से युक्त होंगे। अगले स्तर में एसपीजी के कमांडो रहेंगे। इसके बाद एनएसजी के खतरनाक ब्लैक कैट कमांडो सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। इनके साथ ही एटीएस व अन्य कमांडो भी आसपास ही मुस्तैद होंगे। चौथे लेयर में अर्द्धसैनिक बलों के जवान होंगे। जबकि अंतिम लेयर में सुरक्षा का जिम्मा सिविल पुलिस के हाथ में होगा। कार्यक्रम स्थल से लेकर बाहर तक चप्पे-चप्पे पर इन जवानों का पहरा होगा। बता दें कि बिना इनकी अनुमति के प्रधानमंत्री के इर्द-गिर्द परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

अयोध्या में फुलप्रूफ सुरक्षा घेरे को अमली जामा पहनाने के लिए एसपीजी के 35 जवान आ चुके हैं। लगभग इतने ही और जवानों के पहुंचने की बात कही जा रही है। इसके अलावा एटीएस के 550 कमांडो भी यहां ठहरे हुए हैं। शुक्रवार को यह कमांडो आगे मोटर साइकिल व पीछे-पीछे वाहनों के काफिले के साथ रिहर्सल करते भी नजर आए हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर हाईवे पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। 200 मीटर की दूरी पर पुलिस, यातायात व अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए हैं। जिले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार के अनुसार यहां पर होने वाली हर छोटी मोटी गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अमेरिका ने म्यूजिक डिप्लोमैसी 2024 की शुरुआत की

वाशिंगटन । अमेरिका ने अपने वार्षिक 'म्यूजिक डिप्लोमैसी 2024' की शुरुआत भारत से की और मशहूर संगीतकार हर्बी हैनकॉक तथा डायने रीव्स नई दिल्ली और मुंबई में प्रस्तुतियां दे रहे हैं। विदेश विभाग ने आधिकारिक घोषणा में कहा कि अमेरिका के दो दिग्गज संगीतकार 'ग्लोबल म्यूजिक डिप्लोमैसी इनीशिएटिव' के तहत 14-24 जनवरी तक भारत में हैं। इसके साथ ही डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत की स्मृति में भारत में अमेरिकी मिशन ने हर्बी हैनकॉक, डायने रीव्स और 'हर्बी हैनकॉक इंस्टीट्यूट ऑफ जाज़ परफॉर्मेंस' को नई दिल्ली तथा मुंबई में शिक्षा कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने तथा भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इसका उद्देश्य अमेरिका और भारत के लोगों के बीच शांति को बढ़ावा देना तथा संबंधों को मजबूत बनाना है। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने नई दिल्ली में यूसीएलए समूह के साथ प्रस्तुति दी। वह कॉन्सर्ट पियानोवादक भी हैं। मुंबई में हैनकॉक और रीव्स के साथ भारतीय कलाकार सितारवादक पूर्बायन चटर्जी और तबलावादक स्वरूपा अनंत-सावकर भी प्रस्तुति देने वाले है।

200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा, लेकिन अब जंग के लिए तैयार हो रहा ये देश

लंदन । जिस देश ने विश्व युद्ध में भी हिस्सा नहीं लिया। पिछले एक-दो नहीं बल्कि 200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा हो। लेकिन वहां देश अचानक से क्या युद्ध में उतरने की तैयारी कर रहा है? दरअसल स्वीडन सरकार और सेना की ओर से स्वीडनवासियों को युद्ध के लिए तैयार रहने के आग्रह के कारण नॉर्डिक देश में अफरा-तफरी का मौहाल देखने को मिला। स्वीडन सरकार की ओर से कहा गया है कि स्वीडन में युद्ध की नौबत आ सकती है और निवासियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। इस घोषणा के साथ ही नागरिकों के भी घबराहट देखने को मिली। नागरिक सुरक्षा मंत्री कार्ल-ऑस्कर बोहलिन ने कहा कि स्वीडन में युद्ध हो सकता है। उनके संदेश का सैन्य कमांडर-इन-चीफ जनरल मिकेल बायडेन ने समर्थन किया। हालाँकि, विपक्षी राजनेताओं ने चेतावनियों के लहजे पर आपत्ति जाहिर है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों की नींद ख़राब करना नहीं है, बल्कि वास्तव में क्या चल रहा है, इसके बारे में जागरूकता हासिल करना है। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों, आपातकालीन योजनाकारों और व्यक्तियों से प्रतिक्रिया देने की अपील की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सम्मेलन के दौरान स्वीडन से अपने देश और अन्य लोगों के साथ हथियार बनाने और एक साथ मजबूत होने के लिए काम करने का आह्वान किया।

दमिश्क पर इजरायली हमला, पांच लोगों की मौत

दमिश्क । दमिश्क पर इजरायली हमले में इमारत में पांच लोग मारे गए। रिपोर्ट के अनुसार, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, इजरायली मिसाइल हमले ने एक चार मंजिला इमारत को निशाना बनाया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और पूरी इमारत नष्ट हो गई, जहां ईरान-गठबंधन के नेता बैठक कर रहे थे। रिपोर्ट में बताया गया कि ये हमले सुबह-सुबह हुए, एक हमले ने दमिश्क के माज़ेह पड़ोस में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया, जो इजरायली आक्रामकता के परिणामस्वरूप हुआ। इसमें कहा गया है कि माज़ेह क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय, दूतावासों और रेस्तरां का घर है। इजरायली मिसाइलों ने पूरी इमारत को नष्ट कर दिया और हमले में 10 लोग या मारे गए या घायल हो गए।

उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिका और दक्षिण कोरिया

सोल । दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। शनिवार को द.कोरिया के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि कोरिया गणराज्य और अमेरिका ने साइबर नीति पर बैठक की। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने इसपर सहमति व्यक्त की कि उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम द.कोरिया और अमेरिका के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करते हैं और साथ ही वैश्विक शांति के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। दोनों देश साइबर अपराध जांच के लिए समन्वय बढ़ाने, सूचना साझाकरण का विस्तार करने और हैकिंग विरोधी प्रयासों और प्रौद्योगिकी सहयोग में परस्पर आदान-प्रदान पर सहमत हुए हैं।

ब्रिटेन की संसद में भजनों के साथ गूंजे जय श्रीराम के नारे

लंदन । अयोध्या के राम मंदिर का उत्साह केवल भारत तक सीमित नहीं है। इसके खुशी की लहर अब सात समंदर पार भी पहुंच गई है। कई देशों में जश्न का माहौल है। ब्रिटेन की संसद में जय श्रीराम के नारे और भजन हुए। जिसके कारण पूरी संसद में राम ही राम की धूम रही। लंदन स्थित हाउस ऑफ कॉमन्स में राम गीत प्रस्तुत किया गया। सोशमल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में राम के भजन गाने से पूरा वातावरण राममय में हो गया। 17 जनवरी को ब्रिटेन की संसद परिसार में सनातन संस्था यूके की तरफ से युगपुरुष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लंदन के रेडियो जॉकी चंदा झा ने राम गीत गाकर उपस्थित सभी नेताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। बिहार के बेतिया की रहने वाली चंदा झा के भजनों पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भी भगवा गमछा ओढ़ जय श्री राम के नारे लगए। इस दौरान बच्चों ने भरतनाट्यम के द्वारा गीत गाकर भगवान राम के बारे में बताया। चंदा झा ने बताया कि सनातन और हिंदू धर्म को हमेशा बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हम लंदन में भी रहकर हम अयोध्या नहीं आ सकते हैं, लेकिन लंदन में ही राम के मंदिर में हम दीप जलाएंगे। हम सभी भारतीय पूजा पाठ करेंगे। लंदन में ही हम गाना गाएंगे। बता दें कि 22 जनवरी 2024 को अयोध?या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। गुरुवार को रामलला की प्रतिमा को मंदिर के गर्भ गृह में पूरे विधि-विधान के साथ स्थापित कर दिया गया। अब लाखों-करोड़ों राम भक्तों को प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया-संवारा जा रहा है।

यमन में विस्फोट, तीन जवानों की मौत

अदन,यमन। यमन के दक्षिणी अबयान प्रांत में एक बम हमले में सरकारी बलों के तीन सैनिक मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। ये धमाका उस वक्त् हुआ जब सुरक्षा बलों के जवान पूर्वी अबयान में मुदियाह जिले के वाडी ओमिरान इलाके में एक सैन्य गश्त कर रहे थे। सूत्र ने बताया कि बमबारी के पीछे अल-कायदा के आतंकवादियों का हाथ होने की संभावना है। दरअसल उन्होंने पहले मुदियाह और अबयान में अन्य जगहों पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर विस्फोटक उपकरण लगाए थे। साउथर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) और सरकारी सैनिकों से युक्त संयुक्त सैन्य बल 2022 के अंत से अबयान के विभिन्न हिस्सों में अल-कायदा के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। हालांकि, चरमपंथी समूह अभी भी प्रांत के दूरदराज के इलाकों में सक्रिय है। यमन में हाल के वर्षों में अल-कायदा और अन्य आतंकवादी समूहों के हमलों में वृद्धि देखी गई है क्योंकि उन्होंने हौथी समूह और सरकारी बलों के बीच लगभग एक दशक से चल रहे संघर्ष का फायदा उठाया है।

नासा का इनजेनिटी मार्स हेलीकॉप्टर से टूटा संपर्क, अगले कदमों पर किया जा रहा विचार

कथित तौर पर नासा ने अपने मंगल हेलीकॉप्टर इनजेनिटी से संपर्क खो दिया है। संभावित झटका तब आया जब इनजेनिटी लाल ग्रह पर अपने तीन साल के निशान के करीब थी, जिसने अपने विस्तारित मिशन के दौरान 71 उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कीं। नासा के अधिकारियों के अपडेट के अनुसार, इनजेनिटी ने 18 जनवरी को लाल ग्रह पर अपनी 72वीं उड़ान भरी। पिछली उड़ान के दौरान एक अनियोजित प्रारंभिक लैंडिंग के बाद, हेलीकॉप्टर के सिस्टम की जांच करने के लिए उड़ान को एक त्वरित पॉप-अप ऊर्ध्वाधर उड़ान के रूप में डिजाइन किया गया था। उड़ान के दौरान दृढ़ता रोवर (जो हेलीकॉप्टर और पृथ्वी के बीच एक रिले के रूप में कार्य करता है) को भेजा गया डेटा इनजेनिटी इंगित करता है कि यह 40 फीट (12 मीटर) की निर्धारित अधिकतम ऊंचाई पर सफलतापूर्वक चढ़ गया। अपने नियोजित अवतरण के दौरान, लैंडिंग से पहले, हेलीकॉप्टर और रोवर के बीच संचार जल्दी समाप्त हो गया, ' अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इनजेनिटी टीम उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर रही है और हेलीकॉप्टर के साथ संचार को फिर से स्थापित करने के लिए अगले कदमों पर विचार कर रही है।

रुस में यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद एक तेल टैंकर में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

ईरान की शह पर हिज्बुल्लाह ने इजरायल को दी धमकी

बेरूत । लेबनान में ईरान की शह पर हिजबुल्लाह ने इजरायल को बड़ी धमकी दी है। गौरतलब है कि हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिला हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार हिजबुल्लाह के एक अधिकारी ने कहा कि अगर इजरायल ने लेबनान के साथ सीमा पर संघर्ष को बढ़ाया तो उसके लिए यह बहुत महंगा सौदा होगा। बता दें कि 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास की ओर से किए गए हमलों के बाद कई बार इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच भयंकर गोलीबारी देखने को मिली है। इजरायल की ओर से सीमावर्ती गांवों पर बमबारी की गई है, जिससे लेबनान में हिंसा में 142 हिजबुल्लाह लड़ाकों समेत 195 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वहीं इजरायली सेना के मुताबिक इजरायल के 15 लोग मारे गए, जिनमें 9 सैनिक और छह नागरिक थे। हिजबुल्लाह में नंबर दो के लीडर नईम कासिम ने कहा कि अगर इजरायल ने अपने हमलों के विस्तार का फैसला किया तो उसे जवाब में हमले देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यदि सीमा पर स्थिरता आती है तो ये मानना चाहिए कि गाजा में आक्रामकता खत्म होने की कोशिश में है। उसने धमकी भरे लहजे में उन्होंने कहा, दुश्मन को पता होना चाहिए कि हम तैयार है। हम अपनी तैयारी इस आधार पर कर रहे हैं, कि युद्ध कभी खत्म न होगा।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान में इजरायल की ओर से हवाई हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम तीन घर पूरी तरह बर्बाद हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीमा के करीब कफर किला गांव में इजरायल की ओर से चार घरों को टार्गेट किया गया। तीन घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। वहीं तोपखाने के गोले से एक 5वां घर भी टार्गेट किया गया। शुक्रवार को इजरायली सेना ने कहा कि उसने कफर किला सेक्टर में हिजबुल्लाह की चौकियों को निशाना बनाया। आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं।

पाकिस्तान में चुनाव सिर्फ दिखावा... सेना के हाथों की कठपुतली होती हैं चुनी हुई सरकार

-पिछली बार इमरान इस चुनाव में पीएमएल (एन) बनने जा रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान 8 फरवरी को अपने 12वें आम चुनाव के लिए तैयारी कर रहा है। लेकिन उसका आंतरिक राज्य अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया एक तमाशा बन गई है। मतदान होने में एक महीने से भी कम समय बचा है, यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान अब तक के सबसे चालाकी भरे आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है।

पीटीआई को तोड़ने और चुनाव पूर्व धांधली का शिकार बनाए जाने के कई उदाहरण हैं। इसके शीर्ष नेता इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, उन पर भ्रष्टाचार, राज्य के रहस्यों से समझौता करने और सैन्य सुविधाओं में तोड़फोड़ करने के कई आरोप हैं। उनकी पार्टी के कई नेताओं ने कथित तौर पर दबाव में आकर पार्टी को अचानक छोड़ दिया है, उनमें से कुछ ने अपने पीटीआई के प्रतिद्वंद्वी गुटों को भी पार्टी में शामिल कर लिया है। जेल में बंद होने के कारण इमरान को अपनी ही पार्टी की कुर्सी से हटना पड़ा। इमरान सहित पीटीआई के कई चुनावी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा खारिज कर दिए गए हैं, जो तथाकथित स्वायत्त निकाय है जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है।

पाकिस्तानी आवाम (मुख्य रूप से इसकी युवा आबादी) का मानना है कि खान की अयोग्यता और

उनके खिलाफ लगाए गए कई मामलों के पीछे पाकिस्तानी सेना है। पाकिस्तान का इतिहास सेना द्वारा नागरिक सरकार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के कई उदाहरण है। अतीत में जब सेना के जनरल आधिकारिक तौर पर सत्ता में नहीं थे, तब भी वे देश के निर्णय लेने और इसके राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करते रहे। दशकों से राजनीति में सेना के लगातार हस्तक्षेप के कारण ही पाकिस्तान में लगातार राजनीतिक संकट बना हुआ है, जिससे एक गहरे राज्य की स्थापना हुई है।

2018 के चुनावों से ठीक पहले, नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन इसी तरह सत्ता प्रतिष्ठान के क्रोध का शिकार थी और बाद में सत्ता प्रतिष्ठान के आशीर्वाद से पीटीआई सत्ता में आई थी। इसके बाद इमरान ने तेजी से पाकिस्तानी सेना के साथ करीबी रिश्ते बनाए। अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कश्मीर मुद्दे (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) पर अपने रुख के संदर्भ में सेना के एजेंडे को काफी आगे बढ़ाया। अमेरिका के साथ संबंधों में सुधार किया और कुछ हद तक बढ़े हुए सैन्य खर्च को बनाए रखने के लिए धन जुटाने का प्रबंधन किया। हालाँकि, सैन्य समर्थन के कारण इमरान की शक्ति कमजोर हो गई। सेना के साथ मतभेद पहली बार 2021 में खुलकर सामने आए जब पूर्व सेना प्रमुख क़मर जावेद बाजवा ने लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया। खान ने अपनी पसंद के जनरल फैज़ हमीद के पक्ष में इसका विरोध किया। हालाँकि, बाद में वह कोई बदलाव लाने में असफल रहे। बाद में खान और बाजवा दोनों में विदेश नीति के मुद्दों पर मतभेद होने लगे। साथ ही खान ने विभिन्न मंचों पर सेना के साथ अपनी निजी चर्चा के बारे में खुलकर बोलना शुरू कर दिया, इस सेना स्वीकार नहीं कर सकी। जिसके कारण इमरान खान को जेल में डाल दिया गया। वर्तमान परिदृश्य में ऐसा लगता है कि इतिहास फिर से दोहरा रहा है।

2018 के चुनाव की तरह आगामी फरवरी के चुनाव का भी कुछ ऐसा ही हश्र होता दिख रहा है। केवल इस बार, स्थिति बदल गई है, जिससे पीटीआई की कीमत पर पीएमएल (एन) को प्रमुखता मिलती दिख रही है। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत, जो सबसे अधिक सीटें रखता है, आगामी चुनाव में जीतने वाली पार्टी के भाग्य का निर्धारण करने जा रहा है। पाकिस्तानी सेना के निर्देशन में डीप स्टेट, किसी भी तरह से पीएमएल (एन) के पक्ष में मतदान के बहुमत को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

रूसी सेना में अपने नागरिकों की भर्ती पर नेपाल को ऐतराज, मास्को से की स्वदेश भेजने की मांग

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल ने कहा कि उसने मॉस्को से अपने नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती नहीं करने और उन लोगों को वापस लाने में मदद करने को कहा है जो यूक्रेन में युद्ध लड़ने के लिए पहले ही देश की सेना में शामिल हो चुके हैं। नेपाली सैनिक, जिन्हें गोरखा कहा जाता है, अपनी बहादुरी और युद्ध कौशल के लिए जाने जाते हैं, और 1947 में तीन देशों के बीच एक समझौते के तहत भारत की स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश और भारतीय सेनाओं की सेवा कर रहे हैं। कम से कम 200 नेपाली युवा अवैध चैनलों के माध्यम से रूसी सेना में शामिल हो गए हैं और उनमें से 12 यूक्रेन के खिलाफ लड़ते हुए पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं।

लाखों नेपाली नागरिक मुख्य रूप से दक्षिण कोरिया, मलेशिया और मध्य पूर्व में उद्योगों और निर्माण स्थलों पर मजदूर के रूप में नागरिक कार्यों में कार्यरत हैं। नेपाली विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने शुक्रवार को युगांडा के कंपाला में चल रहे गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के उप विदेश मंत्री वर्शिनिन सर्गेई वासिलिविच के साथ अपनी बैठक के दौरान रूस से कहा, ÷देश की सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती न करें और जो पहले ही कर चुके हैं उन्हें वापस लाने में मदद करें।÷ सऊद के निजी सचिवालय के अनुसार, सेना में शामिल हो गए। सऊद ने स्पष्ट किया कि ÷नेपाल की उन कुछ देशों को छोड़कर अपने नागरिकों को विदेशी सेना में भेजने की कोई नीति नहीं है, जिनके साथ उसकी पारंपरिक व्यवस्था है।

इसलिए, मैंने रूसी मंत्री से हमारे नागरिकों को अपनी सेना में भर्ती नहीं करने के लिए कहा है, ÷सऊद को उनके निजी सचिवालय ने यह कहते हुए उद्धृत किया। सऊद के सचिवालय के अनुसार, बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने नेपाल और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर सऊद ने नेपाल और रूस के बीच मौजूद लंबे ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख किया। रूसी उप विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत नींव पर बने हैं।

जापान का यान पहुंचा चांद पर, लेकिन कुछ घंटों का ही मेहमान

-लैंडिंग के बाद सौर पैनल में आई खराबी के चलते बैटरी मोड में कर रहा काम

टोक्यो (एजेंसी)। चांद पर यान की सफल लैंडिंग करवाकर अब जापान भी एक अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया है। जापान चांद पर पहुंचने वाला 5वां देश बन गया है। शुक्रवार को जापान का रोबोटिक स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग द मून (स्लिम) सफलतापूर्वक चांद पर उतरा। लेकिन यह कुछ घंटों का ही मेहमान है। जानकारी के अनुसार उसके सौर पैनल ने काम करना बंद कर दिया है, इसलिए यह बैटरी पर ही टिका हुआ है, जैसे ही बैटरी खत्म होगी वह निष्क्रिय हो जाएगा। इसके चांद पर लैंडिंग की जापान में 20 जनवरी की तारीख थी और आधी रात में लोग इस कामयाबी के गवाह बनना चाहते थे। जापान के लोगों ने उसी खुशी को महसूस किया, जो अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद भारत के लोगों ने महसूस किया। जापान चांद पर पहुंच गया है, लेकिन यह मिशन पूरी तरह उम्मीद पर खरा नहीं उतरा। जापानी स्पेस एजेंसी (जाक्सा) के मुताबिक अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में कामयाब रहा है। स्लिम चंद्रमा के शियोली क्रेटर के पास से डेटा प्राप्त कर रहा है। हालांकि अधिकारियों ने इस दौरान एक खराबी का जिक्र करति हुए कहा कि लैंडर पर लगे सौर ऊर्जा सेल में खराबी देखने को मिली है। यह उम्मीद के मुताबिक बिजली नहीं बना रहे हैं। जिस कारण यह बैट्री मोड पर चल रहा है। बैट्री की अपनी क्षमता है, इस कारण यह अंतरिक्ष यान कुछ घंटे ही काम कर सकेगा। बताया जा रहा है कि स्लिम इस समय रिजर्व बैट्री पर चल रहा है, जो कुछ ही घंटों में खत्म हो जाएगी। इससे शोधकर्ताओं को लैंडर के जरिए प्रयोग करने का बेहद सीमित समय मिला है।

पाकिस्तान लग जाएगा किनारे, चीन को लगेगा जोर का झटका, भारत - ईरान के बीच अब हो गया कौन सा समझौता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ईरान के बीच हुआ एक समझौता पड़ोसी पाकिस्तान के साथ ही चीन के लिए भी चिंता का सबब बन रहा है। हम चाबहार परियोजना की बात कर रहे हैं, जिसे लेकर दोनों देशों के बीच ताजा बातचीत में इस पर तेजी के साथ काम करने को लेकर समझौता हुआ है। इस परियोजना के शुरू होने पर अफगानिस्तान जाने वाले भारतीय ट्रकों को पाकिस्तान से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। सीपीईसी के जरिए इस इलाके में अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में लगे चीन को भी बड़ा झटका लगेगा। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत और ईरान अपनी पहली विदेशी बंदरगाह परियोजना चाबहार पोर्ट को लेकर अंतिम समझौते पर पहुंच गए हैं। इस ईरानी बंदरगाह का निर्माण दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा में है। ये तब भी चर्चा में आया था जब पीएम मोदी साल 2013 में तेहरान गए थे।

क्या है चाबहार बंदरगाह परियोजना

चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। ओमान की खाड़ी में स्थित ये बंदरगाह ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को भारत के

पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ता है। चाबहार बंदरहाग ईरान के दक्षिणी पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। इस बंदरगाह को ईरान द्वारा व्यापार मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम की तरफ मात्र 72 किलोमीटर की दूर पर है। अभी तक मात्र 2.5 मिलियन टन तक के समान ढोने की क्षमता वाले इस बंदरगाह को भारत,ईरान और अफगानिस्तान मिलकर इसे 80 मिलियन टन तक समान ढोने की क्षमता वाला बन्दरगाह विकसित करने की परियोजना बना रहे हैं।

बीते कुछ सालों में चाबहार परियोजना काफी विकसित हुई है और अब इसमें एक मुख्य केंद्र जाहेदार इलाके तक 628 किलोमीटर लंबी रेल लाइन और फिर ईरान तुर्कमेनिस्तान सीमा पर एक हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबे ट्रैक की परिकल्पना की गई है। हूती ठिकानों पर ब्रिटेन, अमेरिका बलों के हमले और एंटनी ब्लिंकन के साथ चर्चा के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान की दो दिन की यात्रा पर थे। चाबहार बंदरगाह संपर्क और व्यापार रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है। भारत क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर जोर दे रहा है, खासकर अफगानिस्तान से इसके कॉन्टैक्ट के लिए।

चाबहार परियोजना के जरिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत को अफगानिस्तान के लिए एक सीधा रास्ता मिलेगा। अफगानिस्तान ऐतिहासिक रूप से भारत के साथ मित्रता के बंधन में बंधा हुआ है। नई कनेक्टिविटी से अफगानिस्तान को भी बड़ा फायदा होगा। अपने व्यापार कारोबार और संपर्क का विस्तार करने के लिए भारत के रूप में एक बड़ा बाजार मिलेगा। इसके अलावा सीपीईसी के रूप में चीन ने इस इलाके तक जो वर्चस्व स्थापित किया है। इस परियोजना से चीन का प्रभाव भी कम हो जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थायी समाधान की बताई जरूरत

-कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में रखी अपनी बात

कंपाला (एजेंसी)। विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थाई समाधान की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यहां मानवीय कानून बाहाली की भी मांग की है। जानकारी के अनुसार कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि वर्तमान में गाजा में संघर्ष सबसे बड़ी चिंता है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की जरूरत है, जो प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे सके। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष को गंभीर मुद्दा बताया। युगांडा की राजधानी कंपाला में शिखर सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने कहा कि ऐसे संघर्ष चल रहे हैं जिनका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। गाजा, विशेष तौर पर हमारी चिंता के केंद्र में है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है, जो सबसे अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे। लेकिन हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवाद और लोगों को बंधक बनाना अस्वीकार्य है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के सम्मान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हमेशा सम्मान करना चाहिए। फिलहाल गाजा संघर्ष को और बढ़ने से रोकना बहुत जरूरी है। दो-राष्ट्र समाधान (इस्राइल-फलस्तीन) पर भारत के रुख को दोहराते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष के लिए हमें दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए, जहां फलस्तीनी लोग सुरक्षित सीमाओं में रह सकें। हमारे सामूहिक प्रयासों को इसे साकार करने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय असमानता और वर्चस्व के बीच जूझ रही है। विश्व में अब एक नहीं, बहुध्रुवीय व्यवस्था की जरूरत है जिसके मूल में पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र होना चाहिए। जयशंकर ने वसुधैव कुटंबकम यानी दुनिया को एक परिवार मानने वाले भारत के प्राचीन विश्वास को भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 2019 में बाकू में हुए नाम की बैठक के बाद से दुनिया बहुत बदल गई है। कोविड महामारी ने हम सभी को तबाह कर दिया है जिसके घाव भरने में अनेक पीढ़ियां लग जाएंगी।

विदेश मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति तेजी से खराब हो रही है। कर्ज, मुद्रास्फीति और विकास की चुनौतियों की

तिकड़ी भी विकास पर भारी पड़ती है। इन गंभीर चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जयशंकर ने कहा कि यह उस दुनिया की प्रकृति है जिसका हम सामना करते हैं। शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर ने नेपाल के पीएम पुष्प कुमार दहल उर्फ प्रचंड से भी मुलाकात की है। उन्होंने बोलीविया, अजरबैजान और वेनेजुएला के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें करके वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की।

बीसीसीआई ने किया टीम का ऐलान, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा को मिला मौका

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ होने वाली आखिरी दो मैचों के लिए टीम का ऐलान किया है। वहीं इस टीम में बोर्ड ने रिंकू सिंह को शामिल किया है। बोर्ड ने अहमदाबाद में इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच होने वाले अंतिम दो मैचों के लिए टीम का ऐलान किया। ये दोनों ही मैच 24 जनवरी और 1 फरवरी से शुरू होंगे और चार दिवसीय होंगे। दोनों ही टीमें सीरीज जीतने के लिए खूब जोर आजमाइश करेंगी।

इसके उल्ट 19 साल के कीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जो आईपीएल 2024 नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में 7.2 करोड़ रुपये में शामिल हुए हैं। उनको भी पहली बार ए टीम में मिला है।

रिंकू सिंह चौथे और अंतिम अनऑफिशियल टेस्ट के लिए सरफराज खान की जगह लेंगे। जबकि अर्शदीप सिंह को भी मौका मिला है। वहीं हैदराबाद के लिए रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा को इस टीम में वापसी हुई है।

दूसरे मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, सौरव कुमार, अर्शदीप सिंह, तुषार देशपांडे, विद्वत कवेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल।

तीसरे मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, शम्स मुलानी, अर्शदीप सिंह, तुषार देशपांडे, विद्वत कवेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को यहां तीसरे दौर के संघर्षपूर्ण मैच में विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी लिंडा नोसकोवा से हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चेक गणराज्य की खिलाड़ी नोसकोवा ने स्वियातेक को 3-6, 6-3, 6-4 से पराजित करके टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं।

दूसरी तरफ 19 वर्ष की नोसकोवा पहली बार इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही है। स्वियातेक ने पहले दो दौर में 2020 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन और 2022 की फाइनलिस्ट डेनियल कोलिंस को हराया था। तीसरे दौर में हार से उनका पिछले 18 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया।

चेक गणराज्य की खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद स्वियातेक की लय गड़बड़ा गई। नोसकोवा ने दूसरे सेट के सातवें गेम में ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद अगले 12 में से 11 अंक हासिल किए और मैच को बराबरी पर ला दिया। नोसकोवा ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने लगातार 4 अंक जीते और ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया। स्वियातेक का फोरहैंड बाहर जाने से उन्होंने मैच अपने नाम किया।

पूर्व पाक क्रिकेटर शोएब मलिक ने अभिनेत्री सना से शादी की

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से तलाक की खबरों के बीच ही अब अभिनेत्री सना जावेद से शादी की है। इन दोनो की शादी की तस्वीर भी सामने आयी हैं। इससे पहले दोनों के बीच डेटिंग की खबरें सामने आई थी जो अब शादी में बदल गयीं। शोएब और सानिया के तलाक की अभी तक कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई हालांकि पिछले काफी समय से इनके तलाक की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। शोएब और सना दोनो की ही ये दूसरी शादी है। सना भी तलाकशुदा हैं। सना ने साल 2020 में उमैर जसवाल के साथ शादी की थी पर जल्द ही उनका तलाक हो गया। 28 साल की सना पाक के कई टीवी शो में भी आती हैं। इसके अलावा उन्होंने कई म्यूज़कि वीडियो में भी अभिनय किया है।

वहीं हाल ही में सानिया मिर्जा ने एक पोस्ट साझा कर कहा था कि जिंदगी आसान नहीं होती। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि शादी और तलाक का फैसला कठिन होता है। इसके अलावा उन्होंने शोएब की तस्वीरें भी अपने अकाउंट से हटा दी थीं। तभी से उनके और शोएब के साथ अलग होने की अफवाहों को बल मिला था। सानिया ने शायराना अंदाज में कहा था, शादी कठिन है, तलाक कठिन है अपना कठिन चुनें। साथ ही कहा मोटापा कठिन है फिट रहना कठिन है। अपना कठिन चुनें। कर्ज में डूबना कठिन है। आर्थिक रूप से अनुशासित रहना कठिन है। अपना कठिन चुनें। संचार कठिन है। संवाद न करना कठिन है। दिमाग का इस्तेमाल कर अपना कठिन चुनें जिंदगी कभी आसान नहीं होगी। यह हमेशा कठिन रहेगी।

टाटा को मिले आईपीएल 2028 तक के टाइटल राइट्स, बीसीसीआई को देगा हर साल 500 करोड़

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। टाटा ग्रुप ने 2028 तक आईपीएल के टाइटल राउट्स 2028 तक रिटेन कर लिए। इस समझौते में प्रति सीजन 500 करोड़ रुपये तक योगदान टाटा ग्रुप करेगा।

बीसीसीआई ने टाटा को सौंपे राइट्स

टाटा ग्रुप ने 2500 करोड़ रुपये के वैल्यूएशन के लिए आदित्य बिड़ला ग्रुप द्वारा किए गए ऑफर की बराबरी की। इसके बाद बीसीसीआई ने टाटा ग्रुप को टाइटल राइट्स सौंपने का निर्णय लिया।

बोर्ड ने 2024-2028 के पांच सीजन के लिए टाइटल राइट्स का बेस प्राइज 1,750 करोड़ रुपये निर्धारित किया था। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने पांच साल के लिए 2,500 करोड़ रुपये के आधार मूल्य से ऊपर की बोली लगाई थी। लेकिन राइट टू मैच विकल्प का इस्तेमाल करने का फैसला लिया और इसे अपने पास बरकरार रख लिया। बीसीसीआई ने 12 दिसंबर 2023 को टेंडर जारी किया था।

एकदिवसीय विश्वकप की हार को इस कारण नहीं भूल पा रहे रोहित, अब टी20 विश्वकप पर हैं नजरें

मुम्बई(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार को भुला नहीं पाये हैं। यह इसलिए कि रोहित इस खिताब को सबसे बड़ा पुरस्कार मानने हैं इसलिए इससे जीतना चाहते थे। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और वह सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी लेकिन वहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण रोहित अब भी उस हार को अभी तक नहीं भुला पाए हैं। वहीं रोहित से जब उस हार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह हार के बारे में अब ज्यादा नहीं सोचना चाहते हैं क्योंकि उस हार से उन्हें और टीम को काफी दुख हुआ था।

रोहित ने कहा देखिए, मैं अभी इसके बारे में नहीं सोचना चाहता। मेरा मानना है कि 50 ओवर का विश्व कप सबसे बड़ा पुरस्कार है। इसका मतलब ये नहीं है कि मैं टी20 विश्व कप या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को अहम नहीं समझता हूं पर हम 50 ओवरों का विश्व कप देखकर बड़े हुए हैं और देश में ही होने के कारण ये और भी अहम हो गया था।

उन्होंने कहा हमने हार से बचने की कोशिश की थी पर उसमें सफल नहीं हो पाये। इस कारण पूरी टीम के साथ ही प्रशंसक भी निराश हो गये थे। अब हमारे पास टी20 विश्वकप को जो अवसर है, हम उसमें जीतने की कोशिश करेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जून में शुरु होने वाला है। ऐसे में रोहित और टीम इंडिया की नजरें पिछली सभी निराशाओं को भुलाकर इस विश्व कप को जीतने पर होगी।

अखिल भारतीय स्नूकर ओपन में आडवाणी ने चड्ढा को हराकर खिताब जीता

मुंबई। बेंगलुरु के पंकज आडवाणी ने शुक्रवार को यहां मुंबई के इशप्रीत सिंह चड्ढा को रोमांचक फाइनल में 10-8 से हराकर अखिल भारतीय स्नूकर ओपन खिताब जीत लिया। देश के बेहतरीन क्यू खिलाड़ियों के बीच हुए 'बेस्ट ऑफ 19 फ्रेम' के फाइनल में कुछ तनावपूर्ण और रोमाचंक पल देखने को मिले। बड़ी संख्या में मौजूद क्यू प्रशंसकों ने मुकाबले का काफी लुत्फ उठाया। इशप्रीत ने पहला फ्रेम 67 से जीतकर 1-0 की बढ़त बनायी पर आडवाणी ने वापसी करते हुए लगातार चार फ्रेम 79, 82, 73, 86 से जीतकर 4-1 से बढ़त हासिल की। इशप्रीत ने 133 और 53 के फ्रेम जीतकर अंतर 3-4 कर दिया। लेकिन क्यू खेल के महान खिलाड़ी आडवाणी ने नौवें फ्रेम तक जीत हासिल कर 6-3 से बढ़त बनायी। 27 विश्व खिताब और कई राष्ट्रीय खिताब जीत चुके आडवाणी अगले पांच फ्रेम गंवा बैठे। पूर्व राष्ट्रीय 15 रेड और 6 रेड चैम्पियन इशप्रीत इस तरह 8-7 से बढ़त बनाये थे। फिर आडवाणी ने लगातार तीन फ्रेम में 68 और 116 के बाद 144 के सबसे बड़े ब्रेक से 10-8 से जीत हासिल की।

शमी की तरह गेंदबाजी करने उनके वीडियो देख रहे इंग्लैंड के रॉबिंसन

अबुधाबी। इंग्लैंड की टीम अब भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों में लगीं हैं। भारत में बेहतर प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाज भी अपनी ओर से प्रयासों में लगे हैं। इसी कड़ी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन ने कहा है कि शमी गेंद की सीम का बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हैं और हम भी यही प्रयास कर रहे हैं, इसलिए उनके वीडियो देख रहे हैं। इंग्लैंड की टीम अभी अबुधाबी में भारत जैसे हालातों को देखते हुए अभ्यास में लगी है। दोनो ही टीमों के बीच पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु होगा। भारत के खिलाफ 2021 की श्रृंखला में नेट गेंदबाज रहे रॉबिंसन को उम्मीद है कि वह इस सीरीज में अहम भूमिका निभा सकेंगे। रॉबिंसन ने कहा कि मैं वास्तव में मोहम्मद शमी की तरह सीधी सीम से गेंदबाजी करने का अभ्यास कर रहा हूं। वह भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। इसके अलावा मैंने इशांत शर्मा को भी गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह ससेक्स की तरफ से कुछ समय के लिए खेला है और उसने लंबे समय तक भारत की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह भी मेरी तरह लंबे कद का है। इस इस गेंदबाज का मानना है कि भारतीय विकटों पर चुनौती अलग प्रकार की होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आप नहीं जानते कि आप किस तरह की तैयारी कर रहे हैं। यह एक तरह की चुनौती है जिससे मेरा पहले कभी सामना नहीं हुआ है। साथ ही कहा कि इस दौरे में हालातों से तालमेल बिठाना मेरे लिए सबसे अहम होगा। आपको पिच देखकर ही हालातों का आंकलन करना होगा।

रणजी ट्रॉफी में भी विफल रहे रहाणे, टीम इंडिया में वापसी की संभावनाएं समाप्त

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे की भारतीय टीम में वापसी की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। रहाणे रणजी ट्रॉफी में भी विफल रहे हैं। मुम्बई की ओर से खेलते हुए वह लगातार दो बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। रहाणे को उम्मीद थी कि वह रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अपना दावा पेश करेंगे पर उनका ये प्रयास भी विफल हो गया। चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है जिसमें उन्हें शामिल नहीं किया गया है। ऐसा नहीं है कि रहाणे को अवसर न मिले हों पिछले साल ही उनको चयनकर्ताओं ने वापसी का मौका दिया था और टीम का उप कप्तान भी बनाया था पर वह उसका लाभ नहीं उठा पाये। रहाणे वापसी वाले मुकाबले में रन बनाने में विफल रहे। इसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद रहाणे के पास घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर वापसी करने का अवसर था जिसे भी उन्होंने खो दिया है। रणजी ट्रॉफी के इस सत्र में वह बिहार के खिलाफ सत्र के पहले मैच में खेलने नहीं उतरे और उसके बाद आंध्र प्रदेश और केरल के खिलाफ विकेट के पीछे लगातार दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। ऐस में रहाणे की इंग्लैंड के खिलाफ वापसी भी इसलिए संभव नहीं है क्योंकि चयनकर्ताओं के पास हर स्थान के लिए युवा खिलाड़ी उपलब्ध हैं और इसलिए वह टीम में बदलाव नहीं करना चाहेंगे।

एक फरवरी को होगा मेसी और रोनाल्डो की टीमों का मुकाबला

फोर्ट लॉडरडेल। अगले साल फुटबॉल प्रशंसकों को लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीमें के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। मेसी की टीम सउदी अरब में रियाद में सीजन कप खेलेगी। इसमें उसका मुकाबला रोनाल्डो की टीम अल नासर से एक फरवरी को होगा। सउदी प्रो लीग में ये दोनों क्लब शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंटर मियामी के खेल निदेशक क्रिस हेंडरसन ने कहा, 'इन मैचों से हमें नये सत्र के लिए तैयारी में सहायता मिलेगी। अल हिलाल के खिलाफ हमें अपनी क्षमताओं के आंकलन का अवसर मिलेगा। मेसी और रोनाल्डो क्लब के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 35 बार मुकाला हुआ है। इसमें से मेसी की टीम ने 16 और रोनाल्डो की टीम ने 10 मैच जीते हैं। इन मैचों में मेसी ने 21 गोल किए जबकि 12 गोल करने में उन्होंने सहायता की। रोनाल्डो ने 20 गोल किए और एक में उनकी भूमिका रही। मेसी और रोनाल्डो के बीच बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए कई बार मुकाबला हुआ है।

बाउंसरों की तादाद बढ़ने से गेंद और बल्ले के बीच प्रतिस्पर्धा संतुलित होगी : उनादकट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में इस बार गेंदबाज दो बाउंसर फेंक सकेंगे। तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कहा है कि आईपीएल के 17 वें सत्र में नये नियम लाने से गेंदबाजों को लाभ मिल सकता है। इस नये नियम के तहत फेंके जाने वाले बाउंसरों की तादाद बढाई जा सकती है। इसका लक्ष्य बल्ले और गेंद के बीच प्रतिस्पर्धा को संतुलित बनाने का प्रयास माना जा रहा है। नये नियम के तहत बाउंसरों की संख्या को एक से बढ़ाकर दो किया जा सकता है। वहीं अभी के नियम के मुताबिक एक गेंदबाज एक से ज्यादा बाउंसर नहीं डाल सकता है। अगर वह ऐसा करता है तो इस गेंद को नो बॉल करार दिया जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान इस नये नियम का ट्रायल किया गया था। इसके तहत मुश्ताक अली ट्रॉफी में गेंदबाजों को दो बाउंसरों की अनुमति मिली थी। उनादकट ने नए नियम का स्वागत करते हुए भविष्यवाणी की कि इससे गेंदबाजों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

उनादकट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा, मुझे लगता है कि एक ओवर में दो बाउंसर बहुत फायदेमंद होते हैं और मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है जो गेंदबाज को बल्लेबाजों पर अतिरिक्त फायदा देता है। एक बाउंसर के नियम के दौरान बल्लेबाज को पता था कि कोई और बाउंसर अब नहीं आएगा। इस मामले में, भले ही आप ओवर के पहले भाग में एक धीमी बाउंसर फेंकते हैं, फिर भी आप एक और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशानी में डाल सकते हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। उनादकट का कहना है कि इससे गेंदबाजों को यॉर्कर और धीमी गेंदों के अलावा डेथ ओवरों में एक और विकल्प मिलेगा।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में ऑस्ट्रेलियाई टीम की बढ़त बरकरार

मुम्बई। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली बड़ी जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। इस जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम अब अन्य टीमों के मुकाबले अंकों के मामले में और बेहतर स्थिति में पहुंच गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर चल रही भारतीय टीम के पास अपनी रैंकिंग बेहतर करने का अवसर 25 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में रहेगा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराने के अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में शानदार शुरुआत की है। ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट को केवल तीन दिन के अंदर ही जीत लिया था। इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के अंक और बढ़ गये हैं। वहीं भारत के साथ उसके अंकों का अंतर भी बढ़ गया है। बीच अंकों का काफी फासला आ चुका है. अभी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर है। उसने अब तक खेले अपने 9 मुकाबलों में से 6 जीते हैं। इस प्रकार 61 फीसदी जीत के साथ टीम ने नंबर एक पर अपनी पकड़ बनाये हुए हैं। वहीं भारत ने 4 में से 2 टेस्ट जीते हैं और 54 फीसदी जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम तीसरे जबकि न्यूजीलैंड चौथे स्थान पर है।

हरभजन सिंह बोले-जिसे जो करना है करे, मैं तो राम मंदिर जाउंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को लेकर कई राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी समारोह में शामिल होने से इंकार कर दिया है। जबकि उन्ही की पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भज्जी ने साफ कह दिया, कि जिसे जो करना करे,मैं तो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर रहूंगा।

जबकि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का न्योता दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी भेजा गया है। हालांकि, वह इस दिन आयोजन में शामिल होने से मना कर दिया है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि वो 22 जनवरी के बाद अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेरे माता-पिता भी अयोध्या जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राम जन्म भूमि ट्रस्ट की ओर से उन्हें केवल एक पत्र प्राप्त हुआ है। सुरक्षा के मद्देनजर वहां 22 जनवरी को एक आमंत्रण पर केवल एक या दो लोगों को जाने की इजाजत है। ऐसे में मैंने 22 जनवरी के बाद अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाने का फैसला किया है। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे दौर में ये मंदिर बन रहा है इसलिए हम सभी को जाकर आशीर्वाद लेना चाहिए। कोई भी पार्टी जाए या न जाए मैं जरूर जाऊंगा।उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए यहां तक कहा कि, अगर किसी को मेरे राम मंदिर जाने से दिक्कत है, तो उन्हें जो करना है वो करे। मैं तो जरूर जाऊंगा। आपको बता दें कि हरभजन ने अयोध्या में 22 जनवरी को हो रहे श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। हरभजन ने कहा, 22 जनवरी को मैं चाहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से जुड़ें। टीवी के माध्यम से हो या वहां जाकर, लोग राम लला का आशीर्वाद लें क्योंकि ये ऐतिहासिक दिन है। भगवान राम सभी के हैं और उनके जन्मस्थान पर मंदिर बन रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। मैं बहुत धार्मिक व्यक्ति हूं। मैं हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे में प्रार्थना करता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं जरूर जाऊंगा।

लैंगर ने राहुल की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच जस्टिन लैंगर ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर तारीफ की है। लैंगर ने राहुल को अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी बताया। राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान भी हैं। लैंगर ने कहा कि अपनी टीम के लिए राहुल जैसा कप्तान मिलने से भी वह अपने को भाग्यशाली मानते हैं। लैंगर ने कहा कि जब वह ऑस्ट्रेलियाई कोच तब भारतीय टीम के खिलाफ मैच में वह तब तक आराम नहीं करते थे जब तक कि राहुल आउट न हो जायें। साथ ही कहा कि राहुल जितने अच्छे दिखते हैं उनकी बल्लेबाजी भी उतनी ही अच्छी है। लैंगर ने कहा कि राहुल स्पिन और गति से मुकाबले में भी समान रूप से अच्छे हैं। उनके पास काफी लंबा अनुभव भी है। वह मैदान के दोनों तरफ खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को समान रुप से अच्छी तरह से खेलते हैं। मैं वास्तव में आभारी हूं कि मुझे ऐसा कप्तान मिला है।

पद्म विभूषण से सम्माति होंगे मेगास्टार चिरंजीवी !

एक्टर को अब तक मिले 20 अवॉर्ड्स
मेगास्टर चिरंजीवी को लेकर हाल ही में एक बड़ी खबर सामने आई है। चार दशक से भी लंबे करियर में चिरंजीवी ने 150 से ज्यादा फिल्में करने वाले मेगास्टार चिरंजीवी के जीवन में नया सम्मान जुड़ने वाला है। कहा जा रहा है कि उन्हें जल्द ही देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। एक वेब पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चिरंजीवी को पद्म विभूषण से नवाजा जाएगा। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। चिरंजीवी को 26 जनवरी के मौके पर पद्म विभूषण से नवाजा जाएगा।
चिरंजीवी फिल्मों के अलावा वह समाज सेवा भी करते रहते हैं और खूब चैरिटी भी करते हैं। ऐसे में चिरंजीवी को यह सम्मान उनकी सोशल सर्विस के लिए दिया जाएगा। कोरोना काल के दौरान चिरंजीवी ने लोगों की मदद के लिए एंबुलेंस सर्विस की शुरुआत की थी। इसके अलावा वह अपने नाम से एक ब्लड बैंक भी चलाते हैं। उन्होंने कोरोना पीड़ितों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ऑक्सीजन बैंक की स्थापना की थी।
चिरंजीवी को अब तक पद्म भूषण, 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ, तीन नंदी अवॉर्ड्स और डॉक्टरेट की मानद उपाधि समेत कई और अवॉर्ड मिले हैं, जिनकी कुल संख्या 20 है। इनमें जी सिने, संतोषम और सिनेमा एक्सप्रेस के अलावा रघुपति वैंकेया अवॉर्ड और ढ्ढस्नस्नढ्ढ इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर अवॉर्ड जैसे सम्मान शामिल हैं।

एक्ट्रेस मानुषी ने मुंबई कॉलेज फेस्ट में फ़िल्म

ऑपरेशन वेलेंटाइन से अपना लुक जारी किया
एक्ट्रेस, यूथ आइकन और परोपकारी मानुषी छिल्लर आज मुंबई में मीठीबाई कॉलेज के वार्षिक इंटरकॉलेजिएट फेस्टिवल में स्टार आकर्षण थीं। छिल्लर ने चियरिंग, हूटिंग और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मौजूदा स्टूडेंट्स के सामने अपनी आगामी फिल्म, ऑपरेशन वेलेंटाइन से अपना लुक जारी किया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित बाइलिंगुअल (तेलुगु और हिंदी) देशभक्तिपूर्ण मनोरंजन फिल्म में छिल्लर एक रडार ऑफिसर की भूमिका निभा रहीं हैं। फिल्म इंडियन एयर फोर्स के नायकों की यात्रा और कर्तव्य के दौरान उनके सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है। शक्ति प्रताप सिंह द्वारा निर्देशित, ऑपरेशन वेलेंटाइन में तेलुगु स्टार वरुण तेज हैं। फिल्म की कास्ट और क्रू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वंदे मातरम सॉन्ग को लॉन्च करने के लिए वाघा बॉर्डर की यात्रा करने के लिए तैयार हैं।

कन्फर्म हुई मंजुलिका की वापसी

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी विद्या बालन

बड़े पर्दे और ओटीटी पर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 ने खूब धमाल मचाया था। इस फिल्म में कार्तिक संग कियारा आडवाणी और तब्बू ने काम किया था। वहीं राजपाल यादव को एक बार फिर छोटे पंडित के रोल में देखा गया था। अब जल्द ही फिल्म भूल भुलैया 3 भी आने वाली है। इस साल दर्शकों को भूल भुलैया 3 देखने को मिलेगी। इस फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में कार्तिक आर्यन एक बार फिर से रूह बाबा के रूप में दर्शकों को रोमांचित करते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि दर्शकों पर पकड़ बनाने के लिए इस फिल्म में और ज्यादा एक्साइटमेंट डाली जाएगी। इसमें कई ट्विस्ट भी होंगे। वहीं दूसरी तरफ कुछ दिनों पहले समाचारों में बताया गया था कि इस फिल्म में मंजुलिका के रूप में विद्या बालन की वापसी होगी। बताया जा रहा है कि विद्या बालन फेंचाइजी में मंजुलिका के रूप में वापसी कर रही हैं। फिल्म से जुड़े सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया है कि मेकर्स इस बात को सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं कि भूल भुलैया 3 दर्शकों के बीच हिट साबित हो। इसमें विद्या बालन मंजुलिका के किरदार में वापसी करेंगी। विद्या को ये पार्ट ऑफर हुआ था और वो एक बार फिर मंजुलिका का किरदार निभाने के लिए काफी उत्साहित हैं।

कौन होगी फिल्म की हीरोइन?

फिल्म की हीरोइन की बात करें तो अभी मेकर्स ने किसी के नाम का ऐलान नहीं किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा अली खान को कार्तिक के साथ फिल्म में देखा जा सकता है। हालांकि मेकर्स अभी इस रोल को लेकर अलग-अलग एक्टर्स से बातचीत कर रहे हैं। अभी हीरोइन फाइनल नहीं की गई है। मेकर्स किसी ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं जो विद्या बालन के सामने टिक सके। अगर सब कुछ सही रहा तो इस साल के फरवरी तक भूल भुलैया 3 को अपनी फीमेल लीड मिल जाएगी।

इस दिन रिलीज होगी भूल भुलैया 3

भूल भुलैया फेंचाइजी की बात करें तो साल 2007 में पहली फिल्म रिलीज हुई थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन और शाइनी आहूजा को देखा गया था। वहीं 2022 में दूसरी फिल्म आई, जिसमें कार्तिक और कियारा की जोड़ी को देखा गया। इसमें तब्बू ने डबल रोल निभाया था। उन्हें मंजुलिका के साथ-साथ अंजुलिका के रोल में देखा गया था, जो जुड़वा बहनें थीं। भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट दिवाली 2024 तय की गई है।

तेलुगु फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं जैमी

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर कलाकार जॉनी लीवर ने अपनी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। वहीं, अब उनकी बेटी जैमी लीवर तेलुगु फिल्म से अभिनय करियर में कदम रखने जा रही हैं। जैमी लीवर भी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। कॉमेडी में अभिनेत्री अपने पिता को मात देती हैं। अक्सर उनके कॉमेडी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान जैमी ने अपने तेलुगु फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के प्रति खुशी जाहिर की। जैमी लीवर ने कहा, मैं तेलुगु फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रही हूं, जिसका नाम आ ओकाट्टी अडक्कु है। इस फिल्म में काम करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। यह मेरे लिए सिर्फ करियर में आगे बढ़ने के लिए ही नहीं है, बल्कि यह फिल्म मेरी दादी को भावभीनी श्रद्धांजलि भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेरी मातृभाषा तेलुगु है और मेरी दादी ही मेरी मातृभाषा को समझती हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे इस फिल्म में काम करने का अवसर दिया गया। इसके लिए मैं आभार व्यक्त करती हूं। मैं सिनेमा के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़ने का मौका पाकर धन्य महसूस कर रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह मेरी भाषा, संस्कृति और परिवार का उत्सव है। जैमी ने फिल्म में काम करने का उत्साह जाहिर करते हुए कहा, मैं अपने साउथ डेब्यू के लिए बहुत उत्साहित हूं। तेलुगु सिर्फ एक भाषा नहीं है, यह मेरी पहचान का एक हिस्सा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आएगी और उन्हें मुझे बड़े पर्दे पर देखकर आनंद आएगा। जैमी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। आ ओकाट्टी अडक्कु फिल्म के निर्माता छोटा भीम के राजीव चिलका हैं। जैमी के अलावा इस फिल्म में तेलुगु इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार नजर आने वाले हैं।

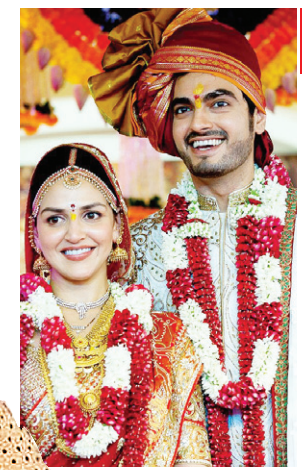

धर्मेंद्र-हेमा की लाडली की जिंदगी में तूफान

शादी के 11 साल बाद पति भरत से अलग हुई ईशा

बॉलीवुड एक्ट्रेस हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बड़ी बेटी ईशा देओल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। बॉलीवुड के गलियारों में ईशा देओल और भरत तख्तानी के रिश्ते को लेकर खूब गॉसिप हो रही है। दरअसल, खबरें ऐसी आ रही हैं कि ईशा अपने पति भरत तख्तानी से अलग हो गई हैं। पिछले काफी समय से दोनों साथ नहीं है। ईशा और भरत को फिल्म इंडस्ट्री के सबसे स्ट्रॉन्ग कपल के रूप में देखा जाता था लेकिन पिछले कुछ वक्त से ऐसा नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत रेडिट के एक वायरल हो चुके पोस्ट की वजह से हुई थी। पोस्ट में कहा गया था कि मिया-बीवी के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।इसके बाद यूजर्स ने इस बात पर गौर किया कि पिछले साल से शुरू हुए फेस्टिव सीजन में ईशा देओल को सिर्फ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ देखा गया था।आमिर खान की बेटी आयरा के रिसेप्शन हो या फिर दीवाली पार्टी। इतना ही नहीं सासू मां हेमा के बर्थडे से भी भरत गायब रहे। वहीं अब इन सब बातों को लेकर कपल से जुड़े सूत्रों ने खुलासा किया। सूत्रों के मुताबिक ईशा और भरत के अलग होने की सभी खबरें झूठी हैं।

अपनी मर्जी से गा नहीं पाएंगे रैपर बोहेमिया!

पंजाबी रैपर बोहेमिया को बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है, जिसके अनुसार बोहेमिया बिना अनुमति के परफॉर्म नहीं कर सकेंगे। इस खबर से उनके फैंस खासा दुखी हैं। हम आपको ये आदेश हाईकोर्ट ने सागा म्यूजिक की याचिका पर जारी किया है।

सागा म्यूजिक ने बोहेमिया के खिलाफ कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। हाईकोर्ट ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि बोहेमिया को कहीं भी गाने से पहले, म्यूजिक वीडियो बनाने से पहले या फैंस के बीच परफॉर्म करने से पहले सागा म्यूजिक की लिखित अनुमति लेनी होगी। अगर उन्होंने परमिशन नहीं ली तो वह सिंगिंग या परफॉर्म नहीं कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 16 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस अनीश दयाल ने सागा म्यूजिक की याचिका पर ये अंतरिम आदेश जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 फरवरी को की जाएगी। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा है कि बोहेमिया या उनसे जुड़े लोग याचिकाकर्ता पर अपमानजनक टिप्पणी नहीं करे। केवल बोहेमिया ही नहीं, इस मामले में अन्य लोगों को भी नोटिस जारी हुआ है।

साल 2019 का है मामला

आपको बता दें कि ये मामला साल 2019 से हाईकोर्ट में चल रहा है। सागा म्यूजिक ने बोहेमिया पर आरोप लगाया था कि रैपर ने उनके साथ जो कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, उसका उल्लंघन हुआ है। सागा म्यूजिक की ओर से कहा गया था कि बोहेमिया के साथ कॉन्ट्रैक्ट हुआ था कि वह पूरे 45 महीने तक इसी कंपनी के साथ काम करेंगे। इस दौरान वह किसी अन्य म्यूजिक ग्रुप या आर्टिस्ट के साथ काम नहीं कर सकते। इसके अलावा कॉन्ट्रैक्ट में ये भी था कि बोहेमिया के सभी गाने, वीडियो, परफॉर्मेंस में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट सागा म्यूजिक के होंगे। बोहेमिया पर आरोप है कि उन्होंने इन सभी शर्तों का उल्लंघन किया है।

सगाई-शादी करने के मूड में नहीं है विजय -रश्मिका !

साउथ स्टार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अक्सर अपनी डेटिंग की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिनों ही खबर आई थी कि ये रयूमर्ड कपल फरवरी में सगाई करने जा रहा है। लेकिन अब इस खबर ने नई अपडेट सामने आई है। हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों फरवरी में सगाई नहीं कर रहे हैं क्योंकि वे अपने-अपने करियर में व्यस्त हैं हालांकि इस खबर में ये दावा किया गया है कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में हैं। जी हां, आपने ठीक सुना। एक वेब पोर्टल की खबर के मुताबिक कपल फरवरी या निकट भविष्य में सगाई नहीं करेंगे। एक सूत्र ने प् बताया-वे एक साथ रह रहे हैं, खुश हैं और संतुष्ट हैं कि उनका रिश्ता कैसा चल रहा है और फिलहाल सगाई करने की जरूरत महसूस नहीं होती है। इसके साथ ही वे इस समय अपने काम पर फोकस कर रहे हैं इसलिए वे जल्द ही सगाई करने की योजना नहीं बना रहे हैं।

क्रैक के गाने में विद्युत जामवाल के साथ नजर आएंगी अभिनेत्री पूजा सावंत

जंगली और सनक जैसी फिल्मों में एक्शन स्टार विद्युत जामवाल के साथ काम करने वाली अभिनेत्री पूजा सावंत और रुक्मिणी मैत्रा, उनकी आगामी फिल्म क्रैक के एक गाने में उनके साथ नजर आएंगी। सेट से विद्युत और पूजा की एक तस्वीर वायरल हो रही है। तस्वीर में वे स्कूटर पर बैठे नजर आ रहे हैं। अभिनेता सफेद गंजी और डेनिम के साथ रंगीन शर्ट पहने हैं। उन्होंने अपने लुक को सनग्लासेस से पूरा किया। पूजा पीछे की सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। गाने के बारे में विवरण गुप्त रखा गया है। हालांकि, यह आगामी फिल्म क्रैक का एक हिस्सा है, जिसे एड्रेनालाइन रशिंग स्पोर्ट्स फिल्म के रूप में जाना जाता है। फिल्म का पहला ट्रैक दिल झूम जारी कर दिया गया है और इसमें नोरा फतेही और विद्युत हैं। यह ट्रैक फिलहाल इंस्टाग्राम पर ट्रेंड कर रहा है। दिल झूम पाकिस्तानी गायक अली जफर के लोकप्रिय ट्रैक झूम का एक प्रस्तुतिकरण है। रीमिक्स में प्रसिद्ध गायक श्रेया घोषाल, विशाल मिश्रा और तनिष्क बागची ने सहयोग किया है। विद्युत जामवाल और एक्शन हीरो फिल्म्स द्वारा निर्मित और आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित क्रैक 23 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रामायण में अहम भूमिका में नजर आ सकती हैं कुब्रा सैत, दिया ऑडिशन

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक के बाद एक अपडेट्स आ रही हैं। बॉबी देओल, सनी देओल और लारा दत्ता के बाद अब एक्ट्रेस कुब्रा सैत का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ गया है। अगर सूत्रों की मानें, तो सेक्रेड गेम्स में कुकू का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने अहम रोल के लिए ऑडिशन दिया है। कुब्रा सैत बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म की जानी एक्ट्रेस हैं। पिछले कई दशकों में उन्होंने सेक्रेड गेम्स के अलावा फिल्म जवानी जानेमन संग अन्य प्रोजेक्ट्स में काम किया है। काजोल की सीरीज ट्रायल और शाहिद कपूर की सीरीज फर्जी में भी उन्हें बढ़िया काम करते देखा गया था। इसके अलावा वो एपल टीवी के शो फाउंडेशन में भी अलग अवतार में नजर आ चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, कुब्रा सैत ने रामायण में रावण की बहन शूर्पणखा के रोल के लिए ऑडिशन दिया है। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस इस रोल को पाने की उम्मीद कर रही हैं। फिल्म में उनके भाई रावण के रोल में केजीएफ स्टार यश होंगे। कुब्रा को उम्मीद है कि इस बड़ी फेंचाइजी का हिस्सा बन जाएं। बॉबी नहीं कर काम? हाल ही में खबर आई थी कि बॉबी देओल को नितेश तिवारी की रामायण में कुंभकर्ण का रोल ऑफर हुआ है। हालांकि एक्टर की टीम ने इस खबर को सिरे से खारिज कर दिया। बताया गया है कि इन दिनों बॉबी अपनी साउथ फिल्म कुंगवा पर सुपरस्टार सूर्या के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा उनके पास आर्यन खान की वेब सीरीज स्टारडम भी है। कहा जा रहा है कि बॉबी के बड़े भाई सनी देओल को रामायण में भगवान हनुमान का रोल निभाने का ऑफर मिला है।
यहां तक कि रणबीर कपूर भी चाहते हैं कि सनी ये रोल करें। वहीं लारा दत्ता इसमें राजा दशरथ की तीसरी पत्नी कैकेयी के रोल में नजर आ सकती हैं। लारा मार्च 2024 में शुरू होने वाले फिल्म के पहले शेड्यूल में रणबीर कपूर के साथ शूटिंग करेंगी। नितेश अपनी रामायण को तीन भागों में बनाएंगे। इसमें साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी, माता सीता का रोल निभा रही हैं।